जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 5 नवम्बर, 2023

सिर्फ 10 दिन में 10 लाख बढ़ेंगे

FIXED PRICE

KEDIA

सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

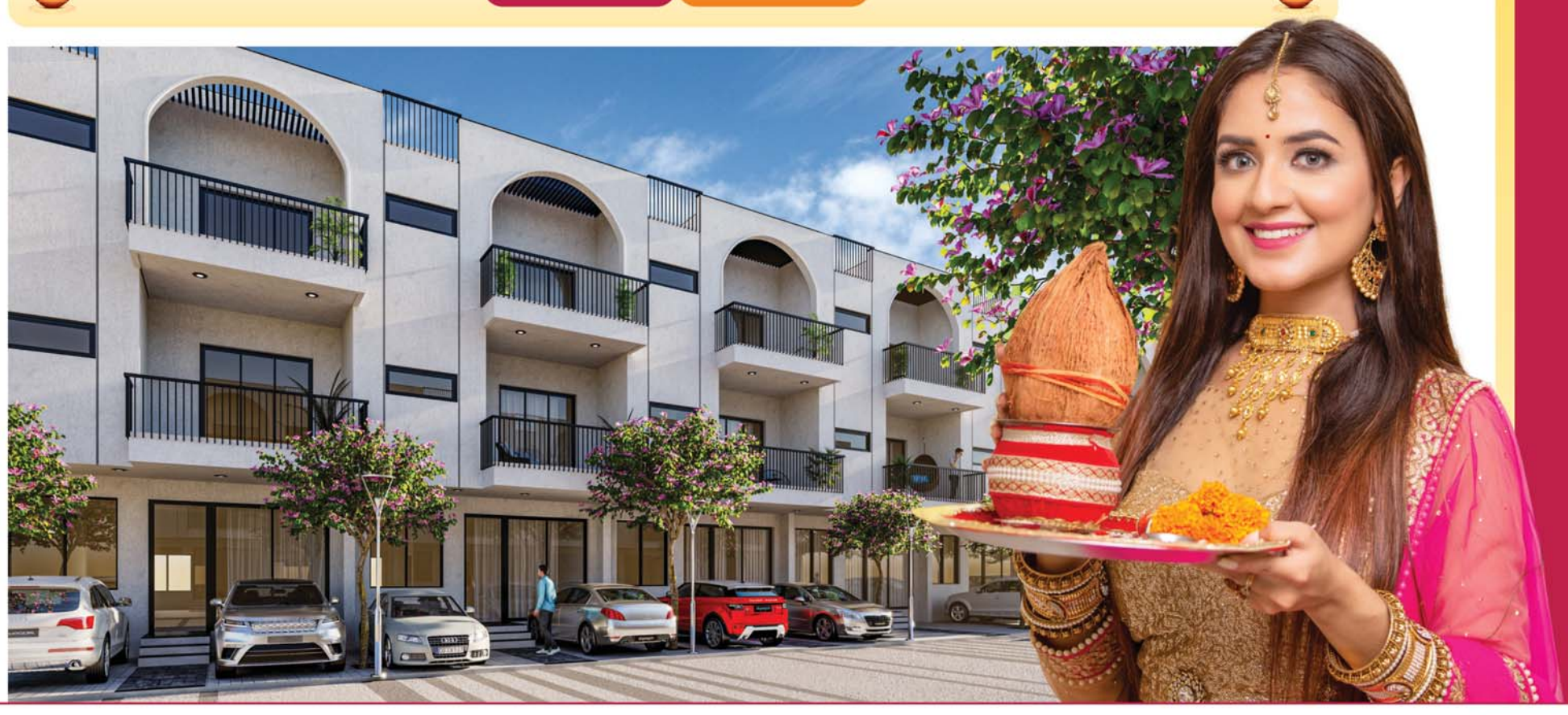

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

लोकतंत्र की कसौटी पर चुनावी बॉण्ड का आंकलन

लोकतंत्र की सार्वभौमिक पहचान में कई प्रमुख सिद्धांत शामिल हैं, जिनमें बोलने, सभा करने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे व्यक्तिगत मानवाधिकारों की सुरक्षा शामिल है; कानून का शासन, कानून के समक्ष सबकी समानता, पारदर्शी और उत्तरदाई शासन; नियमित, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जहां नागरिकों को वोट देने और अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है; निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में नागरिकों की भागीदारी; स्वतंत्र न्यायपालिका; अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा; प्रेस व पत्रकारिता की स्वतंत्रता; और शक्ति के संकेंद्रण व दुरुपयोग रोकने के लिए नियंत्रण और संतुलन की प्रणाली भी शामिल है। ये मूलभूत सिद्धांत सामूहिक रूप से एक मजबूत और जीवंत लोकतांत्रिक समाज की नींव बनाते हैं। सामूहिक रूप से इन्हें आप लोकतंत्र की कसौटी कह सकते हैं जिसका प्रयोग कर आप किसी भी व्यवस्था के कार्यों के लोकतांत्रिक होने या न होने की जांच-पड़ताल कर सकते हैं।

आइये, इन सार्वभौमिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों की कसौटी पर भारत में इलेक्टोरल बांड की खरीद और प्राप्तकर्ताओं के सन्दर्भ में एक विश्लेषण करते हैं। यह एक आम बात है कि भ्रष्टाचार को रोकने और लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के उद्देश्य से राजनीतिक चंदेका पारदर्शी संचालन होना चाहिए। चुनावी चंदे के बारे में नागरिकों को जानने का अधिकार है और लोगों को यह जानकारी देकर राजनीतिक दलों को उत्तरदाई ठहराया जा सकता है। इससे नागरिक समुचित निर्णय ले सकते हैं। फिर भी, यहाँ यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि इस मुद्दे के संबंध में उपलब्ध विधान और उसकी कानूनी वैधता आदि का वर्तमान में न्यायालय में आकलन किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप यह विषय एक बार पुनः देश में गंभीर चर्चा में आ गया है।

लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रकाश में भारत में चुनावी बांड की उत्पत्ति और प्राप्तकर्ताओं की जानकारी का खुलासा नागरिकों को किया जाये या नहीं इस के नैतिक और कानूनी निहितार्थों के संबंध में विविध व्याख्याएं और दृष्टिकोण मौजूद हैं। सारांश में इन्हें देखना समीचीन रहेगा।

नैतिक दृष्टिकोण से पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतंत्र के मूलभूत स्तंभ हैं। नागरिकों को राजनीतिक फंडिंग स्त्रोतों का खुलासा और पूर्ण जानकारी प्राप्त करना लोगों का मौलिक अधिकार है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इससे चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा होती है और भ्रष्ट प्रथाओं या अनुचित प्रभाव की घटना को रोकने में मदद मिलती है। चुनावी बांड की उत्पत्ति और प्राप्तकर्ताओं का खुलासा करके पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। इससे मतदाता निर्णय लेने और राजनीतिक दलों को उनके मौद्रिक लेनदेन के लिए जिम्मेदार ठहराने में सक्षम हों सकेंगे।

कानूनी दृष्टिकोण से चुनावी बांड की उत्पत्ति और प्राप्तकर्ताओं का खुलासा एक जटिल कानूनी स्थिति वाला एक विवादास्पद मुद्दा है। चुनावी बांड के कार्यान्वयन के पीछे प्राथमिक उद्देश्य दाताओं की गोपनीयता की रक्षा करना और उन पर निर्देशित किसी भी संभावित प्रतिकूल प्रतिक्रिया या पूर्वाग्रह को रोकना था। फिर भी, विरोधियों का तर्क है कि पारदर्शिता की यह अनुपस्थिति क्विड प्रो क्वो (यानी, कुछ के लिए कुछ) सहित राजनीतिक संगठनों के वित्तीय लेनदेन की जांच करने की व्यक्तियों की क्षमता को बाधित करके लोकतांत्रिक सिद्धांतों को नष्ट कर देती है।

उदाहरण के लिए, एक कॉर्पोरेट समूह, अनुकूल नीति परिवर्तन की अन्दर ही अन्दर मांग करते हुए, चुनावी बांड के माध्यम से एक राजनीतिक दल को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय ले सकता है। बदले में, पार्टी ऐसी नीतियां पेश करती है जो उस कॉर्पोरेट घराने के हितों के अनुरूप होती हैं। यह अदला-बदली की स्थिति वाली व्यवस्था राजनीति में धन के प्रभाव और लोकतांत्रिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के साथ समझौते की आशंका के बारे में चिंताउत्पन्न करती है। यह लोकतंत्र के लिए सतत चुनौती है। संबंधित कॉर्पोरेट घराने द्वारा प्रदान की गई फंडिंग तथाउनके पक्ष में नीतिगत बदलाव एक दुष्चक्र पैदा कर सकने में सक्षम हैं। विशेष कॉर्पोरेट घराना अनुकूल नीतियों के कारण अधिक कमाई करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सत्ता में उसी मित्रवत राजनीतिक दल को पुनः अतिरिक्त चंदा मिलता है। यह दुष्प्रभाव के दुष्चक्र को बनाये रखता है और संभावित रूप से प्रतिनिधित्व की विविधता को सीमित करता है और चुनावों में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को रोककर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करता है।

कुछ ऐसे कॉरपोरेट घराने जो मुनाफा नहीं कमा रहे हैं किन्तु चुनावी बांड के माध्यम से धन क्यों मुहैया कराते हैं? रोचक बात यह है कि ऐसे कुछ कॉरपोरेट घरानों के उदाहरण हैं, जिन्होंने नीति निर्माताओं तक प्रभाव और पहुंच प्राप्त करने के लिए चुनावी बांड के माध्यम से धन मुहैया कराया है, और करा सकते हैं, भले ही वे वर्तमान में घाटे में चल रहे हों। स्वाभाविक है कि उनका लक्ष्य,सत्ता में एक राजनीतिक दल का समर्थन करकेअपने पक्ष में नीतियों को आकार देना, नियामक लाभ सुरक्षित करना और अपने दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना है। यह रणनीतिक निवेश उन्हें एक अनुकूल कारोबारी माहौल बनाए रखने और उनकी वर्तमान लाभप्रदता की परवाह किए बिना, उनके लाभ के लिए निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को संभावित रूप से प्रभावित करने में सक्षम बनाता है।

> **संक्षेप में, भारत में चुनावी बांड कहां से आते हैं और किसे दिए जाते हैं, इसे सार्वजनिक करने के नैतिक और कानूनी प्रभावों पर अलग-अलग राय मौजूद हैं। हालाँकि, लोकतांत्रिक समाज के लिए चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा में खुलेपन, जिम्मेदारी और जनता के हित के सिद्धांतों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।**

यह स्थिति एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है: इस प्रकार का चंदा की प्रक्रिया लोकतंत्र से कैसे समझौता करती है? यह प्रक्रियादलों के मध्य असमानताबढ़ाती है और समान प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को कमजोर करके लोकतंत्र से समझौता करती है। जब कॉर्पोरेट घराने सत्ता में मौजूद किसी राजनीतिक दल को अनुपातहीन रूप से बड़ी धनराशि मुहैया कराते हैं, तो इससे सत्ता और प्रभावित केवल कुछ राजनीतिक संस्थाओं के हाथों में केंद्रित हो जाती है निरंतर केन्द्रित रह सकती है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विकृत कर सकता है, क्योंकि नीतियां और निर्णय जनता के व्यापक हितों के बजाय इन निगमों के हितों से प्रभावित हो सकते हैं। यह एक ऐसी सरकार की धारणा को ख़त्म कर सकता है जो लोगों के हितों की सेवा करती है। इसके बजाय वित्तीय समर्थन वाले लोगों के एजेंडे को प्राथमिकता मिलाने लगती है। ऐसी स्थिति समस्त नागरिकों के लिए निष्पक्ष और समान प्रतिनिधित्व के लोकतांत्रिक आदर्श को कमज़ोर करता है।

हालाँकि चुनावी बांड पर बहुत अधिक शोध नहीं हुआ है, लेकिन कुछ शोधपत्रों ने कंपनी के मूल्य और परिचालन प्रदर्शन पर भारतीय उद्यमों की राजनीतिक निकटता और नकदी-धारण व्यवहार के प्रभाव का पता लगाया है। उदाहरण के लिए 2009 और 2019 के बीच भारत में तीन आम चुनावों के दौरान सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों के लिए राजनीतिक दान और राजनीतिक संबंधों के एक बड़े डेटाबेस के विश्लेषण से पता चला कि राजनीतिक रूप से जुड़ी कंपनियों ने कम जुड़े या नहीं जुड़े समकक्षोंसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा, राजनीतिक रसूख और उच्च नकदी शेष वाली भारतीय कंपनियों का अंततः प्रीमियम पर मूल्यांकन होता पाया गया है। विभिन्न कारकों को ध्यान में रखने के बाद किये गए सांख्यिकीय विश्लेषण में भीये निष्कर्ष स्थिर, मजबूत और विश्वसनीय बने रहते हैं। जैसा कि अब सर्वविदित है, वित्त विधेयक 2017 में संशोधन ने चुनावी बांड का विधान प्रस्तुत किया था। इन प्रावधान ने बड़े दान के माध्यम से बड़े उद्योग-धंधों और सरकारों के बीच संबंधों को बढ़ाया है (देखें के. गांगुली इत्यादि, इमर्जिंग मार्केट्स फाइनेंस एंड ट्रेड, 59(10): 3241-3265, 2023).

एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि चुनावी बांड वस्तुतः कॉर्पोरेट घरानों के लिए अपने राजनीतिक चंदे को छुपाना आसान बनाते हैं, क्योंकि वे यह नहीं बताते कि चंदा किस राजनीतिक दल के लिए है। कंपनियां नई चुनावी बांड योजना की ओर आकर्षित हो रही हैं, जो इस शोध के निष्कर्षों के अनुसार मनीलॉन्ड्रिंग की आशंका को बढ़ा देती है। हालाँकि मामला अब अदालत में है, तथापि पूर्व में त्वरित निर्णय देने की विफलता के कारण यह प्रश्न तो उठता है कि क्या न्यायपालिका नेसंविधान के अंतिम मध्यस्थ और रक्षक के रूप में अपनी ज़िम्मेदारी से खुद को मुक्त कर लिया था? खैर, जो भी हो,शोध यह सिद्ध करती है कि चुनावी बांड के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को अनुचित लाभ मिलता है। गोपनीयता और गुमनाम लेनदेन लोकतंत्र में जवाबदेही को कमजोर करतेहैं और इस प्रकार, चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता को भी दुर्बल करती है। संक्षेप में, इलेक्टोरल बांड के प्रावधान ने देश में लोकतंत्र की स्थिति को और कमज़ोर किया है, क्योंकि इस व्यवस्था में यह तथ्य स्पष्ट नहीं हो पाता कि ऐसे चंदे के परिणामस्वरूप जो कॉर्पोरेट घरानों द्वारा मतदाताओं को अंधेरे में रखकर पार्टी फण्ड में दिया गया है, के कारण चंदा-प्राप्त सत्तारूढ़ दल द्वारा उन कॉर्पोरेट घरानों को किस प्रकार की नीति बनाकर या देश के कौन से संसाधनों तक कॉर्पोरेट की पहुँच सुनिश्चित कर समर्थन प्रदान किया गया है (देखें, डी. आनंद, जर्नल ऑफ लिबर्टी एंड इंटरनेशनल अफेयर्स 9(1):89-100, 2023)।

प्रारंभिक विश्लेषण भी चुनावी बांड की शुरूआत को प्रतिगामी उपाय ही बताते हैं क्योंकि यह चुनावी फंडिंग की पारदर्शिता को मूलभूत रूप से बदल देता है। बांड के खरीदार और प्राप्तकर्ता की पहचान को नागरिकों और समाज से छिपाकर सत्तारूढ़ पार्टी क्या अनुचित लाभ दे रही है या नहीं, यह ज्ञात नहीं हो पाता। शोध में यह भी चिंता प्रकट की गई है की यह व्यवस्था चुनाव आयोग की निरीक्षण और नियंत्रण की भूमिका भी कमजोर करती है (के.के. जसवाल, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 54(21):32-36, 2019)। इससे भी आगे, ठोस एम्पीरिकल शोध भी यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है कि सत्तारूढ़ दल चुनावी अभियान में ऐसे धन का अभूतपूर्व स्तर परव्यय करने में सक्षम पाया गया जो कि फंडिंग की अपारदर्शिता के माध्यम से उनके पास आया था जो चुनावी बांड के माध्यम से लोगों के लिए जान सकने की क्षमता से बाहर कर दिया गया था (देखें, जी. वर्नियर्स, सी. जाफ़रलॉट, कंटेम्परेरी साउथ एशिया, 28(2): 155-177, 2020)।

चुनावी बांड का खुलासा न करना वर्तमान में न्यायिक चुनौतियों का विषय रहा है, और अब तक यह मुद्दा अनसुलझा बना हुआ है। लोकतांत्रिक राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता का महत्व यह स्पष्ट करता है कि गैरकानूनी गतिविधियों को छुपाना ही औचित्य नहीं बन जाना चाहिए। स्वतंत्र और पारदर्शी चुनावों की गारंटी में निजता के अधिकार और व्यापक जनहित के बीच संतुलन बनाने के महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता है।

अब अंतिम प्रश्न आता है। हम देश के लोकतंत्र को बचाते हुए चुनावी बांड के माध्यम से कॉर्पोरेट फंडिंग कैसे जारी रख सकते हैं? कॉर्पोरेटफंडिंग और लोकतंत्र की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए पारदर्शिता हेतु मजबूत उपाय करना महत्वपूर्ण है। चुनावी बांड से जुड़ी समस्त जानकारी का पूर्ण और स्पष्ट प्रकटीकरण आवश्यक होने से लागू करना चाहिए; जानकारी तक रियल-टाइम में सार्वजनिक पहुंच सुनिश्चित करना और चुनावी प्रचार अभियान के समय खर्च व वित्तीय नियमों को मजबूत करना आदि जवाबदेही बनाए रखने और अनुचित प्रभाव को रोकने में सहायक हो सकता है। इसके अतिरिक्त, जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देना, छोटे दानदाताओं को प्रोत्साहित करना और राजनीतिक परिदृश्यकी विविधता को बढ़ावा देना लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को अक्षुण्ण रखते हुए कॉर्पोरेट फंडिंग से जुड़े संभावित जोखिमों को कम करने में मदद कर सकता है।

संक्षेप में, भारत में चुनावी बांड कहां से आते हैं और किसे दिए जाते हैं, इसे सार्वजनिक करने के नैतिक और कानूनी प्रभावों पर अलग-अलग राय मौजूद हैं। हालाँकि, लोकतांत्रिक समाज के लिए चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा में खुलेपन, जिम्मेदारी और जनता के हित के सिद्धांतों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, लोकतंत्र के सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांतों की कसौटी पर परखा गया यह निष्कर्ष भारत में चुनावी बांड के बारे में प्रत्येक नागरिक के जानने के अधिकार के पक्ष में है। अतः इलेक्टोरल बांड के बारे में पूर्ण और निर्बाध पारदर्शिता लाना अनिवार्य तथा लोकतंत्र के हित में है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

"एन. ए. ए. सी." में सुधार आवश्यक

डॉ.कैलाश सोडाणी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के अंतर्गत 1994 में स्थापित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बेंगलोर (एनएएसी) भारत में कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के ऑकलन तथा प्रत्यायन का कार्य करती ह। उच्च शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता की स्थिति को जानने का कार्य किया जाता है। नैक द्वारा निष्पादित मानकों को कॉलेजों द्वारा किस स्तर तक पूरा किया जा रहा है। शैक्षिक प्रक्रियाओं में संस्था का प्रदर्शन समयानुकूल पाठ्यक्रम एवं क्रियान्वयन शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन तथा छात्रों के परिणाम अध्यापकों का अनुसंधान कार्य एवं प्रकाशनए बुनियादी सुविधाओं की स्थिति प्रशासनिक व्यवस्था आर्थिक स्थिति छात्र सेवाएँ तथा स्टेक होल्डर्स के संस्था के बारे में विचार इत्यादि मूल्यांकन में सम्मिलित हैं। इस समय देश में कुल 1,074 विश्वविद्यालयों में से 441 एवं लगभग 45000 कॉलेजों में से 9,400 ने ही नैक से मूल्यांकन करवाया है। जो निश्चित रूप से धीमी गति के समाचार हैं।

नैक के मानकों में क्लास रूम टीचिंग, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, शिक्षकों को देय वेतन एवं कॉलेज फीस सम्मिलित नहीं है। इन मुख्य स्तम्भों के अभाव में किसी भी शैक्षणिक संस्थान के मूल्यांकन का बहुत अधिक औचित्य नहीं रह जाता है। विद्यार्थी की शैक्षणिक यात्रा के मुख्यतः दो पडाव है पहला क्लास रूम एवं दूसरा खेल का मैदान। छात्र जीवन का ज्यादातर समय क्लासरूम लेबोरेट्री एवं लाइब्रेरी में ही व्यतीत होना चाहिए। विद्यार्थी का क्लासरूम के प्रति लगाव बनाये रखने के लिए शिक्षक को विषय वस्तु की तैयारी के साथ नियमित रूप से कक्षा में जाना होगा। विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास के लिए उससे यह अपेक्षा वाजिब है कि वह प्रतिदिन घण्टे दो घण्टे खेल के मैदान पर व्यतीत करेगा। नैक द्वारा इन्हें नजरअंदाज करने के कारण पिछले काफी समय से क्लासरूम टीचिंग कमजोर हो गयी है। विद्यार्थी नियमित होते हुए भी कॉलेज नहीं आ रहा है। अंतिम परिणाम यह हो रहा है कि क्लास रूमए खेल के मैदान एवं रंगमंच वीरान हो गये हैं।

दूसरी ओर शैक्षणिक संस्थान का मुख्य किरदार है शिक्षक, उसको मिलने वाला वेतन सुविधाओं को नैक ने कोई महत्व नहीं दिया है। सभी जानते है नैक से ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त निजी शिक्षण संस्थाओं ने शिक्षक को यूण्जीण्सीण् वेतनमान से बहुत नीचे के पायदान पर खडा कर रखा है। कमजोर वेतन एवं सुविधाओं के अभाव में प्रतिभाएं वहाँ शिक्षक बनना स्वीकार नहीं करती है तो फिर ऐसे ए प्लस प्लस संस्थानों में क्वालिटी टीचिंग कैसे संभव है। एक शिक्षण संस्थान अपने शिक्षक को 2 लाख रूपया महीने वेतन भुगतान करता है और दूसरा मात्र 20 हजार रूपए महीना। नैक दोनों में कोई अन्तर नहीं करता है। निश्चित रूप से विद्यार्थी को मिलने वाले ज्ञान के स्तर में तो अंतर रहेगा। नैक द्वारा शिक्षक के वेतन को मानकों में सम्मिलित नहीं करने से निजी शिक्षण संस्थाओं में शिक्षक को देय वेतन में कोई सुधार नहीं हो रहा है। नैक की 30 वर्ष की यात्रा के बाद भी शिक्षकों का शोषण यथावत है। परिणामस्वरूप प्रतिभाएं मार्ग बदल रही हैं। विद्यार्थी के लिए फीस का अपना महत्व है और हमेशा रहेगा। परन्तु नैक की तराजू में इतने महत्वपूर्ण मानक को कोई जगह नहीं दी गयी है। एक संस्थान किसी पाठ्यक्रम की पढाई के लिए 10 हजार रू. फीस ले रहा है और उसी पाठ्यक्रम के लिए दूसरा संस्थान एक लाख रू.फीस लेता है। परन्तु नैक 10 हजार रू.फीस लेने वाले संस्थान को पुरस्कृत नहीं करता है। यह उचित नहीं है। नैक को अपने मानकों में फीस को वाजिब स्थान देना चाहिए जिससे शैक्षणिक संस्थानों को अपनी फीस विद्यार्थी हित में रखने की प्रेरणा मिलेगी।

नैक में अध्ययन अध्यापन के स्थान पर कागजी कार्यवाही महत्वपूर्ण हो गई है। जिससे इस व्यवस्था में प्रोफेशनल आ गये हैं। धीरे-धीरे शिक्षक गौण होता जा रहा है। शिक्षा जगत के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है।

नैक निरीक्षण हेतु आने वाली पीयर टीम के सदस्य संस्था की प्रकृति के अनुरूप होने चाहिए अन्यथा संस्था के साथ न्याय नहीं होगा। पिछले माह मेरे दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने वाले खुले विश्वविद्यालय में नैक द्वारा जो पीयर टीम भेजी गयी उनमे एक भी सदस्य दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था से नहीं था। परिणामस्वरूप निरीक्षण के समय अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पडा। साथ ही इस प्रकार से गठित टीम द्वारा प्रदत्त ग्रेड से संस्था कभी संतुष्ट नहीं हो सकती है। यह तो वही स्थिति है कि किसी विद्यार्थी की गणित की उत्तरपुस्तिका राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर को जाँचने के लिए दे दी गयी हो। किसी मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण सामाजिक विज्ञान अथवा वाणिज्य के प्रोफेसर से करवाया जाना पूर्णतया गलत है। नैक को कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों की प्रकृति के अनुरूप निरीक्षण करने वाले सदस्यों की सूची बनाना चाहिए।

निसंदेह नैक से कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में सुधार का माहौल बना है। परन्तु बहुत कुछ सुधार अपेक्षित है, आवश्यक है।

- डॉ. कैलाश सोडाणी,
कुलपति, वर्धमान महावीर खुला विवि कोटा

डूंगरपुर के प्रमुख पेयजल स्त्रोत "एडवर्ड समंद" का पानी जीरो लेवल पर पहुंचा

प्रमुख स्त्रोत डिमिया भी अपनी भराव क्षमता को पूरा नहीं करने से खाली हो रहा है

डूंगरपुर, (निसं)। शहर की पेयजल का प्रमुख स्त्रोत इस वर्ष कम वर्षा होने के कारण भर नहीं पाये थे। जिसके चलते अब इन पेयजल स्त्रोतों में लगातार पानी खत्म हो रहा था। शनिवार को तो जब एडवर्ड समंद का मुआयना किया गया तो उसका पानी जीरो लेवल को छू गया। जहां से पानी को लिफ्ट कर टंकियों में ले जाना बंद हो जायेगा।

वहीं दूसरी ओर दूसरा प्रमुख स्त्रोत डिमिया भी अपनी भराव क्षमता को पूरा नहीं करने के कारण अब लगातार खाली हो रहा है और आगामी कुछ दिनों में वह भी जीरो लेवल पर आ जायेगा। ऐसे में एक माह पूर्व ही प्रशासन व शासन को समाचार पत्रों के जरिये इन दोनों प्रमुख स्त्रोतों की हालत से अवगत करा दिया गया था, लेकिन न तो सत्ता के रसूखदारों व ना ही प्रशासन के आला अफसरों को आम जनता को आगामी दिनों में आने वाली परेशानी से कोई सरोकार रहा। जबकि सोम कमला आम्बा से पेयजल इस क्षेत्र में उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रूपयों की योजना स्वीकृत हुई और लम्बा अर्सा गुजर गया और उसकी पाईप लाईने भी बिछा दी गई है। लेकिन सोम कमला आम्बा पर जो फिल्टर प्लांट तैयार करने का जिम्मा जिन अधिकारियों के हवाले था उनके अपने निजी स्वार्थ व लापरवाही के चलते अभी तक उस फिल्टर प्लांट का कोई ठोर ठिकाना नहीं है। ऐसे में यदि डूंगरपुर शहर की पेयजल आपूर्ति का दूसरा स्त्रोत डिमिया भी अगर जीरो लेवल पर आ गया तो शहर की पेयजल आपूर्ति आकस्मिक रूप से कहीं ठप्प न हो जाये। जब कि राज्य सरकार द्वारा पेयजल को लेकर इस वर्ष वांगड सहित पूरे उदयपुर संभाग में कम वर्षा के चलते पुख्ता व्यवस्था के निर्देश दे दिये गये हैं। लेकिन इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों की हठधर्मिता के चलते शहर की पेयजल व्यवस्था अब खतरे में पड़ने के कगार पर है।

> ■ **विभागीय अधिकारियों की हठधर्मिता के चलते पेयजल व्यवस्था अब खतरे में पड़ने के कगार पर**

हालांकि अभी से शहर में एकान्तर व दो-दो दिन के बाद पेयजल आपूर्ति की जा रही है। और इसी के चलते इन दिनों शहर में स्थित सभी हेडपम्पों पर संबंधित मोहल्लेवासी मोटर उतार कर अपने अपने घरों तक निजी खर्चे से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। नागरिकों ने प्रशासन से सोम कमला आम्बा बांध पर निमार्णाधीन फिल्टर प्लांट कार्य में तेजी लाने के लिए सख्त निर्देश देनी की मांग की है। ताकि आम जनता पानी जैसी मूलभुत सुविधा से महरूम न हो जाये।

डूंगरपुर शहर की पेयजल का प्रमुख स्त्रोत एडवर्ड का पेयजल स्तर जीरो लेवल पर पहुंचा।

शोध पत्र लेखन विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस-2023 समारोह के अन्तर्गत मासपर्यन्त आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की कड़ी में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के मानव संसाधन विकास केन्द्र के तत्वावधान में शोधपत्र लेखन विषयक छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला समारोह पूर्वक सम्पन्न हुई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि आई. सी. एम. आर. नई दिल्ली के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के रिसर्च एडवाइजर डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि विभिन्न प्रकार की रिसर्च की गाइडलाइन का शोधकार्यों में पालन करते हुए आयुर्वेद में अनुसंधान को उच्च स्तरीय जर्नल में प्रकाशित कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि वर्तमान में आयुर्वेद के विकास में हो रहे शोधकार्यों का रिसर्च के प्रोटोकॉल के साथ शोधपत्रों लेखन एवं उनके बहुचर्चित विख्यात जर्नल्स में प्रकाशन से आयुर्वेद के वैज्ञानिक पक्ष को निरन्तर समृद्ध किया जा सकता है।

मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक एवं इस कार्यशाला के आयोजन अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि इस छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 337 संभागियों ने पंजीयन कराया तथा सोशल मीडिया पर देश के लगभग 2000 व्यक्तियों ने वैज्ञानिक सत्रों के आयोजित व्याख्यानों में भाग लिया। सभागार में आयोजित विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में शोधपत्र लेखन एवं प्रकाशन के विभिन्न महत्त्वपूर्ण पहलूओं पर व्याख्यान दिये गये, जिनका फेसबुक एवं यूट्यूब पर लाइव प्रसारण किया गया। कार्यशाला में विख्यात आयुर्वेदज्ञ एवं गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर पूर्व कुलपति प्रो. एस. एस. सावरीकर, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के रिसर्च एडवाइजर डॉ. अनिल कुमार, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. रोहित शर्मा एवं आईआईटी जोधपुर में बायो साइंसेज एंड बायो इंजीनियरिंग विभाग की प्रो. सुष्मिता झा द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में शोधपत्र लेखन एवं प्रकाशन विधि विषयक विभिन्न पक्षों पर अतिथि-व्याख्यान एवं दो दिन का प्रेक्टिकल सेशन का भी आयोजन किया।

समारोह में कुलपति प्रो. प्रजापति के कार्यकाल के एक वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण होने विश्वविद्यालय के शिक्षकगणों के द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन रेजिडेंट डॉ. साक्षी एवम् डॉ. खुशबू ने किया एवं आयोजन सचिव डॉ. मनीषा गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र डॉ. राकेश कुमार शर्मा, आयोजन सचिव डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. हेमन्त कुमार, आयोजन सहसचिव डॉ. रवि प्रताप सिंह आदि का सहयोग रहा।

हैवी ब्लास्टिंग से हो रहा खनन, लोगों में दहशत

पाटन पुलिस की मौजूदगी में ब्लास्टिंग की जा रही है।

पाटन, (निसं)। दलपतपुर ग्राम पंचायत की बूजा की ढाणी के पास स्थित खनन क्षेत्र में भारी ब्लास्टिंग से खनन कार्य हो रहा है जिस कारण ढाणी के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

मुकेश गुर्जर ने बताया कि हमारी ढाणी के पास एमएल नंबर 451/4 जो रीना यादव के नाम से स्वीकृत है, तथा एम एल नंबर 449/4 जो विशाल यादव के नाम से स्वीकृत है। इन खदानों में भारी ब्लास्टिंग से खनन कार्य होता है, जिस कारण आए दिन ढाणी में दहशत का माहौल बना रहता है। इस बारे में पूर्व में भी कई बार शिकायत की जा चुकी है उसके बावजूद भी प्रशासन कोई मदद नहीं करता है। खनन करने वाले लोग पूंजीपति एवं राजनीतिक पहुंच वाले लोग हैं जो पुलिस से सांठगांठ कर पुलिस की मौजूदगी में खनन कार्य करवा रहे हैं। भारी ब्लास्टिंग के कारण भूकंप के झटके जैसा महसूस होता है, वहीं मकान में दरारें भी आ गई है। अगर समय रहते प्रशासन द्वारा कोई मदद नहीं की गई तो ढाणी में बड़ा हादसा भी हो सकता है।

राशिफल रविवार 5 नवम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, पुष्य नक्षत्र दिन 10:29 तक, शुभ योग दिन 1:36 तक, बालव करण दिन 2:09 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मेष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि पुष्य योग सूर्योदय से 10:29 तक है। आज कालाष्टमी, अहोई अष्टमी भी है। आज अरूणोदय काल में मथुरा में राधाकुण्ड में स्नान है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:05 से 9:27 तक, लाभ-अमृत 9:27 से 12:10 तक, शुभ 1:32 से 2:54 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:43, सूर्यास्त 5:38

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृष
परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
शुभ-मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। धन खर्च पर नियंत्रण रखें।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। नवीन कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

मीन
खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 96 प्रभात जयपुर, रविवार 5 नवम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Reaping Benefits Amidst Mughal-Maratha battles

On 3 October 1692, Nathaniel succeeded Elihu Yale as the President of Madras. Meanwhile, during the same year, the Mughal army besieged the Marathas in the fortress of Gingee but was defeated in December

Safe and Healthy Wali Diwali

कौन है जादूगर और कौन किसे झांसे में रख रहा है?

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

जयपुर, 4 नवम्बर। पर जहां तक चुनाव का मामला है, असल जादूगर राजस्थान की जनता ही है, जो व्यवहारिक है, केवल थ्योरिटिकली प्रतिपादित डैमोक्रेसी के सिद्धांत को ही कसौटी मानकर वोट नहीं देती। जनता जात-पात की सच्चाई को भी स्वीकार करती है, दलित के शोषण व अत्याचार से भी वाकिफ है। आर्थिक असमानता की मार को भी नज़दीकी से देखा है, उसने। धर्म के नाम पर पनपते अविश्वास, अन्याय, असुरक्षा की भावना से प्रेरित होकर भी जनता ने वोट दिया है।

जनता के "मूड" को समझने वाले एक पुराने जानकार ने रेवड़ियाँ बांटने की प्रथा की तुलना "काई" से की है, जो सदा से चुनाव से जुड़ी हुई है, जैसे पानी काई से। पहले चुनाव में भी रेवड़ियाँ बंटी थीं, पर लोटा, कम्बल और "पउए" तक सीमित थीं। फिर पैसा चलने लगा और आजादी की लड़ाई का उत्साह व पवित्रता की बातें पुरानी पड़ने लगीं, तो जात-पात, आर्थिक असमानता दूर करने की "फिलॉसफी" व प्रयास को, "यूनियनिज़्म" के नारे को स्वीकार सा किया राजस्थान की जनता ने, युग धर्म के अनुसरण में। पर, यह "फिलॉसफी" पूरी तरह हावी व निर्णायक साबित नहीं हुई राजस्थान में, जैसे तत्कालीन बंगाल, बिहार, बम्बई व देश के अन्य "औद्योगिक" क्षेत्रों में छायी। पर शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों के संगठनों को इस "फिलॉसफी" से काफी हद तक सफलता मिली जो आज भी असरदार है, कहीं बदले हुए स्वरूप में, कहीं-कहीं शुद्ध "एकैडमिक" सिद्धांत के फॉर्म में भी।

- **एक तरफ चतुर नेता गहलोत हैं जो मीडिया पर कंट्रोल और लोकलुभावन घोषणाओं की आड़ में जनता को झांसा दे रहे हैं।**
- **दूसरी तरफ हैं युवा ऊर्जावान नेता सचिन पायलट, जो पहले भी कांग्रेस पार्टी को गड्ढे में से निकालकर शिखर तक पहुंचा चुके हैं।**
- **हालांकि तब पायलट के साथ जो हुआ उसे आम जनता ने "धोखे" की संज्ञा दी और इसके लिए हर "एज ग्रुप" में पायलट के लिए सहानुभूति है।**
- **यह बात वे लोग भी समझ रहे हैं जो सत्ता के लालच में पायलट का साथ छोड़ गए थे और आज पायलट से गुहार कर रहे हैं कि, उनके क्षेत्र में एक सभा अवश्य कर दें।**

पर, यह भी सच है कि, इन क्षेत्रों में भी सफलता का कारण काफी हद तक राजस्थान की व्यवहारिता है। "प्रैक्टिकल पॉलिटिक्स" (व्यवहारिक राजनीति) की बात बार-बार इसलिये दोहराये जा रहा हूँ, क्योंकि उस दौर में लगभग सभी पार्टियों ने, चाहे वे "राइटिस्ट" सिद्धांतों में विश्वास रखने वाले राजनीतिक दल हों, जैसे स्वतंत्र पार्टी, चौधरी चरण सिंह जी का लोकदल (भारतीय क्रांति दल), जनसंघ (भाजपा का पुराना अवतार) या समाजवादी पार्टियों का जमघट, जैसे एस.एस.पी., पी.एस.पी. या मध्यमार्गी पार्टियां, जिनमें कांग्रेस भी शामिल थी, या पूर्णतया "लैफ्टिस्ट सोच" वाले वामपंथी दल, जैसे सी.पी.आई. व सी.पी.एम. सबने अपना-अपना श्रमिक संगठन खोल लिया, चाहे "यूनियनिज़्म" की फिलॉसफी इन पार्टियों के मूल सोच में "फिट" नहीं बैठती हो। तत्कालीन राजस्थान के एक वरिष्ठ पत्रकार ने कटाक्ष किया कि, लोकदल का चुनाव घोषणा पत्र तो शुद्ध वामपंथी पार्टियों के घोषणा पत्र व नारों से भी ज्यादा प्रगतिशील है।

एक जैसे नारों की भीड़भाड़ व व्यवहारिकता की प्रबलता के कारण, राजस्थान में कभी भी अप्रत्याशित नतीजे नहीं सामने आये, जो केवल स्थानीय मुद्दों पर आधारित हों। राष्ट्रीय मुद्दों की धीमी से धीमी प्रतिध्वनि जरूर आती रही है, जैसे आरक्षण, इंदिरा जी की हत्या, जनता पार्टी की 1977 की खिचड़ी सरकार, राम मंदिर का निर्माण, राजीव गांधी की हिंसक मृत्यु आदि। पर, फिर भी राजनीतिक व्यवहारिकता के कारण, आयाराम-गयाराम जैसी परम्परा भी राजस्थान में जोरों से नहीं उभरी।

इन राष्ट्रीय घटनाओं के कारण एक राजनीतिक करन्ट सा जरूर फैलता था और अगर उस करन्ट से कोई "प्रभावशाली" स्थानीय नेता जुड़ गया तो टिकाऊ सरकार जरूर बनती थी। अतः राजस्थान में सरकार कौन बनायेगा, स्पष्ट नहीं है। भाजपा ने तो कई नेताओं के मु.मंत्री के लिये नाम चला कर स्वयं "कंफ्यूज़न" फैला दिया।

कांग्रेस में पायलट के प्रति सहानुभूति काफी गहरी है। उनके साथ "धोखा" व अन्याय हुआ, यह भावना केवल यूथ में ही नहीं, लगभग सभी वर्गों में, "एज ग्रुप" में है। गहलोत की छवि चतुर चालाक राजनीतिज्ञ की है, जो राजनीतिक तिकड़म में माहिर हैं और जनता समझ नहीं पा रही कि, थके हारे, क्षेत्र में भ्रष्टाचार व गुरूर के लिये जाने-माने राजनीतिज्ञों को ही टिकट देने के लिये मु.मंत्री की जिद क्यों है, इस जिद के लिये जनता के मन में सहानुभूति होना तो दूर की बात है।

मीडिया पर कंट्रोल, जोड़-तोड़ में सिद्धहस्तता, जनता को अचम्भित तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक सप्ताह पहले भाजपा जॉइन की और अब बागी

जोधपुर, 4 नवम्बर (कासं)। करीब एक सप्ताह पहले भाजपा में शामिल होने वाले जयनारायण व्यास

- **जयनारायण व्यास युनिवर्सिटी के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रविन्द्र सिंह भाटी ने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की।**

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी टिकट नहीं मिलने पर बागी हो गए हैं। भाटी ने निर्दलीय चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के यूनुस खान भी हुए बागी

डीडवाना, 4 नवम्बर (नि.सं.)। भाजपा की वसुंधरा राजे सरकार में दो बार मंत्री रहे यूनुस खान को इस बार भाजपा से टिकट नहीं मिला है। डीडवाना

- **भाजपा सरकार में दो बार मंत्री रहे यूनुस खान ने टिकट नहीं मिलने पर नाराजगी जताई और निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की।**

से लगातार दो बार भाजपा के टिकट पर चुनाव जीत चुके यूनुस खान इस बात से सख्त नाराज हैं। अंततः उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'80 करोड़ गरीबों को 5 साल और मुफ्त राशन दिया जाएगा'

प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्ग और रतलाम की चुनावी सभाओं में यह घोषणा की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। "रेवडी बांटने" (फ्रीबीज़) की संस्कृति पर चल रही बहस के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों से पूर्व 80 करोड़ गरीब लोगों के लिए फ्री राशन स्कीम की अवधि बढ़ाने की आज घोषणा की।

पिछले वर्ष के सितम्बर माह में इस स्कीम की अवधि समाप्त होने जा रही थी, लेकिन इसे तब दिसम्बर माह तक बढ़ा दिया गया। उसके बाद नैशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत स्कीम को दिसम्बर 2023, एक वर्ष तक के लिए बढ़ा दिया गया।

दुर्ग और रतलाम में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहाकि खाद्यान्न स्कीम की अवधि पांच वर्षों के लिए बढ़ाने से गरीब लोगों को अपनी अन्य आवश्यकताओं पर फोकस करने में मदद मिलेगी। मोदी ने इस अवसर पर कांग्रेस की भर्त्सना करते हुए कहा कि "कांग्रेस ने गरीबों को धोखे के अलावा कुछ नहीं दिया। वह ना तो गरीबों का आदर करती है और ना ही उनकी दुःख-तकलीफें समझती है।"

- **सूत्रों का कहना है कि, यह घोषणा 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र की गई है।**
- **इस घोषणा के साथ एक बार फिर "रेवड़ी कल्चर" पर बहस छिड़ गई है। गत कुछ वर्षों में सभी दल "फ्रीबीज़" की घोषणा करते रहे हैं।**
- **भाजपा सांसद वरूण गांधी, जो रेवड़ी कल्चर के कड़े विरोधी हैं, ने कहा कि, इस तरह की घोषणाओं से आम नागरिक खुद को मुफ्त सुविधाएं पाने का हकदार समझने लगते हैं।**
- **नीति आयोग के सदस्य एवं कृषि अर्थशास्त्री रमेश चंद ने तो दिसम्बर 2022 में ही मुफ्त राशन देने की सुविधा बंद करने का सुझाव दिया था, कई अन्य अर्थशास्त्री तथा विशेषज्ञ भी ऐसे सुझाव देते रहे हैं।**
- **फ्री राशन की घोषणा कोविड काल में की गई थी, पर चुनावी फायदे के लिए केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार इसे लगातार आगे बढ़ाती रही है। ऐसी धारणा है कि, गत वर्ष यू.पी. चुनाव जीतने में इस योजना की बड़ी भूमिका थी।**

पिछले कुछ वर्षों से सभी राजनीतिक दल चुनावों के पहले फ्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस प्रत्याशियों की छठी लिस्ट घोषित

भरतपुर सीट आर.एल.डी. के लिए छोड़ी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। देर रात कांग्रेस ने 23 सीटों पर प्रत्याशियों की छठी लिस्ट जारी की। केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में नीचे दिए गए प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगाई गई। इस लिस्ट में भरतपुर की सीट राष्ट्रीय लोकदल के लिए छोड़ी गई है। इस प्रकार छठी लिस्ट में कांग्रेस के कुल 22 प्रत्याशी है।

	विधानसभा क्षेत्र	उम्मीदवार		विधानसभा क्षेत्र	उम्मीदवार
1	सांगरिया	अभिमन्यु पूनिया	13	भरतपुर	आर.एल.डी.के लिए छोड़ी
2	भादरा	अजीत बेनीवाल	14	मालपुरा	घासी लाल चौधरी
3	डूंगरगढ़	मंगलराम गोदारा	15	मेड़ता (एस.सी.)	शिवरतन वाल्मीकि
4	पिलानी (एस.सी.)	पीतराम काला	16	फलोदी	प्रकाश छंगानी
5	दांतारामगढ़	वीरेन्द्र सिंह	17	लोहावत	किशनाराम बिश्नोई
6	शाहपुरा	मनीष यादव	18	शेरगढ़	श्रीमती मीना कंवर
7	चौमूं	डॉ.शिखा मील बराला	19	सूरसागर	शहजाद खान
8	आमेर	प्रशांत शर्मा	20	आहोर	श्रीमती सरोज चौधरी
9	जमवारामगढ़ (एस.टी.)	गोपाल लाल मीणा	21	चोरासी (एस.सी.)	ताराचन्द्र भगोरा
10	हवामहल	आर.आर.तिवारी	22	भीलवाड़ा	ओम नारायनीवाल
11	विद्याधर नगर	सीताराम अग्रवाल	23	लाडपुरा	नईमुद्दीन गुड्डू
12	अलवर शहर	अजय अग्रवाल			

ADMISSION CLOSING SOON
B.A.-LL.B.
LL.B.
LL.M.
with CS/RJS
Helpline : +91-8696218218
BIYANI LAW COLLEGE (Co-Ed.)

ऑटोमेटिक कान की मशीनें 3500/- से शुरू
स्पीच थैरेपी
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
94602 07080

क्या कारण है कि, यूरोप में अचानक यहूदियों पर हमले होने लगे हैं

यह दौर यहूदियों को नाज़ी काल की याद दिला रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। इतिहास के एक घिनौने दोहराव के तहत वर्तमान में यूरोप में यहूदियों, यहूदी संस्थानों और यहां तक कि भाषा की पुस्तकों पर हिंसक हमले हो रहे हैं। इज़रायल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से अचानक ये हमले होना शुरू हुए हैं।

इनके विरोध में कुछ यहूदी और उनके समुदाय के नेता इन हमलों को रोकने के लिए सरकारों से अपील कर रहे हैं कि उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा दी जाए। यूरोपीय देश और अमेरिका हाल ही दिनों में भारत में स्वतंत्रता का माहौल खराब होने को लेकर उपदेश देते रहे हैं। उनके समर्थक देश धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में भारत के फ्रीडम इण्डैक्स को यदा-कदा बिल्कुल नीचा दिखाते रहे हैं।

लेकिन विडम्बना यह है कि यूरोप और इतना ही नहीं ब्रिटेन भी यहूदियों और यहूदी संस्थानों के विरूद्ध वर्तमान में की जा रही बर्बरता और हमलों के साक्षी हैं। इनमें से कुछ हमले तो खुल्लम-खुला और दिन दहाड़े हुए हैं।

- **ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर यहूदी विरोधी हिंसा (एंटी सैमिटिज़्म) देखी जा रही है, अपनी सुरक्षा के लिए चिंतित यहूदी यूरोप छोड़कर अमेरिका जा रहे हैं।**
- **ऑस्ट्रिया की राजधानी विएना में एक यहूदी धर्मस्थल पर भारी तोड़ फोड़ की गई, धर्मग्रंथ जला दिए गए। यही नहीं, दीवार पर नाज़ीवाद का प्रतीक, "स्वास्तिक" का निशान बना दिया।**
- **यहूदी विरोधी हिंसा इज़रायल-हमास युद्ध के बाद तेजी से बढ़ी है।**

यूरोप में रह रहे यहूदी इससे भौंचक हैं और वे इस महाद्वीप में स्वयं के और अपने संस्थानों के लिए सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग कर रहे हैं। यूरोप के कई यहूदी सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर वर्तमान में अमेरिका प्रवास का विचार कर रहे हैं। लेकिन अमेरिका तक में भी यहूदियों के खिलाफ घृणा व हिंसा की कुछ घटनाएं हुई हैं।

और हां, यूरोप में यहूदी विरोधी व्यापक भावना में भारत खुले तौर पर प्रतीकात्मक रूप से शामिल हो रहा है, और इससे भी दुःखद यह है कि ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना स्थित यहूदियों के धर्मस्थल सायनागॉग पर हमला हुआ, हमलावर अपने पीछे यहूदियों के जले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी का टिकट कटा, आर. आर. तिवारी ने भरा नामांकन

तिवारी का दावा : प्रभारी ने फोन करके नामांकन भरने को कहा

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर शहर की हवामहल विधानसभा सीट से कांग्रेस की ओर कैबिनेट मंत्री महेश जोशी का पत्ता आलाकमान की नाराजगी के चलते काट दिया गया है और यहां से जयपुर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष आर आर तिवारी कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं और उन्होंने अपना नामांकन शनिवार को दाखिल कर दिया। पार्टी आलाकमान की ओर से उन्हें इस बारे में फोन पर सूचना दे दी गई थी कि वह अपना नामांकन दाखिल कर दें। उन्हें पार्टी सिंबल दिया जाएगा। महेश जोशी की ओर से भी नामांकन पत्र मंगवाए गए हैं।

नामांकन दाखिल करने के बाद तिवाड़ी ने कहा कि हवामहल सीट से मेरा टिकट फाइनल हो गया है। आज शुभ मुहूर्त में नामांकन दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि आम जनता को महंगाई से राहत देना उनकी प्राथमिकता रहेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महंगाई से राहत देने के लिए जनता को 7 गारंटी दी हैं। वो पीएम मोदी की तरह वादे नहीं करते हैं, काम करके दिखाते हैं। आने वाले चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनने पर गहलोत ने जनता को 7 गारंटी देने का वादा किया है। इन गारंटियों को लेकर ही वे जनता के बीच जाएंगे। तिवाड़ी ने कहा कि वह 6 नवंबर को अपने प्रधान कार्यालय का उद्घाटन करेंगे, जिसमें महेश जोशी भी आएंगे। उन्होंने कहा कि महेश जोशी के मेरे सामने खड़े होने का प्रश्न काल्पनिक है। 6 नवंबर तक सब दूल्हे बन सकते हैं, आज मैं नामांकन फॉर्म जमा करके दूल्हा बन गया हूं। जयपुर शहर की सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी अपने समर्थकों के साथ जाकर नामांकन दाखिल कर दिया है।

जयपुर की हवामहल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष आर.आर. तिवारी ने पूर्व मंत्री और खादी बोर्ड के अध्यक्ष बृज किशोर शर्मा का आशीर्वाद लिया।

- आमेर से प्रशांत सहदेव शर्मा को हरी झंडी, झोटवाड़ा में अभी पेच फंसा
- विद्याधर नगर में सीताराम अग्रवाल ने, तो सिविल लाइन से प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी भरा नामांकन

हवा महल से लगती जयपुर ग्रामीण लोकसभा की सीट आमेर से भी पार्टी ने प्रशांत सहदेव शर्मा को नामांकन दाखिल करने के लिए कहा है। प्रशांत सहदेव शर्मा ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। अब पार्टी उन्हें सिंबल देगी। वही झोटवाड़ा विधानसभा सीट का मामला भी कांग्रेस में फंसा हुआ है। ऐसे में संभावित है यहां से जिसे भी पार्टी सिंबल देगी, उसका नाम रविवार शाम तक जाहिर हो पाएगा। वही विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से भी कांग्रेस ने अभी तक प्रत्याशी का नाम घोषित नहीं किया है, लेकिन पिछली बार हारने वाले सीताराम अग्रवाल ने जहां नामांकन दाखिल कर दिया है, वहीं महिला दावेदार शशि गुप्ता ने भी नामांकन पत्र ले लिए हैं। ऐसे में जब तक सूची सामने नहीं आती, तब तक असमंजस बना हुआ है।

उधर अलवर में उम्मीदवार घोषित होने के बाद से पूर्व सांसद डॉ करण सिंह यादव की ओर से विरोध अभी तक जारी है। डॉ करण सिंह यादव ने दिल्ली जाकर सीधे सोनिया गांधी के कार्यालय में संपर्क किया और उसके बाद वहां से संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल से कहा गया कि वे डॉ करण सिंह से बात करें। उसके बाद डॉ करण सिंह और के सी वेणुगोपाल की मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद डॉ करण सिंह यादव का कहना है कि मैंने संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल को बता दिया है कि जौहरी लाल मीणा और बाबूलाल बैरवा के टिकट काटे जाने से गलत संदेश जा रहा है। वही बहरोड से जिस युवक को टिकट दिया गया है, उसकी जमानत बचना भी मुश्किल है। वहां से बस्तीराम यादव को टिकट दिया जाना चाहिए था। डॉ करण सिंह यादव ने कहा कि मुझे संगठन महासचिव ने कहा है कि इन सीटों को लेकर फिर से चर्चा की जा सकती है।

जालसू मण्डल में भाजपा का चुनाव कार्यालय शुरू

चौमूं में भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा की नामांकन सभा में उप नेता प्रतिपक्ष डॉ.सतीश पूनिया शामिल हुए।

जयपुर। विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा जालसू मण्डल में चुनाव कार्यालय का शुभांरभ किया, उन्होंने कार्यकर्ताओं और आमजन से भाजपा की प्रचण्ड जीत का आव्हान किया। डॉ. पूनिया ने कहा कि, आमेर, चौमूं से लेकर पूरे प्रदेश में भाजपा 150 से अधिक सीटों के साथ जीतकर प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी। चौमूं में भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा की नामांकन सभा में शामिल होकर सतीश पूनिया ने कहा कि चौमूं की नामांकन सभा का यह प्रचंड जोश बता रहा है कि अबकी बार चौमूं और आमेर जीत का नया इतिहास बनाएंगे और कमल का फूल प्रचंड बहुमत के साथ खिलेगा और ऐतिहासिक जीत के साथ भाजपा राजस्थान में सरकार बनाने जा रही है।

हमारे सपनों को आग लगाने का प्रयास किया जा रहा है : त्रिवेदी

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ''जयपुर डायलॉग'' में शामिल हुए।

- इस बार की दिवाली कई मायनों में पहली व आखिरी होगी
- गुलाबी नगरी में राष्ट्रवादियों का आठवां महाकुंभ शुरू

जयपुर, (का.सं.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण के साथ ही भारत की विजय पताका भी दुनिया में फहराने लगी है। इस बार की दिवाली कई मायनों में पहली और आखिरी दिवाली होगी। पहली इस मायने में कि रामलला मंदिर में विराजेंगे और वहीं आखिरी इसलिए एक रामलला टैंट से भव्य मंदिर में विराजेंगे। वामपंथियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया ही चौराहे पर खड़ी है। सनातन धर्म को वायरस बताने वालों के दिमाग में वायरस है। उन्होंने कहा कि आज हमारे सपनों को आग लगाने का प्रयास किया जा रहा है। भारत शक्ति को भ्रमित करने के लिए आंदोलन, हिंसा, झूठे नरेटिव गढ़ने से लेकर पूरी व्यवस्था को बदलने का षडयंत्र रचे जा रहे हैं। लेकिन इस अंधकार के निवारण के लिए अब सभी को सारथी बनना होगा।

त्रिवेदी शनिवार को यहां जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क्स आमेर में जयपुर डायलॉग्स के दो दिवसीय आठवें संस्करण के शुभारंभ पर उपस्थित श्रोताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण कालचक्र की गति की तरह है। मंदिर का शिलान्यास, निर्माण और राजनीतिक परिवर्तन निरंतर क्रम में चल रहा है। देश का उद्धार, उत्थान और सम्मान निरंतर ऊंचाई की ओर अग्रसर है। सुधांशु त्रिवेदी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में धर्म, शास्त्र, इतिहास व विज्ञान सहित अनेक विषयों पर बतौर दार्शनिक विचार व्यक्त करते हुए श्रोताओं की वाहवाही ली। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि देश में फैलाई जा रही अव्यवस्था की धुंध और भ्रम का एक ही निवारण है और वह है मोदी फैक्टर। मोदी फैक्टर की दो डोज हो चुकी है।इस मौके पर साहित्यकार आनंद रंगनाथन की पुस्तक हिन्दूज इन हिन्दू राष्ट्र तथा जयपुर डायलॉग्स के चेयरपर्सन संजय दीक्षित की पुस्तक ऑल रिलिजन ऑल रिलिजनस आर नॉट द सेम का भी विमोचन किया गया। इससे पहले जयपुर डायलॉग्स के चेयरपर्सन संजय दीक्षित ने विषय प्रवर्तन व अध्यक्ष सुनील कोठारी ने स्वागत किया। आगामी सत्रों में रामगढ़ (अलवर) से भाजपा प्रत्याशी जय आहूजा, यूट्ययूबर साहिल एक्स मुस्लिम, अंबर जैदी, इतिहासकार पद्मश्री मीनाक्षी जैन, नुपूर जे शर्मा, ओमेन्द्र रत्नू, प्रतीष विश्वनाथ, नीरज अत्रीर प्रतीक बोराडे, प्रवीण चतुर्वेदी, संजीव नेवार, राजेश कुमार सिंह, रघुहरि डालमिया, भरत गुप्ता, अजय छुंठ्ठू, पंडित सतीश शर्मा, आरती टिक्कू, रामनिक मन्न, धीरेन्द्र पुंढीर, डॉ एसपी वेद, अनुज धर, आर जगन्नाथ, आभास महदहियर आदि वक्ताओं ने राष्ट्रीय अस्मिता, अखंडता व इतिहास को लेकर जोरदार पैरवी की।

निलंबित आई.पी.एस.दिव्या मित्तल की गिरफ्तारी पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नशीली दवा से जुड़े मामले में दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में निलंबित की गई एसओजी, अजमेर की तत्कालीन एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल व एक अन्य संजय नंदवानी को एसीबी, जयपुर की ओर से गत 11 अक्टूबर को दर्ज एफआईआर में गिरफ्तार करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकलपीठ ने यह आदेश दिव्या मित्तल व संजय नंदवानी की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि विकास अग्रवाल ने पूर्व में एसीबी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें आरोप लगाया गया था कि नशीली दवा से जुडे मामले में उसे गलत रूप से लिप्त बताया गया और बाद में उसका नाम हटाने की एवज में दिव्या मित्तल ने दलाल के जरिए दो करोड रुपए की रिश्वत मांगी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने दिव्या को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। याचिका में कहा गया कि विकास अग्रवाल ने अपने बयान में कहा कि संजय नंदवानी ने अपने भाई सुनील नंदवानी को दो अन्य एफआईआर में कार्रवाई नहीं करने की एवज में दिव्या मित्तल को एक करोड रुपए की रिश्वत दी थी। याचिका में बताया गया कि इस बयान और मोबाइल रिकॉर्डिंग के आधार पर पुलिस ने गत 11 अक्टूबर को याचिकाकर्ताओं के खिलाफ अलग से एक अन्य एफआईआर दर्ज कर ली। जबकि याचिकाकर्ता ने न तो रिश्वत की डिमांड की है और ना ही उससे इस राशि की रिकवरी हुई है। दो दूसरे लोगों की बातचीत के आधार पर याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती है। यदि याचिकाकर्ता पर रिश्वत का आरोप भी है तो उसकी जांच पहले वाली एफआईआर में की जा सकती थी। इसलिए याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज इस एफआईआर को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार करने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

यूट्यूबर एल्विश से पूछताछ

कोटा। रियलिटी शो ''बिग बॉस'' से चर्चा में आए यूट्यूबर एल्विश यादव से कोटा पुलिस ने करीब 20 मिनट पूछताछ की, इसके बाद छोड़ दिया। शनिवार शाम करीब साढ़े 6 बजे एल्विश यादव अपने दोस्तों के साथ कार से झालावाड़ की तरफ से आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने जांच के लिए रोका था। एल्विश की लग्जरी कार में तीन अन्य युवक भी सवार थे। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी सांसद मेनका गांधी से जुड़े ऑर्गेनाइजेशन पिपल फॉर एनिमल्स इंडिया ने सांपों का जहर रेव पार्टी में उपलब्ध कराने वाली गैंग को लेकर स्टिंग ऑपरेशन किया था। इसमें एल्विश यादव का नाम सामने आने के बाद पुलिस में शिकायत भी की गई थी। शुक्रवार को नोएडा पुलिस ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत एल्विश यादव समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। एल्विश पर रेव पार्टी करवाने का आरोप है। कोटा के सुकेत थानाधिकारी विष्णु कुमार ने बताया कि एल्विश के पास कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। उनके खिलाफ मुकदमा नोएडा मेंदर्ज है। अभी उन पर कोई आरोप प्रमाणित नहीं है।

भाजपा में बगावत के सुर तेज हुए

जयपुर। विधानसभा चुनाव के नामांकन भरने की आखिरी तारीख नजदीक आते ही भाजपा में बगावत फिर तेज हो गई है। भरतपुर जिलाध्यक्ष ऋषि बंसल ने जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा देते हुए उनकी पत्नी रितु बणावत को बयाना से निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। लेकिन भाजपा ने बंशीवाल को टिकट दिया तो, उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया।

- भरतपुर जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल ने दिया इस्तीफा तो हाल ही में सदस्यता ग्रहण करने वाले भाटी भरेंगे निर्दलीय नामांकन
- वहीं वसुंधरा के खास सिपाहसालार यूनुस खान भी बनेंगे निर्दलीय नामांकन

नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता नेम सिंह फौजदार ने आरएलपी और चंद्रशेखर के गठबंधन से चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि बयाना और नगर विधानसभा क्षेत्र पर चतुष्कोणीय मुकाबला हो गया हैं।

इनमें अलवर के थानागाजी से भाजपा के बागी रोहिताश घांघल, मुंडावर में कांग्रेस की बागी अंजलि यादव, किशनगढ़बास से कांग्रेस की बागी सिमरत कौर, राजगढ़ से कांग्रेस के बागी विधायक जौहरी लाल मीणा, बानसूर से भाजपा के बागी पूर्व मंत्री रोहिताश शर्मा नामांकन भर चुके हैं। वहीं शनिवार को बस्सी से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जितेंद्र मीणा ने भी नामांकन भरा। वहीं 7 दिन पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी बाड़मेर जिले के शिव विधानसभा से टिकट नहीं मिलने के कारण नाराज हो गए हैं। उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। वहीं, जयनारायण व्यास (जेएनवीयू) यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी ने निर्दलीय चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। सोमवार को वे नॉमिनेशन भर सकते हैं।

वहीं, वसुंधरा सरकार में मंत्री रहे व वसुंधरा राजे के खास सिपाह सलाहकार माने जाने वाले यूनुस खान ने भी भाजपा छोड़ने की घोषणा कर दी है। वे डीडवाना से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की। यूनुस खान ने कहा कि भाजपा ने मुझे बहुत कुछ दिया, लेकिन एक बार बुलाकर कह देते कि हम टिकट नहीं दे पाएंगे तो कोई बात नहीं थी। लेकिन अब मैं डीडवाना की जनता के लिए चुनाव लड़ूंगा।

गीता बजाज बाल मन्दिर संस्थान, मोती डूंगरी, जयपुर।
आवश्कता है:–बी एड कॉलेज हेतु:– प्राचार्य–योग्यता: NCTE/UGC राजस्थान विश्वविद्यालय के नियमानुसार। वेतन– अनुभव एवं योग्यतानुसार। 11.11.2023 तक शैक्षणिक दस्तावेज सहित ईमेल: geetabajajsansthan.jaipur@gmail.com पर आवेदन करें।
मंत्री

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जात है कि मेरे अभिभाष्य जयकिशन पुत्र श्री रामगोपाल यादव, निवासी प्लाट नम्बर ए-20 एकता नगर, केशुपुरा जयपुर के पुत्र पुलकित यादव मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है एवं लगातार आपराधिक कार्यों में लिप्त रहता है इसलिए मेरे अभिभाष्य अपने पुत्र को अपने व अपने परिवार के जीवन से व अपनी चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल करता है तथा भविष्य में यदि कोई व्यक्ति, संस्था या पुलिस कार्यवाही होती है तो वह उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा व इनके किसी भी कृत्य व संव्यवहार से मेरा अभिभाष्य व उसके परिवारजन जिम्मेदार नहीं है। बावजूद इसके यदि कोई व्यक्ति/संस्था मेरे अभिभाष्य के पुत्र पुलकित यादव से मेरे अभिभाष्य के सम्बन्धों के आधार पर कोई संव्यवहार करता है तो उसके लिये स्वयं जिम्मेदार होंगे। अतः सूचित रहे।
जयपुर (अशोक यादव) एडवोकेट
दिनांक-4.11.2023 मो.नं. 9829066815

क्रम सं. दिनांक- 03.11.2023
प्रेस-विज्ञप्ति पूर्व में गोनेर रोड, खो-नागोरियान में निशा कॉलोनी के सभी आवंटन पत्रों को बनेठी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर में समायोजित करके सद्भावना नगर-विस्तार के नाम से कॉलोनी सृजित की गई थी। उसमें जब भूखण्डधारियों द्वारा हाल ही में भूखण्डों में निर्माण किया गया तब पता चला कि एक आवंटन पत्र सरफराज खां पुत्र बब्बू खॉ, निशा कॉलोनी, प्लॉट नं. 1 (233.34 वर्गगज) का आवंटन पत्र फर्जी पाया गया। इसके बदले पूर्व पदाधिकारियों से सद्भावना नगर विस्तार में दुकान नं. 4 मुन्नी बेगम पत्नी अल्लानूर खॉ, बदली की ढाणी, खो-नागोरियान, जयपुर एवं प्लॉट नं. 23 (84.77 वर्गगज) स्वयं सरफराज खॉ पुत्र बब्बू खॉ ने बनेठी गृह निर्माण सहकारी समिति के पदाधिकारियों से धोखें से आवंटन पत्र प्राप्त किया था उक्त नम्बर की एक दुकान तथा एक प्लॉट के आवंटन पत्र को निरस्त किया जाता है।
व्यवस्थापक, बनेठी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर (राज.)

खोया पाया
जय श्री श्याम आवास कुंज द्वितीय विस्तार चाकसू में दलपतपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लि. के द्वारा लक्ष्मी देवी पत्नी शंकर लाल बैरवा, इंदिरा कॉलोनी, रामनिवासपुरा, चाकसू के नाम जारी किया गया पट्टा कहीं खो गया है मिलने पर संपर्क करें- 8739860282

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 63/2023
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री सौरभ मुखर्जी निवासी मुखर्जी बिल्डिंग, हाथी बाबू का बाग, कांति नगर, बनीपार्क जयपुर पंजीकृत प्रन्यास सतकोडी मुखर्जी चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 7 जयपुर 1984 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत न्यासी श्री अरूप मुखर्जी का स्वर्गवास होने के उनका नाम प्रन्यास अभिलेख से हटाने तथा स्वयं सौरभ मुखर्जी का नाम नवीन प्रन्यासी के रूप में प्रन्यास रिकर्ड में दर्ज अभिलेख में कराने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19.10.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28.11.2023
मोहर अदालत
आकाश रंजन (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 290/23
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम कविता गुप्ता पत्नि श्री हरिश गुप्ता जाति.... विवाद स्थान प्लाट नं. सी-42, फ्लैट नं. एलजी-1, ग्राउण्ड फ्लोर मंगलम सिटी, कालवाड रोड, जयपुर
मृतक शिल्पा पुत्री कविता गुप्ता की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 13.12.23
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम शिल्पा गुप्ता पुत्री कविता गुप्ता जाति... निवासी प्लाट नं. सी-42, फ्लैट नं. एलजी-1, ग्राउण्ड फ्लोर मंगलम सिटी, कालवाड रोड, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 13 माह 12 सन् 2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 2 माह 11 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
मोहर अदालत
जिला एवं सैंशन न्यायालय
जयपुर महानगर-द्वितीय

सुबोध अग्रवाल व महेश जोशी के ओ.एस.डी.से जल्द दिल्ली में हो सकती है ई.डी.की पूछताछ

जल जीवन मिशन में करोड़ों रुपए के घोटालों का मामला

- मामले को लेकर ईडी की ओर से शुक्रवार को जयपुर और दौसा सहित 26 जगहों पर की गई छापेमारी में 48 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी और करोड़ों रुपये के बैंक बैलेंस, अन्य सम्पत्ति के दस्तावेज व उपकरण मिले है।

जयपुर। जल जीवन मिशन घोटालों के मामले में ईडी जलदाय विभाग के एसीएस सुबोध अग्रवाल के जयपुर स्थित आवास और कार्यालय में सर्च के बाद अब उन्हें पूछताछ के लिए नोटिस देकर दिल्ली बुला सकती है। उधर ईडी की ओर से शुक्रवार को जयपुर और दौसा सहित 26 जगहों पर की गई छापेमारी में 48 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी और करोड़ों रुपये के बैंक बैलेंस अन्य सम्पत्ति के दस्तावेज सामने आए।

ईडी की ओर से दी गई अधिकारिक जानकारी के अनुसार शुक्रवार को जल जीवन मिशन घोटलों को लेकर जयपुर और दौसा सहित 26 स्थानों पर निजी व्यक्तियों के अलावा, एसीएस सुबोध अग्रवाल सहित वरिष्ठ पीएचईडी अधिकारियों के कार्यालयों और आवासों पर तलाशी अभियान चलाया है। इस दौरान 48 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी मिली। साथ ही 1.73 करोड़ रुपये के बैंक बैलेंस सहित 2.21 करोड़ रुपये, अन्य संपत्ति के दस्तावेज और डिजिटल उपकरणों सहित विभिन्न आपत्तिजनक कागजात जब्त किए गए। ईडी के अनुसार इस मामले में पिछले दो से तीन महीनों में अब तक कुल 11.03 करोड़ कैश और अन्य सामान जब्त किया गया है। इसमें 6.50 करोड़ का सोना व चांदी शामिल है।

सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को सर्च की कार्रवाई पूरी होने के बाद ईडी के अधिकारियों ने नगदी और जब्त दस्तावेजों को जयपुर मुख्यालय में जमा करवा दिया है। कुछ उपकरण और डायरी को लेकर टीम दिल्ली रवाना हो गई। सूत्रों के अनुसार जल्द ही ईडी एसीएस सुबोध अग्रवाल और महेश जोशी के ओएसडी संजय अग्रवाल को पूछताछ के लिए दिल्ली बुला सकती है। सूत्रों के अनुसार जानकारी यह भी है कि सुबोध अग्रवाल के एक निजी सहायक से महेश नगर इलाके में हुई पूछताछ के बाद कई दस्तावेज भी मिले हैं। इसमें जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े दस्तावेज और डायरी हैं। संभावना है कि अन्य लोगों को अलग-अलग पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

NOTICE TO SHOW CAUSE
In The High Court of Judicature For Rajasthan at JAIPUR
Shanti Lal Petitioner
V/s.
Mohan al & Ors.
Respondent- State of Rajasthan
V/s.
S.B. Civil Writ Petition 1457/2009
To,
(2/1) Munni Devi Chhabra W/o Shri Nemi Kumar Ji Chhabra R/o Suresh Nagar, Durgapura, Jaipur.
(2/2) Shanti Devi W/o. Sh. Suresh Chand Badjatya R/o 61, Laxmi Nagar, Near Patashe walo ki Galhe, Goner Road, Agra Road, Japur.
(2/3) Nirmala W/o. Sh. Narendra Kasliwal R/o. Mukam Post Phagi Distt. Jaipur.
Where as the above named petitioner has made a writ petition to this Court under Article 226 the Constitution of India, A copy which is enclosed.
You are hereby informed that you may appear in person or by a apleader duly instructed on the 7.11.23(CD) at.....A.M. to show cause why the writ petition should not be admitted, falling wherein the said writ petition will be heard and admitted exparty.
Given under my hand and the seal of the Court.
this...day of 13.10.23 मोहर अदालत
Registrar
प्रशासनिक अधिकारी न्यायिक
राजस्थान उच्च न्यायालय पीठ, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों की
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 272 /2023
चूंकि श्री हिम्मतमल डोसी निवासी बी-104, जनता कॉलोनी जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मिलाप भवन, कुन्दीगर भैरूंजी का रास्ता, जौहरी बाजार जयपुर राजस्थान प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31.10.23 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.1.24
आकाश रंजन (आर.ए.एस.),
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देव स्थान विभाग, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-4, महानगर द्वितीय जयपुर
श्रीमती नीरू शर्मा विरूद्ध संयुक्त गृह निर्माण
वाद/प्रार्थना पत्र-CMC No. 29/13
प्रार्थना-पत्र संख्या - 9 रूल 13
नाम (1) श्रीमती नीरू शर्मा पत्नि श्री जितेन्द्र शर्मा जाति ब्राह्मण पता म.नं. 3 चम्पा विहार कॉलोनी अलीगढ (यू.पी.) जरिये मुख्त्यार आम श्री मुरारी लाल शर्मा (2) श्री संजय जैन पुत्र श्री महावीर जैन नि. प्लाट नं. ई-8 गोखले मार्ग सी-स्कीम जयपुर
उक्त .... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि-
अतः आपको चतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 08 माह 12 सन् 2023 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लोडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 20 माह 10 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
मोहर क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-4, महानगर द्वितीय जयपुर
श्रीमती राजरानी शर्मा विरूद्ध संयुक्त गृह निर्माण
वाद/प्रार्थना पत्र-CMC No. 28/13
प्रार्थना-पत्र संख्या - 9 रूल 13
नाम (1) श्रीमती राजरानी शर्मा पत्नि श्री रामप्रकाश शर्मा नि. म.नं. 3/249 लक्ष्मी बाई मार्ग रामघाट रोड, अलीगढ (यू.पी.) जरिये मुख्त्यार आम श्री जितेन्द्र शर्मा (2) श्रीमती गीता जैन पत्नि श्री महावीर जैन नि. प्लाट नं. ई-8 गोखले मार्ग, सी-स्कीम,जयपुर
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि-
अतः आपको चतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 08 माह 12 सन् 2023 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 20 माह 10 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
मोहर क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

ऑटो रिक्शा में चेन तोड़ने व जेब काटने वाली गुजराती गैंग पुलिस के हत्थे चढ़ी

गांधी नगर थाना पुलिस ने महिला समेत चार बदमाशों को गिरफ्तार किया

गांधी नगर थाना पुलिस ने चेन तोड़ने वाली गुजराती गैंग की महिला सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर (कासं)। गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो में बैठकर चेन तोड़ने और जेब काटने वाली गुजराती गैंग का पर्दाफाश करते हुए एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ज्ञानचंद यादव ने बताया कि गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो में बैठकर चेन तोड़ने और जेब काटने वाली गुजराती गैंग अरविंद राठौड़ (25) निवासी महुवा जिला भावनगर (गुजरात),अरविंद परमार(35) निवासी पालीताना जिला भावनगर(गुजरात), जया बेन (35) निवासी पालीताना जिला भावनगर(गुजरात) और नईम अली (32) निवासी खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से जेब काटने और चेन तोड़ने में काम आने वाले छोटे फोल्डिंग चाकू को बतौर सबूत जब्त किया गया है।

आरोपित जया बेन,अरविंद परमार,नईम अली महेश नगर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी गिरोह बंद होकर गुजरात से जयपुर व अन्य शहरों में जाकर वहां स्थानीय सम्पर्क बनाकर अधिक किराये का लालच देकर ऑटो किराये पर लेते है। और फिर उस ऑटो में एक महिला एवं एक

- **आरोपी टारगेट सवारी को बातों मे लगाकर उसका ध्यान भटका कर नगदी, मोबाइल और आभूषण इत्यादि निकाल लेते है तथा कटर से सोने की चेन, कडा, चूडी, कुण्डल लूटते थे**

या दो पुरुष बैठाकर ग्रामीण जैसे दिखने वाले पुरूष अथवा चैन,कडा इत्यादि आभूषण पहनी हुई बुजुर्ग महिला को टारगेट करते हुए उसी के पास ऑटो रोक कर उसे कम से कम किराया बताते है और फिर उनमें से पहले से बैठी हुई एक सवारी नीचे उतर जाती है।

फिर टारगेट सवारी को बीच में बैठाकर उसे बातों मे लगा कर उसका ध्यान भटका कर उसके बैग में चीरा लगा कर नगद रुपये, मोबाइल और आभूषण इत्यादि निकाल लेते है तथा कटर से सोने की चेन, कडा, चूडी, कुण्डल आदि आभूषण काट लेते है। फिर कोई बहाना बना कर उस सवारी को उतार कर भाग जाते है, यह लोग संदेह नहीं हो, इस लिए अपने साथ महिला व छोटे बच्चे भी रखते है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदात के खुलासे का प्रयास कर रही है।

एन.जी.टी. ने जलमहल की पाल पर 'नाइट मार्केट' अवैध माना

- **नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इस मामले में जयपुर हैरिटेज नगर निगम पर प्रतिदिन 10 हजार रुपये के हिसाब से 266 दिन के लिए 26 लाख 60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया**
- **ज्ञात रहे कि जयपुर में टूरिज्म बढ़ाने के लिए नगर निगम ने 1 नवंबर 2022 से 24 जुलाई 2023 तक जलमहल की पाल पर लगाया था 'नाइट मार्केट'**
- **प्रत्येक सप्ताह में दो दिन शाम 7 बजे से रात 1 बजे तक लगता था बाजार, जहां टेंट का डोम बनाकर 100 से ज्यादा अस्थाई दुकानों में होती थी बिक्री**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में जलमहल की पाल पर "नाइट मार्केट" लगाने पर जयपुर नगर निगम हैरिटेज को बड़ा झटका लगा है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) ने इस मामले पर लगी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए इस मार्केट को अवैध करार देते हुए नगर निगम प्रशासन पर 10 हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना 1 नवंबर 2022 से लेकर 24 जुलाई 2023 तक यानि 266 दिन के लिए लगाया गया है। करीब 26 लाख 60 हजार रुपये की यह रकम वसूलने के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक को जिम्मेदारी दी गई है, साथ ही इस राशि को पर्यावरण संरक्षण के लिए उपयोग करने को कहा है।

सूत्रों की मानें तो एन.जी.टी. में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के वकील अरविंद सोनी द्वारा पेश की गई दलीलों को स्वीकार करने के बाद जस्टिस शिव कुमार सिंह और ज्यूडिशियल मेंबर डॉ. ए. सैंथिल वेल ने यह आदेश दिए हैं। इससे पहले करीब 2 माह पूर्व भी इस प्रकरण पर सुनवाई हुई थी। इस सुनवाई के दौरान जयपुर कलेक्टर, प्रधान वन संरक्षक और राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के एक प्रतिनिधि ने मौका विजिट की रिपोर्ट पेश की थी। इस रिपोर्ट में जलमहल की पाल को इको सेंसिटिव जोन बताया गया, साथ ही नाइट बाजार के संचालन से यहां के पर्यावरण और जलमहल झील को खतरा होना बताया था। मौका रिपोर्ट को देखने के बाद नाइट मार्केट पर रोक लगाने के आदेश दिए थे।

सूत्रों की मानें तो जलमहल झील में हो रहे प्रदूषण और वहां की ग्राउंड वाटर की स्थिति पर भी एक रिपोर्ट बनाकर पेश करने के आदेश दिए गए थे। इस रिपोर्ट को शुक्रवार को सुनवाई में रखा गया, जिसमें बताया गया कि नाइट मार्केट का वेस्ट और यहां का प्रदूषित पानी जलमहल में छोड़ा जा रहा है, जिससे जलमहल झील को नुकसान हो रहा है। इस रिपोर्ट को देखने के बाद एन.जी.टी. ने इस नाइट मार्केट संचालन को अवैध मानते हुए नगर निगम हैरिटेज पर जुर्माना लगाया है। ज्ञात रहे कि राजेन्द्र तिवारी की ओर से भी एक याचिका एन.जी.टी. में लगाई गई थी, जिसमें बताया गया था कि जहां पर नाइट मार्केट शुरू किया गया है, वह एरिया नाहरगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के नजदीक है और इको सेंसिटिव जोन में आता है। इस जगह पर जलमहल झील है, जिसमें बाजार से होने वाला कचरा फैलाया जाता है, साथ ही यहां पर ध्वनि प्रदूषण भी होता है, जो कि आसपास के जीव-जंतुओं को प्रभावित करता है। ज्ञात रहे कि जयपुर में नाइट टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए नवंबर 2022 में जलमहल की पाल पर नाइट बाजार की शुरूआत की गई थी। सप्ताह में दो दिन शाम 7 बजे से लेकर रात 1 बजे तक नाइट मार्केट लगाया जाता था, टेंट के डोम बनाकर 100 से ज्यादा अस्थाई दुकानें बनाई जाती थी, जिसमें खाने-पीने के व्यंजन भी मिलते थे।

राष्ट्रीय एजेंडा पर विचार गोष्ठी

जयपुर। भारतीय वरिष्ठ नागरिक राष्ट्र सुरक्षा संघ के बैनर तले जंतर-मंतर पर भारत सरकार के राष्ट्रीय एजेंडा पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न मुद्दों पर दिल्ली के वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए। उन्होंने खुलकर भारत सरकार के राष्ट्रीय मुद्दों का समर्थन किया, जनसंख्या नियंत्रण कानून, एक समान नागरिक आचार कानून, अवैध घुसपैठ, देशद्रोहियों एवं भ्रष्टाचार्यों के संपत्ति कुर्क करने पर चर्चा की। आयुर्वेद के विख्यात डॉ. बलजीत सिंह डबास भारतीय वरिष्ठ नागरिक राष्ट्र सुरक्षा संघ के संस्थापक ने स्वास्थ्य के ऊपर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हम किस प्रकार बिना औषध के स्वस्थ रह सकते हैं। डॉक्टर डबास ने एक पुस्तक लिखी भारतीय रसोई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जिसका विमोचन राम कुमार सोलंकी दिल्ली के 360 गांव के प्रधान ने किया व सैकड़ों पुस्तक वितरित की गई। इस कार्यक्रम में संस्था के सभी अधिकारी महासचिव अनिल भंडारी, उपाध्यक्ष बीएसएफ कमांडेंट रिटायर्ड ओपी शर्मा, आदेश कुमार राष्ट्रपति गोल्ड पदक से सम्मानित रिटायर्ड आर्मी अधिकारी, रुद्रपाल, कुलश्रेष्ठ, कार्यक्रम का संचालन ओम प्रकाश वर्मा ने किया।

पिछले 5 साल में नौजवान हैरान, किसान परेशान, कानून व्यवस्था लहूलुहान और सरकार के अंदर घमासान : त्रिवेदी

'इससे ज्यादा प्रमाणिक क्या होगा जब खुद सरकार सदन के पटल पर लाल डायरी लहराती है, और उस लाल डायरी को छीनने के लिए हाथापाई होती है'

जयपुर। राज्यसभा सांसद एंव राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रदेश में इन पांच सालों के हालातों पर तंज कसते हुए कहा कि "नौजवान हैरान, किसान परेशान, कानून व्यवस्था लहूलुहान, सरकार के अंदर घमासान और किताबों के अंदर महाराणा प्रताप से ज्यादा अकबर महान" इस तरह के हालात हैं। आज जब राजस्थान आना होता है तब एक आक्रोश उत्पन्न होता है। पिछले 5 वर्षों में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार की भरमार है, नारियों का सम्मान तार-तार है, तुष्टिकरण की भरमार है और इस दृश्य को देखकर वेदना होती है। कांग्रेस ने सत्ता पाने से पहले बेरोजगार नौजवानों को भत्ता देने की गारंटी दी थी, लेकिन गारंटी पूरी नहीं की। पेपर लीक की बात करें तो डेढ़ दर्जन बार पेपर लीक हुए, किसानों के लिए 2018 के चुनाव में राहुल गांधी का जो तेवर था 1 से 10 तक की गिनती और कर्ज माफ लेकिन 5 साल हो गए हालात जस के तस हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान में कभी सांप्रदायिक सौहार्द्र का वातावरण ऐसा नहीं था पहले कट्टरपंथियों का मनोबल इतना ऊंचा नहीं था जैसा कि अभी है।

राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी

- **'राजस्थान में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी जल जीवन मिशन योजना, अधिकारियों, ठेकेदारों के घरों से बरामद हो रहे नकदी और सोना'**

कानून व्यवस्था इतनी ध्वस्त नहीं थी जो इस समय दिखाई दे रही है। महिलाओं और दलितों पर अत्याचार में प्रदेश नंबर वन है महिलाओं के प्रति तो इतनी भयंकर घटनाएं हुई है जिसे बयां करना भी मुश्किल है। जल जीवन मिशन में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार और घोटाले के मामले राजस्थान में सामने आ रहे हैं। 42 लाख परिवारों को जल की सप्लाई हुई है। कर्नाटक के एक नेता का विडियो वायरल हो रहा है जिसमें समुदाय विशेष के लोगों को कहा जा रहा है कि जैसे कर्नाटक में एकजुट होकर हराया वैसे ही राजस्थान में करना है, एमपी में कमलनाथ कहते हैं कि हमें मुसलमानों के 100 प्रतिशत वोट चाहिए। वहीं कर्नाटक में कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जारकी ने कहा कि हिंदु शब्द ही गंदा है।

त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान में लाल डायरी का मामला सदन के पटल पर उठाया जाता है, इसके तुरंत बाद मंत्री को बर्खास्त किया जाता है। इससे ज्यादा प्रमाणिक कुछ नहीं हो सकता, क्योंकि सरकार सदन के पटल पर बोल रही है और विधानसभा में लाल डायरी छीनने के लिए मारामारी हो रही है।

हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत पुलिस थाना आदर्श नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से 01 देसी कट्टा एवं 02 जिंदा कारतूस बरामद किया है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सीएसटी ने पुलिस थाना आदर्श नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने वाले आरोपित करण कुमार (25) निवासी दयानंद पुरी आदर्श नगर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 01 देसी कट्टा एवं 02 जिंदा कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित करण कुमार मालवीय नगर जयपुर में साफ-सफाई काम करता है। यह अवैध हथियार 1-2 साल पूर्व सोशियल मीडिया पर देखकर 4000-5000 रुपये में खरीद कर लाया था। जिस व्यक्ति से हथियार खरीदा उसकी जानकारी नहीं है।

सार-समाचार

नेगोशिएशन कॉम्पिटिशन का शुभारंभ

जयपुर, (का.सं.)। विवेकानंद ग्लोबल विश्वविद्यालय में आर.के.रस्तोगी मेमोरियल नेशनल नेगोशिएशन कॉम्पिटिशन का उद्घाटन सत्र सम्पन्न हुआ। कॉम्पिटिशन का आयोजना एडीशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया राजदीपक रस्तोगी द्वारा विवेकानंद ग्लोबनल यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित कियाा गया। मुख्य अतिथि के रूप में मद्रास उच्च न्यायालय के पूवव्रमुख्य न्यायाधिपति एवं वर्तमान में मनीलॉड्रिंग ट्रिब्यूनल के चेयरमैन न्यायमूर्ति मुनीश्वरनाथ भंडारी उपस्थित रहे। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति इन्द्रजीत सिंह, अनूप ढंढ एवं पूर्व न्यायाधिपति अशोक गौड़ भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के संरक्षक डॉ.के.राम बगड़िया, चेयरपर्सन ललित पवांर, ओंकार बगड़िया अन्य न्यायाधीश एवं पूर्व न्यायाधीश, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अन्य अधिवक्ता एवं कॉम्पिटिशियन में भारत के लॉ विश्वविद्यालयों की 32 टीम के विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार का कांच तोड़ भागे बदमाश

जयपुर। महेश नगर थाना इलाके में शुक्रवार देर रात बाइक सवार बदमाश कार का कांच तोड़कर फरार हो गए। जिस समय बदमाश कार का कांच तोड़ रहे थे, उस दौरान सीसीटीवी कैमरे में लगा पूरा घटनाक्रम कैद हो गया। पुलिस अब सीसीटीवी कैमरों में आए फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में रामनगर स्वेजफार्म निवासी यश सैनी ने मामला दर्ज करवाया। जिमें बताया कि वह घर पर सो रहे थे, रात को तेज आवाज आई तो वह बाहर निकल कर आए। इसके बाद वह सोने चले गए। सुबह उठने पर जब उन्होंने कार को देखा तो उसके पीछे का कांच टूटा हुआ था। यश ने बताया कि घर के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगा रखे है। जिस समय बदमाश वारदात को अंजाम दे रहे थे, उस दौरान का पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो गया। फुटेज में तीन बदमाश ईट मारकर कार का कांच तोड़ते हुए दिखाई दे रहे है। गौरतलब है कि जवाहर सर्किल थाना इलाके में भी दो महीने पहले बदमाशों ने गाड़ियों के कांच तोड़ दिए थे। पुलिस अब तक इन बदमाशों को पकड़ नही पाई है।

रामपाल बुनकर नर्सिंग अधीक्षक बने

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में रामपाल बुनकर को धनवंतरी ओपीडी विभाग में नर्सिंग अधीक्षक के पद पर लगाया गया है। बुनकर फिलहाल ट्रोमा सेंटर में नर्सिंग अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। एसएमएस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने इस संबंध में आदेश जारी किए। बुनकर के नर्सिंग अधीक्षक पद पर ज्वाइन करने पर सैकड़ो नर्सिंग कर्मचारियों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान नर्सेज नेता सोमसिंह मीणा, मनोज दुब्बी, नर्सिंग अधीक्षक डॉ. नवल, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर हेमराज गुप्ता, सतीश गुप्ता, राधेश्याम दायमा, रामचंद्र, महेंद्र नेहरा व पूर्णमल सहित कई कर्मचारी ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

जयपुर फुट का प्रशिक्षण दिया

जयपुर। अफ्रीकी देश युगाण्डा और इथियोपिया से आए आठ तकनीशियनों को भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने आठ सप्ताह तक जयपुर फुट निर्माण में प्रशिक्षित किया। इस आठ सप्ताह के प्रशिक्षणण के दौरान बी.एम.वी.एस.एस. के तकनीशियनों ने युगाण्डा और इथियोपिया के तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण दिया गया। यह आठ प्रशिक्षार्थी भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के अन्तर्गत एक सहयोग कार्यक्रम के तहत युगाण्डा और इथियोपिया सरकार द्वारा जयपुर फट की निर्माण विधि सीखने जयपुर भेजे गए थे। इस पूरे कार्यक्रम का व्यय विदेश मंत्रालय ने उठाया था। विदेश मंत्रालय और बी.एम.वी.एस.एस. "इण्डिया फॉर ह्यूमैनिरीज" कार्यक्रम के अन्तर्गत विदेशों में कृत्रिम अंग जयपुर फुट का शिविर आयोजित करती हैं। पूर्व में युगाण्डा और इथियोपिया में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में विकलांग लाभान्वित हुए थे। विदेश मंत्रालय बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता ने कहा कि 41 देशों में दस हजार से अधिक विकलांग जयपुर फुट के सहारे चलते हैं जो भारत सरकार के सौजन्य से मुफ्त उपलब्ध कराए गए हैं। युगाण्डा के मुलागो नेशनल रैफरल अस्पताल जो कम्पाला में स्थित हैं तथा इथियोपिया की राजधानी अदिस अबाबा के इथियोपिया प्रोसेथेटिक आर्थोटिक सर्विस (इ.पी.ओ.एस.) में स्थायी केन्द्र प्रस्तावित हैं। प्रशिक्षार्थियों का जयपुर फुट के मुख्य परामर्शदाता डॉ.एम.के.माथुर ने गहन परिक्षण किया और उन्हें प्रशिक्षण के बाद योग्य पाया। एक समारोह में बी.एम.वी.एस.एस.के सचिव डॉ.दीपेन्द्र मेहता ने सभी आठों प्रशिक्षार्थियों को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भेंट किए।

सोलफुल वॉकिंग सत्संग का आयोजन

जयपुर, (का.सं.)। आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर स्वयंसेवकों द्वारा मानसरोवर में 2 नवंबर को शाम 7:30 बजे से वाकिंग सत्संग का अयोजन किया गया। जहां आर्ट ऑफ लिविंग प्रक्षिक्षक और प्रसिद्ध गायक डॉ. सौरभ शेखावत और शंकर हेमराजानी ने 80 स्वयंसेवकों के साथ मानसरोवर की सड़कों पर सुरों का जादू बिखेर दिया। आयोजक एवं आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक अमृषा एवम उत्कर्ष गुप्ता ने बताया कि केवल 45 मिनट में स्वयंसेवक 400 लोगों से मिले और उन सभी को आर्ट ऑफ लिविंग केंद्र में नि:शुल्क योग और ध्यान कार्यक्रम तथा साप्ताहिक सत्संग का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया गया।

राह चलती महिला के गले से सोने की चेन तोड़ी

- **बाइक सवार बदमाश ने वैशाली नगर में वारदात की**

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर इलाके में बाइक सवार बदमाश एक महिला सोने की चेन तोड़ ले गए। पुलिस ने बताया कि नेमी नगर विस्तार निवासी कृष्ण मुरारी शर्मा (86) ने मामला दर्ज करवाया है कि 31 अक्टूबर की शाम पत्नी बीना शर्मा सब्जी लेकर घर लौट रही थी। इस दौरान घर के पास बाइक सवार बदमाश सोने की चेन तोड़ ले गए।

वहीं, सोडाला थाने में भंबेश्वर कॉलोनी निवासी सलोनी गौतम ने 2 नवंबर को पुरानी चुंगी पर मोबइल छीनने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वहीं दूसरी ओर मालवीय नगर थाना इलाके में घर में सफाई के लिए आई मां-बेटी पर चोरी का आरोप लगा है। पुलिस ने बताया कि हरी मार्ग निवासी सुनंदा जैन ने मामला दर्ज करवाया है कि 30 अक्टूबर को ज्योति अपनी बेटी सहित घर पर काम मांगने आई थी।

आरोप है 31 अक्टूबर को घर में दोनों सफाई कर रही थी। परिवादिया सब्जी लेने गई थी। इस दौरान मां-बेटी घर में रखी ज्वैलरी चुरा ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

65 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया

जयपुर। राजकीय 'अ' श्रेणी आयुर्वेद चिकित्सालय बरकत नगर जयपुर में प्रधान चिकित्साधिकारी प्रभारी डॉ. सन्तोष चन्द्र, डॉ.शंकर सहाय पारीक, डॉ. गिरिराज राजोरिया, डॉ.अरूण दिवाकर की टीम ने पुष्य नक्षत्र के अवसर पर 0-14 वर्ष तक के 65 बच्चों को डाबर क सहयोग से स्वर्ण प्राशन करवाया गया। पुष्य नक्षत्र में स्वर्ण प्राशन से विशेष लाभ मिलता है। रोगी कल्याण समिति के सदस्य एवं समाज सेवी अमित महनोत। जैव रत्न चुनाव परिषद मित्तल कॉमर्स कालेज के संस्थापक एवं सीए मनोज जैन, विनोद हेडा, प्रवीण जैन, संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. सन्तोष चन्द्र ने बताया कि स्वर्ण प्राशन से बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

पत्नी को जलाकर मारने का आरोप

जयपुर। सांगानेर सदर इलाके में पति के पत्नी की हत्या करने का मामला सामने आया है। मौत से पहले दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। पति ने पत्नी की जमकर पिटाई की थी। पत्नी ने इसकी शिकायत घरवालों से की तो पति ने तारपीन का तेल डालकर आग लगा दी। विवाहिता को गंभीर हालत में एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के भाई ने पति सहित ससुराल वालों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है।

पुलिस ने बताया कि मृतका सबीना (28) निवासी गोविंदपुरा, सांगानेर की करीब 7 साल पहले नजीब अंसारी के साथ शादी हुई थी। आरोप है कि पिछले 2-3 साल से ससुराल वाले उसे टॉर्चर कर रहे थे। घरवालों से किसी भी प्रकार का कॉन्टैक्ट रखने पर पति उसे छोड़ने और बच्चों से अलग करने की धमकी देता था। पिछले 4-5 महीने से आरोपी पति छोटी-छोटी बातों पर लगातार उससे मारपीट करता था। मृतका के भाई मोहम्मद यामीन का आरोप है कि 26 अक्टूबर की रात आरोपी पति नजीब ने सबीना को बहुत बुरी तरह से पीटा था। सबिना ने मारपीट के बारे में घरवालों को बताने की बात कही तो नजीब ने इस बारे में किसी को बताने के लिए मना किया और धमकाया। सबीना के नहीं मानने पर नजीब ने तारपीन का तेल डालकर उसको जिंदा जला दिया। इस दौरान उसके ससुराल वाले खड़े होकर देखते रहे। यामीन ने बताया कि रात करीब 10:30 बजे सबीना के चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग बचाने भागे। पड़ोसियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सबीना 90 प्रतिशत झुलस गई थी। गंभीर हालत में पड़ोसियों ने अपनी गाड़ी से उसे हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। मृतका के भाई का आरोप है कि बर्न वार्ड में इलाज के दौरान सबीना को उसकी सास-पति ने किसी को कुछ नहीं बताने के लिए धमकाया, लेकिन जब मेरी सबीना से बात हुई तो उसने सब कुछ बता दिया। मैंने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो सबीना ने ठीक होने के बाद रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए कहा था। लेकिन इलाज के दौरान 1 नवंबर को शाम करीब 4 बजे सबीना की मौत हो गई। सबीना की मौत का पता चलते ही सास और पति हॉस्पिटल में लाश छोड़कर भाग निकले। उन्होंने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया।

आवासीय भूमि पर धड़ल्ले से संचालित हो रहा है "नेगचार बाग बेन्कवेंट एवं रेस्टोरेंट"

सोनी मणिपाल अस्पताल के सामने गिरधर कॉलोनी में बना हुआ है रेस्तरां

- **जेडीए प्रशासन ने वर्ष 2019 में अवैध निर्माणकर्ता नवीन चौधरी और चंचल चौधरी को नोटिस तो दिया, लेकिन कार्रवाई के बजाय चुप्पी साध ली**
- **सूत्रों की मानें तो जिस भूमि पर यह रेस्टोरेंट बना हुआ है, वहां मल्टीस्टोरी बिल्डिंग बनाने के लिए भूमि मालिकों ने श्रीनाथकृपा डवलपर्स प्रा. लि. के साथ समझौता किया था।**
- **जब बिल्डर ने इस मामले की शिकायत यूडीएच मंत्री को भेजी तो गत 21 सितंबर को नगरीय विकास विभाग के शासन सचिव ने जे.डी.ए. प्रशासन से जवाब मांगा था**

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में सीकर रोड पर सोनी मणिपाल अस्पताल के सामने गिरधर कॉलोनी में बना "नेगचार बाग बेन्कवेट एवं रेस्टोरेंट" आवासीय भूमि पर बना है। जेडीए प्रशासन ने वर्ष 2019 में इस रेस्तरां संचालक को धारा-32 का नोटिस जारी किया था, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय चुप्पी साध ली।

सूत्रों की मानें तो जिस भूमि पर यह रेस्टोरेंट बना हुआ है, उस जमीन पर मल्टीस्टोरी बिल्डिंग बनाने के लिए भूमि मालिकों ने श्रीनाथकृपा डवलपर्स प्रा. लि. के साथ समझौता किया था। वर्ष 2008 में हुए करारनामे के मुताबिक इस जमीन का भू-उपयोग कृषि से बदलवाकर आवासीय करवा लिया था, लेकिन बाद में जमीन मालिकों ने श्रीनाथकृपा डवलपर्स को जमीन का कब्जा नहीं सौंपा और इस भूमि पर "नेगचार बाग बेन्कवेंट एवं रेस्टोरेंट" बना लिया। बिल्डर ने इस मामले की शिकायत पहले तो कई बार जेडीए प्रशासन को दी, लेकिन जब वहां से कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल से लेकर नगरीय विकास विभाग के बड़े अफसरों को शिकायत भेजी। जिस पर यूडीएच शासन सचिव ने 21 सितंबर 2023 को जेडीए प्रशासन को नोटिस जारी कर इस मामले पर रिपोर्ट मांगी। नगरीय विकास विभाग के सचिव को जवाब भिजवाते हुए जेडीए सचिव नलिनी कठोतिया ने 30 अक्टूबर 2023 को पत्र लिखा। जिसमें उन्होंने कहा कि, अवैध निर्माणकर्ता नवीन चौधरी और चंचल चौधरी को जयपुर विकास प्राधिकरण की धारा-32 का नोटिस 7 अगस्त 2019 को जारी कर दिया गया था, इसके बाद अवैध निर्माणकर्ताओं के विरूद्ध न्यायालय में भी 6 जनवरी 2021 को चालान पेश किया चुका है।

टैक्सी चालक का अपहरण कर लूटने वाले बदमाश गिरफ्तार

- **मानसरोवर थाना पुलिस ने किया वारदात का खुलासा**
- **पुलिस ने गैंग के दो बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया**
- **सीसीटीवी फुटेज की मदद से हुई बदमाशों की पहचान**

जयपुर। राजधानी की मानसरोवर थाना पुलिस ने टैक्सी चालक को हथियार दिखाकर अपहरण व लूट करने वाली गैंग का पर्दापाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी साउथ योगेश गोयल ने बताया कि 30 अक्टूबर को राहुल कुमार मीणा ने थाने में मामला दर्ज कराया था। उसने पुलिस को बताया कि रात को करीबन डेढ़ बजे चार लोग मोटरसाईकिल पर आये और उससे सिंधी कैम्प ऑफ राईड ले जाने के लिये कहने लगे। मना करने पर उसकी गाडी के अन्दर तीन लोग घुस गये। इस दौरान उन्होंने जबरदस्ती उसे गाडी मे पीछे की साईड पटक दिया तथा सिर पर हथियार लगा दिया। बदमाशों ने उसकी ऑखों पर पटटी बांध दी तथा उसे रींगस इन्डस्ट्रीज एरिया में पटकर कर गाडी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस ने मौके पर जाकर आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जिससे वारदात में काम ली गई मोटरसाईकिल के नम्बरो की पहचान कर अपराधियों को नामजद किया गया। इसके बाद मुखबिर व तकनीकी सहायता से एक रूट मैप तैयार किया गया, जिसके आधार पर पुलिस को आरोपियों का खण्डेला जिला नीमकाथाना मे होना मालूम चला।

इस पर पुलिस टीम ने रात को मकान पर दबीश दी। पुलिस टीम के पहुँचने की भनक लगने पर आरोपियों ने मकान की छत से कुदते हुये अंधेरा का फायदा उठाकर भागने के कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों का करीब दो किलोमीटर पीछा कर उन्हें दबोच लिया।

World Run Day

For many people around the world, running is more than just a form of exercise! This type of activity is a celebration of the human spirit, a testament to human endurance and a universal language that transcends borders and cultures.This is the essence of World Run Day, an annual event that brings together runners from all corners of the globe to celebrate their shared passion for running. This day is not just about the physical act of running, but it's also about the community, the camaraderie, and the common goal of promoting health and wellness.

#SAFETY GUIDELINES

Safe and Healthy Wali Diwali

Here is your guide on how to play a safe Diwali.

Diwali is one of our country's most widely recognized celebrations. This light event is full of energy and draws people together. Diwali was an exciting time for us as children, and it is the same for the generations ahead. Sweets and savouries, dazzling outfits, and bursting crackers make this event worth the wait every year - but only if you know how to place safe diwali.

With little care and taking precautions one can assure that the festival of light which can be a breeding ground for mishappenings must be avoided or eliminated altogether by taking certain measures beforehand. Knowing how to play safe diwali is an additional joy as the celebration continues without interruptions.

Checking the materials of clothes

It is advised that you wear fitted cotton clothing and avoid synthetic clothing. Loose-fitting clothing is also a terrible idea since it may quickly catch fire. These should be avoided at all times when enjoying the holiday.

While bursting Crackers

You must buy authorized firecrackers and read the instructions before bursting them. High-quality firecrackers can help to lessen the likelihood of a disastrous catastrophe. Preferring green crackers can be a lot healthier.

- Consider some of the dangers posed by noise pollution.
- Hearing impairment
- Heart attack
- High blood pressure
- Sleeping disorders
- Deafness, either temporary or permanent

Green Crackers

This year, green crackers will emit 30% fewer pollutants. Green crackers will have barium and strontium as components, resulting in fewer polluting particles. Such measures will ensure that a clean and green Diwali is celebrated in the future, as well as a significant pollution reduction.

Sensitising youngsters

Before putting your children out in the open to burst crackers, you must teach them about firecrackers and the precautions that must be taken while handling them.

One of the most critical things you can do to ensure your children's safety is to supervise them when they burst crackers. This will not only encourage them to learn how to play safe diwali but also, create an environment where safety is considered as a prevention before cure.

Using firecrackers that don't make too much noise or smoke is the first step toward being nice and tolerant of your neighbors. Senior folks, little children, and pets will be unable to tolerate such loud noises.

Redefining celebrations

Inform children, adults, youngsters and elderly about the significance of green Diwali and encourage them to use no or fewer crackers. Safe Diwali includes sharing the joy and celebration, engaging in decorating house, visiting neighbours, playing games and mingling around. With taking current scenario in account taking time off from screens, say no to all kind of screen time of your family this Diwali.

Planning for emergencies

It is also critical to have a fire extinguisher nearby while exploding firecrackers. In an emergency, a bucket of sand or water might also be useful. Keeping handy the number of fire fighting team of your locality.

For health emergencies keep in touch with the first aid to treat the burns. A first-aid kit should be kept in every home.

Keep your house safe with intrusions from burglars or robbers. Tightly bolt down the lockers, jewellery and double-check all the locks during festive season.

Reaping Benefits Amidst Mughal-Maratha battles

In 1690, a faction of the Marathas, led by Shivaji's son Rajaram, sought refuge at the fort of Jinji, 155 km southwest of Fort St George. As it happened, they were soon besieged by Mughal forces led by Zulfikar Khan, the first Nawab of the Carnatic, and Swarup Singh Bundela. Zulfiqar Khan was increasingly frustrated when the British of Madras refused to present him the demanded amount. He attempted to destroy the trade of the colony by seizing its goods and imposing stringent customs. He even gave orders to the Havaldar of Thiruvallur to mobilize his troops in case of war. The Council of Fort St George met on 31 October 1696 and conveyed their outright rejection of the Nawab's demands even if it meant going to war. The siege lasted eight years. During this time, Higginson chose a position of careful neutrality. He refused to mediate when the Marathas captured Ali Mardan Khan, a Mughal general, and the Armenian traders asked the English to step in. Nor did he pick sides when Zulfikar Khan imprisoned Mohammad Kam Baksh, Aurangzeb's son who had tried to negotiate with the Marathas on his own.

Zulfikar Khan. Credit: Wikimedia Commons.

Anjali Sharma
Senior journalist & wildlife enthusiast

Chennai, then Madras was born when a small piece of land was handed over by the local Nayak rulers to the British East India Company. One of the most important events during the Governorship of Yale was the institution of a Mayor and Corporation for the City of Madras. The creation of a Corporation of Madras, is the earliest of its kind in British India. In Sept. 1688, the Corporation of Chennai was inaugurated - Nathaniel Higginson, an English politician and a scion of the Higginson family of Salem, Massachusetts was the first Mayor of Madras. The history of Madras (modern day Chennai – olden Madraspatnam) is one of three centuries of growth and tons of historic significance, though no big battles were fought here. Obviously, the present day expanded City and Greater city had existed before in the shape of scattered villages and settlements – but not under a common name or rule. Along the coast, people moved in Coehrane's canal, then known as North river and Coovum river – these with exception of Adyar river are no longer navigable rivers – more of stagnant pools of water at places.

Many places which were referred to by colonial names, have slowly faded into oblivion – example being Geroge Town area. Streets like Godown street which perhaps had its origin from the bulk traders have remained more or less the same. The colonial rule spread with the obtaining of small villages, later acquisitioning other areas in the vicinity.

An alderman is a member of a municipal assembly or council in many jurisdictions founded upon English law. The title is derived from the Old English title of ealdorman, literally meaning "elder man", and was used by the chief nobles presiding over shires. The Court of Aldermen is an elected body forming part of the City of London Corporation. The Court of Aldermen is made up of the twenty five aldermen of the City of London, presided over by the Lord Mayor (who is one of the aldermen).

Elihu Yale. Credit: Yale University Art Gallery, Yale University/Wikimedia Commons

#FIRST MAYOR OF MADRAS

Fort St George, 1736. I Yale Center for British Art/ Look and Learn [Public Domain Dedication (CC0 1.0)]

A View In The North Street Of Fort St. George.

Move to India

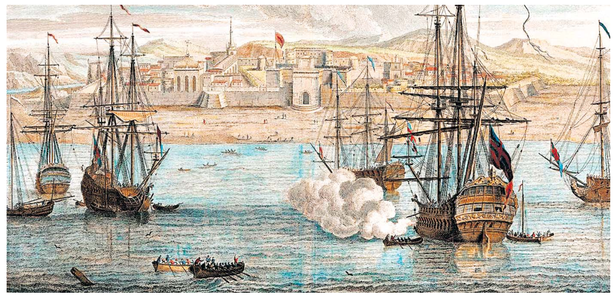

In 1683, he sailed to India as a trader for the East India Company. In 1688, he became the first mayor of the Madras Corporation, which had been set up by royal charter and which, in a radical move, included people of different ethnicities: "one Armenian, one or two Hebrews, one or two Portuguese, one or two Gentoos, and one Moor (or Mussalman)." Four years later, as the second most important member of the Council, he found himself elevated to president of Fort St George when Yale conceded his position. That same year, he married an Englishwoman, Elizabeth Richards, whose father had been a Company trader in Balasore in the east. The couple went on to have nine children, four of whom died in childhood. It could be argued that Higginson had his reasons to maintain non-partisanship. He couldn't afford to antagonise the Mughals since it was the nawab, as the emperor's representative, who issued farmans or land grants and the English wanted the nearby villages of Egmore and Purasawallkam. In 1697, the English nearly clashed with the Mughals as Higginson vacillated over extending a loan to Zulfikar Khan. An advancing Maratha army from Thanjavur and Aurangzeb's clear instructions to resume the siege at Jinji averted the showdown. In early January 1698, the Jinji fort was finally breached. Six months later, Higginson relinquished his presidency. Higginson's tenure at Fort St George saw a number of successes for the East India Company. As president, he had the task of securing the Company's fortunes, strategically and financially. Pirates were threatening its ships on the high seas and Armenian traders, who had been welcomed into the fort, were known to have dealings with them. Wielding the authority of his position, Higginson convinced the Armenians to toe the Company line, solving one problem. To consolidate finances, he imposed regular customs duties on goods entering and leaving the fort and convinced merchants – mainly Hindus – to form a joint-stock company instead of operating via one chief merchant. Crucially, during his time at Fort St George, Higginson worked to balance the interests and sentiments of various religious groups. When a dispute arose between two priests over a mosque in Triplicane (now Thiruvallikeni), he stepped in to mediate. When the bishop at Santhome had to sanction a pastor at Cuddalore, he ensured the appointment conformed to the interests of the Company. And when a Yale-appointed committee overseeing the revenues of two temples ("pagodas") found itself in dispute, Higginson turned things over to the original group of merchants. In 1697, he supported British traders in their efforts to secure Anjengo (now Achuthengo), an important trading outpost off the Malabar coast, after Umayamma Rani, the queen at Attingal, withdrew trading privileges granted in 1693. The British staved off a blockade and resumed the fort's construction that boosted trade in pepper and cotton.

Volley of charges

Despite these triumphs, the spectre of Elihu Yale loomed large over much of Higginson's time at Fort St George. Yale was accused of conspiring with Katherine Nicks, a female private trader, to steal Company goods. There were also accusations that he had allowed the construction of ramparts and fort walls without authorisation from the council. He also benefited dubiously from undeclared profits of the China trade made by his brother Thomas. Following the mysterious death of three English members of the council, suspicious fingers were pointed at Yale, who in turn complained of being held against his will. Higginson strongly refuted the allegations in letters to London. The charges and counter-charges were finally buried when Yale left India in 1699, having made a substantial fortune in diamond trade. Higginson was succeeded by Thomas Pitt, a former pirate whose fortune helped him win a parliament seat. Pitt's grandson and great-grandson went on to become British prime ministers: William Pitt the Elder and William Pitt the Younger.

Nathaniel, the first Mayor of Madras

Nathaniel Higginson (11 October 1652 – 31 October 1708) was an English politician and a scion of the Higginson family of Salem, Massachusetts who served as the first Mayor of Madras, and later as the President of the colony from 3 October 1692 to 7 July 1698. He was born at Guilford, Connecticut Colony in a family of American pioneers. His grandfather Francis Higginson was the first Minister of the First Church of Salem, Massachusetts from 1629 to 1630 while his father Rev. John Higginson served as Minister of the First Church from 1660 to 1708. Rev. John Higginson was a leading investigator in the Salem witch trials of 1692–1693 which witnessed the prosecution of his own daughter and Nathaniel's sister Ann Doliver on charges of practising witchcraft.

Nathaniel Higginson graduated in M.A. from Harvard College in 1670. In 1674, he moved to England where he worked for seven years in service of Lord Wharton as steward and tutor to his children. In 1681, he was employed at the Mint in the Tower where he served till 1683, when he joined the service of the British East India Company and travelled to Madras. Soon, he was appointed to the Council of Fort St George. In 1687, when the Corporation of Madras was created, Nathaniel Higginson – who was the Second member of the Council – became the first Mayor. Nathaniel Higginson married Elizabeth Richards in 1692.

The plan for setting up a corporation in Madras was first detailed by Josiah Child, the President of the Board of Directors of the British East India Company, in a letter addressed to the factors at Madras on 28 September 1687. Three months later, Josiah Child and his deputy had an audience with James II, and as per the ensuing discussions, a Charter was issued by the king on 30 December 1687 which established the Corporation of Madras. The charter came into effect on 29 September 1688, and Nathaniel Higginson – who was then the second member of the Council of Fort St George – took office as the Mayor of Madras. Nathaniel Higginson resigned as Mayor of Madras after a short term of six months, and was succeeded by Littleton.

Pain of separation

Higginson left India with his young family in early 1700 and stayed in London the next 10 years. He always intended to return to America, especially after he was "invited" to consider the governorship of Massachusetts in place of the unpopular incumbent, Joseph Dudley. His long stay away worried his father and brother. Their letters to him detailed the precarious lives of the ever-growing Higginson family amidst the wars with France. The tone of the letters varied: earnest and cajoling on some occasions, resigned and bitter on others. His brother was keen to set up trade with the East Indies. In one letter, he wrote: "Dear Brother, Let not the distance of place be a means to make us forget each other. Remember the good days and reciprocal affections we once enjoyed; and let me be again happy in your company here." His father reiterated the hope that Higginson would do his bit for his family. In a long letter, giving him news of people who had passed away, he wrote dolefully: "But what is our life? It is but a vapour that appears for a little while, and then vanishes away."

Yet Higginson never did make it home. He died of smallpox in London in October 1708. His father passed away two months later.

Later life

Nathaniel Higginson returned to England with his wife and four children in the year 1700 and established himself as a merchant in London. In 1706, he affixed his signature to a petition against Joseph Dudley, the Colonial Governor of Massachusetts. But Dudley discarded Higginson's petition with contempt as a complaint from someone who "may be presumed to nothing of the country". The allegations were similarly discarded by the Council as a "wicked and scandalous accusation". Alienated from his home country, Higginson spent the rest of his life in England and died of smallpox on 31 October 1708.

rajeshsharma1049@gmail.com

Tenure as President of Madras

On 3 October 1692, Nathaniel succeeded Elihu Yale as the President of Madras. Meanwhile, during the same year, the Mughal army besieged the Marathas in the fortress of Gingee but was defeated in December. The Mughal general Zulfiqar Khan Nusrat Jung failed to take the fort and retired with some troops to Vandavasi while other troops sought protection in Madras. He approached the British for negotiating a deal with the Marathas. The British at Madras, however, refused to get involved. In August 1693, the Dutch invaded the French settlement of Pondicherry and conquered it. The administration in Madras responded by sending a congratulatory message to the Dutch in Pulicat over the successful siege of Pondicherry.

It was during Higginson's tenure that the British East India Company obtained a firman from Nawab Zulfiqar Khan for the settlements of Egmore, Purasawalkam and Triplicane.

In July 1694, there broke a dispute between two chief Muslim clerics of Blacktown over the division of revenues which Higginson helped settle in an amicable way.

In February 1696, Elihu Yale petitioned the Court of Directors once again over the unjust way in which he had been tried by the Council of Fort St George. Higginson responded by replying to the Board of Directors refuting Yale's allegations of injustice.

In November 1694, Nawab Zulfiqar Khan proceeded from Wandiwash where he was encamped and took Chungramon Fort. However, dissent broke out in the ranks of the Mughal army and there were rumors of royal orders being dispatched to Daud Khan Panni to capture Nawab Zulfiqar Khan. In March 1696, Nawab Zulfiqar Khan sent messengers to Madras demanding one-lakh pagodas. In 1690, a faction of the Marathas, led by Shivaji's son Rajaram, sought refuge at the fort of Jinji, 155 km southwest of Fort St George. As it happened, they were soon besieged by Mughal forces led by Zulfiqar Khan, the first Nawab of the Carnatic, and Swarup Singh Bundela. Zulfiqar Khan was increasingly frustrated when the British of Madras refused to present him the demanded amount. He attempted to destroy the trade of the colony by seizing its goods and imposing stringent customs. He even gave orders to the Havaldar of Thiruvallur to mobilize his troops in case of war. The Council of Fort St George met on 31 October 1696 and conveyed their outright rejection of the Nawab's demands even if it meant going to war.

The siege lasted eight years. During this time, Higginson chose a position of careful neutrality. He refused to mediate when the Marathas captured Ali Mardan Khan, a Mughal general, and the Armenian traders asked the English to step in. Nor did he pick sides when Zulfikar Khan imprisoned Mohammad Kam Baksh, Aurangzeb's son who had tried to negotiate with the Marathas on his own.

However, Madras was saved when fresh orders were received by Zulfiqar Khan in late 1696 from the Mughal Emperor Aurangzeb to proceed to Gingee. Thus, a major face-off was averted. Zulfiqar Khan, meanwhile, concentrated his energies against the Marathas and won a decisive victory at Gingee returning to Wandiwash only for his marriage in 1698. Nathaniel Higginson sent him rich marriage presents and a congratulatory message on his victory over the Marathas.

Throughout his tenure, despite being a Protestant, Higginson was fairly tolerant towards his Hindu subjects as well as the Roman Catholics of St Thome. He repealed the extortionary taxation system which his predecessor Elihu Yale had introduced in the revenue system of the Hindu shrines of Blacktown and Triplicane. He also maintained regular correspondence with the Roman Catholic bishop of St Thome.

It was during Higginson's Presidency (in 1693) that the Madras Secretariat was constructed to host the offices of the Council of Fort St George. It was also during this time that a channel was cut in order to interlink the North River with the Coovum. It was this interlinking of the two rivers which created "the Island".

Higginson's Presidency came to an end on 7 July 1698, and he was succeeded by Thomas Pitt.

A View Of Part Of St. Thome Street, Fort St. George, by Francis Swain Ward, London, 1804.

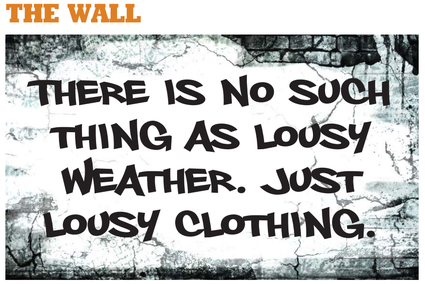

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

कॉमरेड निर्मल प्रजापत की गिरफ्तारी की न्यायिक जांच की मांग

राजस्थान सर्व कुम्हार महासभा के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चूरू, (कासं)। राजस्थान सर्व कुम्हार महासभा के पदाधिकारियों ने निर्मल कुमार प्रजापत को चुनाव के समय गिरफ्तार करने की न्यायिक जांच करवाने की मांग को लेकर शनिवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि तीन नवंबर को प्रात: छह बजे बीदासर पुलिस टीम सिविल यूनिफॉर्म में आकर घर पर सो रहे कामरेड निर्मल कुमार को अपने साथ ले गई। जब उनसे पूछा कि किस वजह से आप मुझे अपने साथ ले जा रहे हैं तो उन्होंने बताया कि आप बीदासर थाने के स्थाई वारंटी हो। 2019 में आपके खिलाफ विधानसभा थाने में एक मामला दर्ज किया गया था, जो 2019 में बिजली पानी और स्वास्थ्य की अन्य समस्याओं को लेकर बीदासर में एक आंदोलन हुआ था, जिसमें कामरेड निर्मल कुमार प्रजापत भी शामिल थे। उस आंदोलन में कामरेड निर्मल कुमार सहित 26 लोगों पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई थी। चार साल तक निर्मल कुमार को इसके बारे में कुछ भी नहीं बताया गया और ना ही कोई जांच निर्मल कुमार से की गई। फिर अचानक तीन नवंबर को पुलिस प्रशासन नींद से क्यों जगा। ज्ञापन में बताया कि बीते 4 सालों में कामरेड निर्मल कुमार अनेक आंदोलन व अन्य कार्यों से चूरू कलेक्ट्रेट, एसपी ऑफिस, थाना व तहसीलों में आता-जाता रहा। इसके अलावा 2 जून 2023 से 6 अक्टूबर 2023 तक चूरू कलेक्ट्रेट पर किसानों के महापड़ाव का नेतृत्व कर रहा था। वहां पर चूरू जिले के सभी स्थानों का पुलिस जाब्ता तैनात रहता था। अगर कामरेड निर्मल कुमार स्थाई वारंटी था तो उस दौरान इनको गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।

- कॉमरेड निर्मल कुमार माकपा की ओर से तारानगर विधानसभा से अधिकृत प्रत्याशी है

कामरेड निर्मल कुमार माकपा की ओर से तारानगर विधानसभा से अधिकृत प्रत्याशी है। इस वजह से सरकार व सरकार के नुमाइंदों द्वारा चुनाव में अवांछित लाभ लेने के चलते साजिश के तहत कामरेड निर्मल कुमार को उसके नामांकन दाखिल करने से महज 3 दिन पहले गिरफ्तार कराना और गिरफ्तार करके जेल भेजना यह किसी बड़ी साजिश से कम नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम की न्यायिक जांच में संपूर्ण तथ्यों के पर्दाफाश की मांग की गई और किसी साजिश के तहत कामरेड निर्मल कुमार को नामांकन दाखिल करने से वंचित करने की साजिश किसके कहने पर ओर क्यों की गई।

ज्ञापन में बताया कि साजिश की समय रहते न्यायिक जांच करवा कर खुलासा नहीं किया गया तो चुरू जिले का संपूर्ण प्रजापति समाज एक बड़ा आंदोलन करेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुरेश प्रजापत, जिला महामंत्री चुन्नीलाल दादरवाल, मुकेश, छगनलाल घंटेलवाल, अमित कुमार, लिखमीचंद डाबला, रामस्वरूप भोभरिया, निरंजन घंटेल, सुरजाराम, हरिराम प्रजापत, अर्जुनराम, किशोर कुमार सहित प्रजापत समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

कॉमरेड निर्मल कुमार को न्यायालय से मिली जमानत

बीदासर, (निसं)। तारानगर के माकपा नेता कॉमरेड निर्मल कुमार प्रजापत की जमानत पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने शनिवार को जमानत स्वीकार कर ली और निर्मल कुमार प्रजापत को जमानत पर रिहा कर दिया।

कॉमरेड निर्मल कुमार प्रजापत वर्ष 2019 में कस्बे के राजकीय गोवर्धन प्रसाद टांटिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों एवं व्यवस्थाओं को लेकर चले धरना-प्रदर्शन और थाना घेराव के मामले में दर्ज प्रकरण में स्थाई वारंटी था और न्यायालय द्वारा स्थाई वारण्ट से तलब किया हुआ था। प्रकरण 2021 से कोर्ट में सुनवाई में था। जिसके करीब दो साल बाद निर्मल कुमार ने शुक्रवार को स्वयं को न्यायालय में सरेण्डर किया और निर्मल कुमार के वकील ने जमानत अर्जी लगाई। शुक्रवार को सुनवाई पूरी नहीं होने के कारण कॉमरेड निर्मल कुमार को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया था, जिसके बाद से ही वो रतनगढ़ जेल में बंद रहा।

शनिवार को सुनवाई के बाद जमानत दे दी गई। निर्मल कुमार के अधिवक्ता एवं समर्थकों ने पुलिस पर आरोप लगाकर इसे राजनैतिक साजिश बताया। लेकिन वास्तव में निर्मल कुमार ने खुद सरेण्डर किया है। जानकारों की मानें तो इस पूरे मामले का जानबूझकर राजनीतिकरण किया जा रहा है, जबकि यह प्रकरण पुराना है और तारानगर की राजनीति से इसका कोई सरोकार नहीं है। गौरतलब है कि कॉमरेड निर्मल कुमार तारानगर से विधानसभा चुनावों में माकपा से उम्मीदवार है और पेशे से एडवोकेट भी है।

मावा, घी और पनीर के नौ नमूने लिए

जांच में अमानक मिले 234 किलो घी को सीज किया

कोटा में चिकित्सा विभाग ने नमूने लेकर अमानक घी को सीज किया।

कोटा, (निसं)। त्यौहारी सीजन को देखते हुए शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन जयपुर के निर्देश पर चिकित्सा विभाग के खाद्य सुरक्षा द्वारा मिलावटखोरी रोकने के लिए मावा, घी, बेकरी, मिठाई विक्रेताओं के यहां सघन निरीक्षण व नमूनीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

शुक्रवार को चिकित्सा विभाग के दल ने शहर के विज्ञान नगर, कुन्हाड़ी और रामपुरा में डेयरी, मिठाई, किराना, होलसेल विक्रेताओं के यहां सघन निरीक्षण कर घी के 4, मावा और बिस्कीट के 2-2 तथा पनीर का एक सैंपल एफएसएस एक्ट के तहत लिया है। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जिनकी रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सीएमएचओ डॉ जगदीश सोनी ने बताया कि पिछले दिनों खाद्य सुरक्षा टीम ने रामपुरा स्थित न्यू मालूजीवाला से माखनवाला ब्रांड के घी का सैंपल लिया था जो प्रयोगशाला जांच में अवमानक स्तर का पाया गया है।

टीम ने इस ब्राण्ड के घी का रिपेटेड सैम्पल लेते हुए 15 किलो के टिन व एक किलो वाले पैक में भरा 234 किलो घी सीज कर दिया है। सीएमएचओ ने बताया कि त्यौहारी सीजन को देखते हुए मिठाई, मावा, बेकरी, किराना वालों पर निरन्तर निरीक्षण एंव नमूनीकरण की कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा मिठाई विक्रेताओं को मिठाईयों की ट्रे पर निर्माण व अवधिपार तिथि लिखने के लिए भी पांबद किया जा रहा है। कार्रवाई टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप अग्रवाल, चन्द्रवीर सिंह जादौन, नितेश गौतम व सहायक गजेन्द्र नागर शामिल थे।

एक किलो चांदी के साथ कार जब्त

हरियाणा के हिसार के दो लोगों को पकड़ा

चिड़ावा, (निसं)। मंड्रेला थाना पुलिस ने गश्त के दौरान राजगढ़ रोड़ पर वेगनार गाड़ी में रखी एक किलो 80 ग्राम चांदी जब्त की है। आगामी विधानसभा चुनावों के मध्यनजर सघन तलाशी अभियान के तहत जेवरात व रूपयों की तश्करी को रोकने के लिए थानाधिकारी रविन्द्र कुमार के सुपरविजन में टीम गठित करके तिगियास बॉर्डर पर नाकाबंदी की गई।

मंड्रेला थाना पुलिस ने गश्त के दौरान कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार इस दौरान हरियाणा नम्बर की गाड़ी से एक किलो 80 ग्राम चांदी जब्त करके गाडी चालक हरियाणा के हिसार के आजाद नगर निवासी निर्मल पुत्र बलवीरसिंह मेघवाल तथा हिसार के ही पूजा मार्केट के पीछे निवासी गोपाल सोनी को पकड़ा गया है। उक्त चांदी इन लोगो ने बैग के अंदर ही डाल रखी थी। कार्यवाही टीम में थानाधिकारी रवींद्र कुमार, कांस्टेबल हरेंद्र, प्रदीप कुमार, अंकित कुमार व मनोज कुमार शामिल थे।

2.99 लाख की राशि जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। बॉर्डरों पर की गई नाकाबंदी के तहत जिला प्रशासन की एसएसटी टीम ने रतनपुर बार्डर पर गुजरात से राजस्थान में प्रवेश कर रही एक कार में से 2 लाख 99 हजार से अधिक की राशि बिना दस्तावेजों के होने के कारणजब्त की तथा इस मामले में नागोर निवासी तीन कार सवारों को डिटेन किया गया। एसएसटी टीम के प्रभारी विपिन पण्ड्या ने बताया कि मुखबीर के जरिये मिली सूचना के आधार पर गत रात्रि को रतनपुर बोर्डर पर साढे ग्यारह बजे एक कार जो कि गुजरात से राजस्थान में प्रवेश कर रही थी। टीम ने कार को रूकवा कर जब इनसे पूछताछ की तो उन्होंने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया तब टीम ने जब कार की डिक्की खोलकर तलाशी ली तो एक बैग में 2 लाख 99 हजार से अधिक की राशि पाई गई। इस संबंध में जब कार में सवार दिपक, धनश्याम सुण्डा तथा कमल सुण्डा को डिटेन कर पूछताछ की।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में सात पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं) । कमिश्रेरट के जिला पूर्व में एक युवती को उसके बॉयफ्रैण्ड ने प्रेमजाल में फांस कर पहली बार दुष्कर्म किया। इसके साथ ही फोटो वीडियो भी बना लिया। इसके बाद वह विडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर दुष्कर्म करता रहा। फिर अपने छह अन्य दोस्तों से भी गर्ल फ्रैण्ड का यौन शोषण करवाया। इतना ही नहीं गर्ल फ्रैण्ड की दूसरी जगह सगाई हुई तो उसके मंगेतर को फोटोग्राफ्स भेज दिए। इसके बाद मामला खुल कर सामने आ गया।

पीडिता ने अब इस बारे में सामूहिक बलात्कार में केस दर्ज करवाया है। एक पुलिस निरीक्षक ने बताया कि एक युवती की पहचान गौरव नाम के शख्स से हुई थी। दोनों में दोस्ती हो गई। फिर प्रेम पनप गया। गत साल 26 नवंबर को युवती एक शादी समारोह में गई थी। जहां पर गौरव नाम का उसका दोस्त मिला। लघुशंका के लिए गई युवती को वह अपने साथ एक कमरें पर लेकर गया जहां दुष्कर्म किया और फिर फोटोग्राफ्स खींचने के साथ वीडियो बनाया। इसके बाद बॉय फ्रैंड ने शारीरिक संबंध के लिए दबाब बनाते हुए दोस्तों को भी शामिल कर दिया।

युवती का आरोप है कि गौरव के छह अन्य दोस्तों जिनमें निरंजन, रॉबिन, सुधीर, संदीप और निशांत ने भी उससे कई बार दुष्कर्म किया। साल भर से यह लोग फोटो वीडियो से ब्लैकमेल करते रहे और यौनशोषण किया। पुलिस निरीक्षक के अनुसार युवती की सगाई अन्य स्थान पर होने पर भी नामजद युवक उसे तंग और परेशान करने के साथ संबंध बनाने का दबाव बनाते रहे। युवती के मना करने पर आरोपियों ने युवती के आपत्तिजनक फोटोग्राफ्स मंगेतर को भेज दिए। जिस पर उसकी सगाई टूट गई। पीडिता कल थाने पहुंची और केस दर्ज करवाया गया। पुलिस निरीक्षक के अनुसार युवती गत साल अपने बॉय फ्रैण्ड के साथ घर से लापता भी हुई थी और पुलिस में गुमशुदगी दर्ज होने पर उसे लाया गया था। फिलहाल सामूहिक दुष्कर्म में जांच की जा रही है। एसीपी स्तर के अधिकारी द्वारा इसकी जांच की जा रही है।

ज्वैलर्स की दुकान को चोरों ने फिर बनाया निशाना

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के छीपियों के मोहल्ले में स्तिथ बालाजी ज्वैलर्स की दुकान को चोरों ने निशाना बना काउंटर में रखे सामान व आलमारी लेकर फरार हो गये।

सर्वेश कुमार उर्फ काना सोनी ने बताया कि शुक्रवार की देर रात्रि दो बजे बाद बालाजी ज्वैलर्स की दुकान पर एक कैम्पस गाड़ी लेकर सात जने आए और चोर किसी लोहे की वस्तु से शटर उखाड़कर अंदर रखे काउंटर से सामान व आलमारी चुरा कर ले गए। आसपास के लोगों ने शटर की तेज आवाज सुनकर बाहर आकर शोर किया तो चोर की आवाज सुनकर मौके से फरार हो गए। जिसमें करीब 30 से 40 हजार रूपए का सामान चुरा ले गए।

व्यापार मंडल अध्यक्ष महेंद्र गुर्जर व पूर्व अध्यक्ष डीके सोनी सहित मंडल ने दो माह में एक ही दुकान में दूसरी बार चोरी होने व पहले चोरी की वारदात का खुलासा नहीं होने से नाराजगी जताई है। उन्होंने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पांच दिवस में ही चोरी का खुलासा करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि चोरी का खुलासा नहीं किया गया तो व्यापार मंडल की ओर से बाजार बंद कर धरना दिया जाएगा।

स्वर्णकार समाज ने थानाप्रभारी को चोरी की वारदात का खुलासा करने को लेकर ज्ञापन सौंपा।

- 13 सितम्बर को भी दुकान में चोरी हो चुकी है

मामले को लेकर व्यापार मंडल व स्वर्णकार समाज ने थाने में उपस्थित होकर थानाप्रभारी को चोरी की वारदात का खुलासा करने को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान घटना के बाद देखते ही देखते घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस दौरान सूचना पाकर घटना स्थल पर थाना पुलिस के एएसआई बलवान सिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और चोरी हुई दुकान का मोका निरीक्षण किया। पुलिस ने शनिवार की सुबह ही डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंचकर दुकान से सबूत इकट्ठे किए। इससे पूर्व में 13 सितम्बर को भी दुकान से चोरी हो चुकी है।

10 साल से फरार इनामी गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। पाटन पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 10 साल से फरार चल रहे भगोड़े राजेश कुमार को सोनीपत से गिरफ्तार किया है। भगोड़े राजेश कुमार पर एक हजार रुपए का इनाम घोषित था। थानाधिकारी इंद्राज सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि भगोड़ा राजेश कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह जाट उम्र 48 साल निवासी स्थल बोहर मकान नंबर 16 रोहतक हरियाणा को सोनीपत से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी 2013 से फरार चल रहा था। भगोड़े राजेश कुमार पर 2013 में पाटन क्षेत्र में क्रेशर व लीज को फर्जी दस्तावेज तैयार कर विक्रय करने के आरोपों में परिवादी रामावतार ने मुकदमा दर्ज करवाया था। पाटन पुलिस टीम द्वारा हरियाणा पुलिस की सहायता से सूचना संकलन कर सोनीपत से गिरफ्तार किया है।

छह लाख कीमत के चांदी के 14 बिस्किट जब्त

दौसा, (निसं)। जिला पुलिस द्वारा दो बड़ी कार्रवाईयों को अंजाम दिया गया है। थाना लवाण व एफएसटी ने चैकिंग के दौरान 6 लाख कीमत के चांदी के 14 बिस्किट जप्त किये हैं। वहीं कोलवा पुलिस ने विवाहिता से दुष्कर्म के आरोपी को 50 घंटे में गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया है।

- पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को 50 घंटे में गिरफ्तार किया

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामचंद्र सिंह व सीओ मानाराम गर्ग के सुपरविजन एवं लवाण एसएचओ दिनेश कुमार व एफएसटी प्रभारी नंदा राम मीणा के नेतृत्व में शनिवार को प्रहलादपुरा मोड तुंगा रोड पर नाकाबंदी में कन्हैयालाल बंसल निवासी खानजादा पाड़ा थाना बाड़ी कोतवाली धौलपुर के पास से 5 लाख रुपये कीमत की 7.930 किलो चांदी के 14 बिस्किट जब्त किए गए।

वहीं एसपी राणा ने बताया कि 1 नवंबर को परिवादी ने थाना कोलवा में रिपोर्ट दी कि उसकी पत्नी दुकान से सामान लेकर घर लौट रही थी। रास्ते में ई रिक्शा चालक जबरदस्ती कूंचों में ले गया और मारपीट के बाद दुष्कर्म कर उसकी पत्नी को बेहोशी की हालत में पटक गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह व सीओ ईश्वर सिंह के सुपरविजन में एसएचओ कोलवा किताब चौधरी मय टीम द्वारा सूचना एकत्रित कर शुक्रवार को आरोपी भागचंद उर्फ पायलेट को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त की ई-रिक्शा जब्त कर लिया।

नाले का निर्माण नहीं होना चर्चा का विषय बना

चूरू, (कासं)। नई सड़क स्थित बैदों की धर्मशाला के पास गंदे पानी की निकासी के लिए नाले का निर्माण नहीं होने के मामले की शनिवार यहां काफी चर्चा रही।

यहां सवेरे से ही सभापति पायल सैनी और उनके पति नायायण बालाण ने मीडिया को कोसना शुरू कर दिया। यहां एक सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से बालाण ने मीडिया को दबाने के लिए उन पर गम्भीर आरोप लगाए। सभापति पायल सैनी ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी।

सभापति और उनके पति द्वारा मीडिया पर लगाए गए आरोपों की राजेन्द्र राठौड़ और हरलाल सहारण ने भरी सभा में निंदा की। उधर नारायण बालाण ने दूरभाष के माध्यम से पूर्व सभापति स्व. रमाकांत औझा और राजेन्द्र राठौड़ पर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। चूरू की राजनीति आज नाले के आसपास ही घूमती रही। इसका निर्माण कब होगा, यह अभी कोई तय नहीं है। लगता है।

भाजपा ने जालोर संसदीय क्षेत्र की आठ में से एक सीट पर भी महिला को मौका नहीं दिया

भाजपा का महिलाओं को राजनीति में 33 फीसदी आरक्षण का दावा हवा

- भाजपा ने किसी प्रकार से नया प्रयोग नहीं करते हुए पुराने राजनीति के खिलाड़ियों को चुनाव में उतारा
- कांग्रेस ने भी संसदीय क्षेत्र की आठ सीटों में से सात सीटों पर प्रत्याशियों को घोषित कर दिया है

जालोर, (कासं)। जालोर-सिरोही संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों पर भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिये हैं। ऐसे में भाजपा का भविष्य में महिलाओं को राजनीति में 33 फीसदी आरक्षण का दावा करने वाली भाजपा ने जालोर संसदीय क्षेत्र की आठ में से एक सीट पर भी मौका नहीं दिया।

जालोर-सिरोही संसदीय सीट पर भाजपा ने आठों विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। वहीं कांग्रेस ने सात सीटों पर घोषणा कर दी है। जबकि एक आहोर सीट पर अभी तक घोषणा नहीं कर पाई है। जबकि नामांकन का अंतिम दिन सोमवार शेष रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पूर्व महिला आरक्षण बिल लाते हुए महिलाओं को भविष्य में 33 फीसदी आरक्षण देने की बात कही है। वहीं बिल पर मोहर लगने में समय लगेगा। लेकिन भाजपा महिलाओं को राजनीति में बराबर की हिस्सादारी देने का वादा करते हुए 33 प्रतिशत महिलाओं की आरक्षण देने की बात कही है। वही प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान जालोर व सिरोही संसदीय क्षेत्र की आठ सीटों में से एक भी सीट पर भाजपा ने महिला प्रत्याशी को चुनाव मैदान में नहीं उतारा। जबकि सिरोही, जालोर, आहोर, भीनमाल, सांचोर से महिलाओं ने अपनी दावेदारी जताई थी। लेकिन भाजपा ने भविष्य के आरक्षण बिल को दरकिनार करते हुए आठों सीटों में से सांचोर को छोड़कर सभी सीटों पर पुराने चेहरों पर विश्वास जताते हुए उन पर भरोसा जताया।

जालोर से जोगेश्वर गर्ग, भीनमाल से पुराराम चौधरी, आहोर छगनसिंह राजपुरोहित, रानीवाडा से नारायणसिंह, सिरोही से ओटाराम देवासी, पिण्डवाडा से समाराम गरासिया, रेवदर से जगसीराम कोली को चुनाव मैदान में उतारा है। ऐसे में भाजपा ने किसी प्रकार से नया प्रयोग नहीं करते हुए पुराने राजनीति के खिलाड़ियों को चुनाव रण में उतारा है। वही भाजपा द्वारा महिलाओं को टिकट नही देने से महिला नेताओं में निराशा देखी जा रही है। कांग्रेस ने भी संसदीय क्षेत्र की आठ सीटों में से सात सीटों पर प्रत्याशियों को घोषित कर दिया हैं। जिसमें एक जालोर विधानसभा क्षेत्र से बाहरी प्रत्याशी के रूप में रमिला मेघवाल को जरूर टिकट दिया है। वहीं आहोर से भी महिला प्रत्याशी को टिकट दे सकती है। ऐसे में महिला आरक्षण के वादे पर भाजपा खरी नहीं उतरी।

जालोर-सांचोर में चतुष्कोणीय मुकाबला की संभावना :- जालोर व सांचोर में चतुष्कोणीय मुकाबला होने की संभावना है। ऐसे में सांचोर व जालोर में भाजपा व कांग्रेस दोनों को बागियों से नुकसान उठाना पड़ सकता है। जालोर में भाजपा द्वारा जोगेश्वर गर्ग को टिकट देने पर भाजपा की जिला मंत्री पवनी मेघवाल ने बगावत करते हुए शनिवार को निर्दलीय पर्चा भरा। वहीं कांग्रेस द्वारा भी बाहरी प्रत्याशी के रूप में रानीवाडा की पूर्व प्रधान रमिला मेघवाल को टिकट देने पर कांग्रेस के पूर्व विधायक रामलाल ने भी बगावत करते हुए सोमवार को निर्दलीय पर्चा भरने का एलान कर दिया। ऐसे में भाजपा व कांग्रेस से बागियों के मैदान में होने से मुकाबला चतुष्कोणीय होने की संभावना जताई जा रही है।

वहीं सांचोर में भाजपा की ओर से सांसद देवजी पटेल को टिकट देने पर पूर्व विधायक जीवाराम व पूर्व प्रत्याशी दानाराम ने महापंचायत बुला कर सोमवार को जीवाराम द्वारा निर्दलीय ताल ठोकने से भाजपा प्रत्याशी को सीधा नुकसान उठाना पड़ेगा। कांग्रेस की ओर से सुखराम विश्नोई को टिकट देने से कांग्रेस के पूर्व प्रधान शमशेर अली ने भी बसपा से चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। सांचोर व जालोर में बागी कांग्रेस व भाजपा प्रत्याशियों का समीकरण बिगाड़ सकते हैं।

धोखे से नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। तांत्रिक विद्या से पारिवारिक समस्या का समाधान कर पीडित से नकदी हडपने वाले तात्रिक व साथियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित रमेश चन्द्र पुत्र सुखलाल डांगी निवासी बडा आमरणा थेपुरा चित्तोड़गढ हॉल दक्षिण विस्तार योजना ने हरिश तेजोत, नाथू सेन तथा किशन मीणा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरी पारिवारिक समस्या से परेशान होने पर परिचित हरीश गोस्वामी जरिये हरिश तेजोत व उसके साथियों से संपर्क हुआ। इस पर वर्ष 2021 में हरीश के दक्षिण विस्तार स्थित मकान में बने तांत्रिक स्थान पर पहुंचा। जहां उसके कहे अनुसार परिवार की समस्या समाधान करने की बात कही तथा इसके लिए टुकड़ों टुकडों में 2 लाख 75 हजार रूपये का आरोपियों को भुगतान किया लेकिन आज दिन तक मेरी समस्या का समाधान नहीं हो पाया। इस पर आरोपी व साथियों से संपर्क किया तो टालमटोल करना शुरू कर दिया तथा पूछताछ करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

तेज रफ्तार कार और निजी बस में टक्कर, चार युवकों की मौत

दुर्घटना में एक युवक घायल हो गया, सभी लोग गुजरात के शामलाजी के रहने वाले हैं

डूंगरपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गलत साइड से जा रही एक कार तेज रफ्तार में निजी बस से टकरा गई। हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। दुर्घटना में एक युवक गंभीर घायल हो गया। सभी लोग गुजरात के शामलाजी के रहने वाले हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए हादसे के बाद लंबा जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गए। घटना डूंगरपुर के बिछीवाडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब दो बजे हुई। मृतकों के परिवार को देर रात हादसे की सूचना दी गई है। पुलिस का कहना है कि ये लोग कहां जा रहे थे इसकी जानकारी नहीं है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार व बस की भिड़ंत में कार के परखच्चे उड़ गये।

- टक्कर इतनी भीषण थी कि कार आगे के बोनट और ड्राइवर सीट के परखच्चे उड़े, शव बुरी तरह फंसे
- डूंगरपुर के बिछीवाडा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुये हादसे के बाद लम्बा जाम लग गया

बोनट और ड्राइवर सीट के परखच्चे उड़े :- बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि शुक्रवार देर रात एनएच-48 पर खजुरी की नाल में गलत साइड जा रही एक गुजरात नंबर की कार गुजरात से डूंगरपुर जा रही निजी बस से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी, कि कार आगे के बोनट और ड्राइवर सीट तक परखच्चे उड़ गए। भीषण हादसे में कार सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर घायल हो गया। सूचना पर बिछीवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसों शवों को कड़ी मशक्कत के बाहर निकाला गया।

चारों मृतक और घायल गुजरात के निवासी :- थानाधिकारी ने बताया कि घायल हिरेन भाई पुत्र कमलेश भाईए निवासी गेड ईसरी गुजरात को डूंगरपुर अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है। वहीं चारों मृतकों की पहचान सतीश भाई पुत्र कावजी भाई भगोरा निवासी वेणपुर शामलाजी, अंकित निनामा पुत्र चिमन भाई निनामा निवासी वेणपुर शामलाजी, रवि पुत्र कस्तूर भाई निनामा निवासी खारी शामलाजी गुजरात, कौशिक पुत्र अशोक कुमार निवासी कुनल रेंडलावाडा थाना ईसरी गुजरात के रूप में की गई है। परिजनों के आने के बाद उनकी पहचान कर शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेलर व टीपर में भिड़ंत के बाद लगी आग, एक की मौत

निवाई/टोंक, (निसं)। मोटूका पुलिया पर एक टीपर एवं ट्रेलर में आमने-सामने भिड़ंत होने से दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। हादसे में एक जने की मौत हो गई। वहीं बरोनी पुलिस ने जान जोखिम में डालकर चार व्यक्तियों की जान बचा ली।

पुलिस गश्त के दौरान पुलिस थाना बरोनी की टीम मय थानाधिकारी ओमप्रकाश गश्त पर थे। इस दौरान सूचना मिली कि मोटूका पुलिया पर एक टीपर एवं ट्रेलर में आमने सामने भिड़ंत हो गई है तथा दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई है। उक्त सूचना पर थानाधिकारी बरोनी मय जाब्ते के घटना स्थल पर पहुंचे। जहां पर ट्रेलर व टीपर आपस में टकराकर चकनाचूर हो चुके थे एवं भीषण आग लगी हुई थी, दोनों वाहनों के डीज़ल टेंक व टायरों में आग के कारण लगातार ब्लास्ट हो रहे थे। ऐसी भयानक परिस्थितियों के बावजूद बरोनी थाने की टीम ने त्वरित कार्यवाही व अपनी सूझबझू का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रेलर के नीचे फंसे एक बाइक सवार दो व्यक्ति आग से झुलस रहे थे। जिनको बमुशकिल आग की लपटों से सुरक्षित बाहर निकालकर तुरन्त निवाई अस्पताल पहुंचाया तथा ट्रेलर की केबिन में फंसे चालक व खलासी को केबिन के शीशे तोड़कर पूर्ण सुरक्षित बाहर निकाला। इसी प्रकार टीपर की ट्रॉली के नीचे जलते टायरों के पास से मृतक शीखर के शव को बाहर निकाला अन्यथा मृतक का शव जल कर राख हो जाता।

भीषण आग में से लोगों को बरोनी पुलिस के जवानों ने निकाला।

- बरोनी पुलिस ने अपनी जान जोखिम में डालकर चार लोगों की जान बचाई

उक्त दुर्घटना इतनी भीषण थी कि नेशनल हाईवे 52 पर लगभग तीन किलोमीटर तक यातायात अवरूद्ध हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 5 दमकलों व आमजन की सहायता से आग पर काबू पाया एवं 3 क्रेनों की मदद से तुरन्त रास्ता खुलवाकर यातायात सुचारू किया गया। उक्त बहादूरी पूर्ण असाधारण कार्य करने वाली टीम में बरोनी थानाधिकारी ओमप्रकाश सहित हैड कानि. कमलेशप्रसाद गुर्जर, मोती लाल, मुनीम व रामदयाल शामिल थे।

पूर्व सी.एम. वसुंधरा राजे ने नामांकन दाखिल किया

वसुंधरा राजे ने नामांकन से पहले राडी के बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की

झालरापाटन विधानसभा सीट से वसुंधरा राजे ने नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर को सौंपा।

झालरापाटन (निसं)। झालरापाटन विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल करने के लिए वसुंधरा राजे शनिवार सुबह दरबार की कोठी से निकलने के बाद अचानक अपने रूट में बदलाव कर संघ के जिला संघ संचालक डीके जैन के आवास पहुंची। इस दौरान दोनों के बीच 30 मिनट से अधिक समय तक गुप्त मंत्रणा हुई इसके बाद उन्होंने राडी के बालाजी मंदिर में पूजा करने पहुंची।

इस मंदिर के प्रति वसुंधरा राजे की पुरानी आस्था है। हर बार अपने नामांकन के पहले राडी के बालाजी मंदिर स्थित पूजा अर्चना कर करती आई है। इसके बाद राजे ने दोपहर 2.15 बजे के शुभ मुहुर्त पर अपना नामांकन पत्र विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर संतोष मीणा को सौंपा। नामांकन के दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके पुत्र दुष्यंत सिंह, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, जिला महामंत्री नरेंद्र तोमर सहित कई नेता मौजूद रहे। शुक्रवार को प्रवीण शर्मा क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने रिटायरमेंट को लेकर बयान दिया था। दरअसल, सभा के दौरान पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बेटे सांसद दुष्यंत सिंह ने आक्रमक अंदाज में गहलोत सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने गहलोत सरकार पर झालावाड़ के विकास कार्य को बाधित करने का आरोप लगाया था। इस दौरान मंच पर मौजूद वसुंधरा राजे अपने पुत्र दुष्यंत का भाषण सुनकर गदगद नजर आई। राजे ने अपने संबोधन में दुष्यंत और मौजूदा भाजपा विधायकों की तारीफ करते हुए कहा था कि अब उन्हें रिटायरमेंट ले लेना चाहिए, पूरा विश्वास है कि सांसद दुष्यंत सिंह और भाजपा के विधायक क्षेत्र की जनता के लिए बेहतर काम करेंगे।

राजस्थान से कहीं नहीं जाऊंगी :- शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में बेटे दुष्यंत सिंह को बोलते देख वह काफी उत्साहित थी। दुष्यंत का जनता से अच्छा जुड़ाव है, यह देख वह काफी प्रसन्न थी इसके प्रतिक्रिया स्वरूप उन्होंने रिटायरमेंट की बात कही थी। उन्होंने कहा कि वह राजस्थान से कहीं जाने वाली नहीं हैं, झालावाड़ से पारिवारिक रिश्ता रहा है इस दौरान राजे ने कांग्रेस सरकार हमला बोलते हुए कहा कि सरकार ने केवल रेवड़ियां बांटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में भाजपा की सरकार बनेगी।

भाजपा प्रत्याशी के नामांकन में पहुंचेंगी राजे

नोहर, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे छह नवम्बर नोहर पहुंचेगी। राजे यहां भाजपा प्रत्याशी अभिषेक मटोरिया के नामांकन के मौके पर पहुंचकर अनाज मंडी में एक जन सभा को भी संबोधित करेगी। पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया ने बताया कि वसुंधरा राजे सोमवार को 11 बजे हेलीकॉप्टर से नोहर पहुंचेगी।

रलावता समर्थकों ने कांग्रेस हाईकमान में निष्ठा जताई

अजमेर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य अजमेर शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष महेन्द्र सिंह रलावता के जयपुर रोड स्थित कार्यालय पर शनिवार को हुई उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व में पूर्ण निष्ठा व्यक्त की गई और यह संकल्प लिया गया कि कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेसजन पार्टी हित में काम करते हुए प्रत्याशी को विधानसभा चुनाव में विजयी बनायेंगे।

- अजमेर उत्तर विस. क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक हुई

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता किसी भी सूरत में अलगावादी एवं कट्टरवादी ताकतों को कुचल देंगे और धर्मनिर्पेक्षता को मजबूती देते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनायेंगे। जिससे लोकतांत्रिक और जनहितकारी नीतियों वाली कांग्रेस सरकार राजस्थान में बन सके। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी साम्प्रदायिकता और जातिवाद को बढ़ावा देकर चुनाव जीतने की फिराक में है। जिसे हम सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस हाईकमान ने भाजपा मानसिकता की साध्वी अनादि सरस्वती को अजमेर उत्तर से प्रत्याशी बनाया तो हम आपकी बात भी नहीं मानेंगे।

इस अवसर पर महेन्द्र सिंह रलावता ने अपने समर्थकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम एकजुट होकर सोनिया, खड़गे, राहुल, प्रियंका में विश्वास व्यक्त करते हुए लोकतंत्र की मजबूती के लिए कांग्रेस का साथ देना हैं और पार्टी प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए पूरी मजबूती से क्षेत्र में कार्य करना है। उन्होंने आव्हान किया कि मतदाताओं के बीच कार्यकर्ता सक्रिय होकर कांग्रेस की लोकहितकारी नीतियों का व्यापक प्रचार करें और भाजपा के कुशासन की जानकारी देवें।

बैठक को सम्बोधित करने वालो में राजस्थान ब्रह्माण महासभा के बलराम शर्मा, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग पूर्व जिलाध्यक्ष अब्दुल रशीद, शहर जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव रवि शर्मा, गोविन्द जादम, पार्षद गजेन्द्र सिंह रलावता, विजय लक्ष्मी पारीक, बाबू सिंह करसा, पूर्व पार्षद मो. शाकीर, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के उपाध्यक्ष नारायण सिंह राठौड, ललित गुर्जर, रामसिंह सेन, रामा रावत, सम्पत कोठारी, रूपचन्द महावर, पूर्व पार्षद धीरज यादव, जहीर अब्बास, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अनुराग रायपुरिया आदि शामिल थे।

कारतूस सहित दो हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। अम्बामाता थाना पुलिस ने दो हिस्ट्रीशिटर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध पिस्टल मय जिंदा कारतूस जब्त किया।जिला पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक चांदमल सिगारिया के सुपरविजन में डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित दल ने तलाशी अभियान के दौरान मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर मो. ईसमाईल उर्फ मन्नु उर्फ बडा मेवाती पुत्र मो. जमील निवासी धोलीमगरी मल्लातलाई अम्बामाता व मोईन खान उर्फ मच्छी पुत्र ईदरीस खान निवासी जरीना नगर खांजीपीर सूरजपोल को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से अवैध पिस्टल मय एक जिंदा कारतूस बरामद कर प्रकरण दर्ज किया। पूछताछ में आरोपी ने उक्त पिस्टल मो. सज्जाद सराड़ी व उनके भाईयों से आपसी रंजिश के चलते लेकर आने की जानकारी दी। दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, लूट, धमकी मारपीट, आर्म्स एक्ट सरकारी कर्मचारियों पर हमले के प्रकरण दर्ज है।

- आरोपी ने पिस्टल आपसी रंजिश के चलते लेकर आने की जानकारी दी

कैलाश मेघवाल ने नामांकन भरा

चिड़ावा, (निसं)। भाजपा से टिकट के दावेदार पूर्व मंत्री काका सुंदरलाल के बेटे कैलाश ने टिकट ना मिलने से नाराजगी खुलकर जताते हुए निर्दलीय ताल ठोक दी।

पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल ने कार्यकर्ताओं की रैली परमहंस बावलिया बाबा समाधि स्थल पर आयोजित की। पूर्व केबिनेट मंत्री काका सुन्दर लाल की मौजूदगी में विशाल जन सम्मेलन के बाद कैलाश ने जुलूस के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल कर दिया। उन्होंने कहा कि जनता का आदेश चुनाव में उतरने का हुआ है, पिलानी विधानसभा की जनता की भावनाओ के लिए वे चुनावी मैदान में आए हैं।

झुंझुनू में आयकर कार्यालय में अचानक आग लगी

झुंझुनू, (निसं)। आयकर विभाग में सुबह अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में डिपार्टमेंट के फेसिलेशन सेंटर में रखे कम्प्यूटर समेत अन्य सामान जल गए। घटना सुबह करीब आठ बजे की है। डिपार्टमेंट के फेसिलेशन सेंटर पर धुंआ उठता देख आवासीय परिसर में रह रहे कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को सूचना दी। सूचना के बाद एएसपी गिरधारीलाल शर्मा भी जाब्ता के साथ मौके पर पहुंचे। एएसपी गिरधारी लाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग पर काबू पाया गया है। सीकर से एसएफएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और मौके से आग लगने के कारणों को लेकर साक्ष्य जुटाएगी। आग लगने वाले हिस्से में सभी की एंट्री बंद कर दी गई है।

झुंझुनू आयकर विभाग में सुबह अचानक आग लग गई।

हेरोइन सप्लायर की पड़ताल में जुटी पुलिस

1.40 करोड़ की चिट्टा (हेरोइन) बरामदगी का मामला

हनुमानगढ़, (निसं)। शहर की बरकत कॉलोनी में रहने वाला तस्करी का आरोपी एक करोड़ 40 लाख की चिट्टा (हेरोइन) कहां से लाया। कहां इतनी मात्रा में लाए गए नशे को वह विक्रय करना चाहता था। इन सवालों के जवाब ढूंढने में हनुमानगढ़ टाउन थाना पुलिस जुटी हुई है।

नशे पर अंकुश लगाने को लेकर पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन फ्लश आउट के तहत टाउन पुलिस ने चिट्टा तस्करी में प्रकाश भाट (32) पुत्र बनवारीलाल भाट निवासी वार्ड 46, बरकत कॉलोनी, टाउन को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 700 ग्राम चिट्टा जब्त किया गया। निर्वाचन विभाग ने अपने मापदंडों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त चिट्टे की कीमत एक करोड़ चालीस लाख रुपए बताई है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड मंजूर कराया। आरोपी से चिट्टे की खरीद-फरोख्त, सप्लायर आदि के संबंध में पूछताछ करने में पुलिस जुटी हुई है।

- पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड मंजूर कराया

टाउन थाना प्रभारी वेदपाल श्योराण ने बताया कि एसपी डॉ. राजीव पचार के निर्देशन में थाने की कई टीम नशीले पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने को लेकर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में एसआई कल्पना के नेतृत्व में पुलिस दल शुक्रवार को टाउन रेलवे स्टेशन के आसपास औचक जांच पड़ताल कर रहा था। इस दौरान प्रकाश भाट को 700 ग्राम चिट्टा जब्त किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। नशीले पदार्थ की खरीद व सप्लाई के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आरोपी प्रकाश भाट के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। कार्रवाई में हैड कांस्टेबल पुरूषोतम पचार, कांस्टेबल सुरेन्द्र खीचड़ व राकेश रमाणा की विशेष भूमिका रही।

टाउन थाना प्रभारी वेदपाल श्योराण ने बताया कि निर्वाचन विभाग की ओर से जारी की गई नशीले पदार्थों आदि की कीमत संबंधी सूची पुलिस मुख्यालय से मिली हुई है। उसके अनुसार जब्त की गई 700 ग्राम हेरोइन जिसे स्थानीय भाषा में चिट्टा भी कहते हैं, उसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ चालीस लाख रुपए होती है।

जानकारों की माने तो जिले में आमतौर पर पुलिस जिन नशेडियों को चिट्टे की तस्करी में पकड़ती है, वे एक ग्राम चिट्टे की पुडिया ढाई से तीन हजार रुपए तक में विक्रय की बात स्वीकारते हैं। इस हिसाब से तो जब्त चिट्टे की कीमत बीस लाख से अधिक ही होती है। मगर नशेड़ी किस्म के पेडलर जो चिट्टा विक्रय करते हैं, उसमें कई अन्य तरह के सिंथेटिक पदार्थ भी मिलाते हैं ताकि मात्रा बढ़ जाए। हालांकि बेस नशीला पदार्थ हेरोइन ही होता है। हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत दो-ढाई करोड़ रुपए किलोग्राम से अधिक बताई जाती है। निर्वाचन विभाग ने उसी हिसाब से कीमत की सूची जारी कर रखी है।

मालपुरा सीट से तीस साल से हार रही कांग्रेस इस बार भी गुटबाजी से सहमी

आलाकमान अधिकृत प्रत्याशी की घोषणा से कतरा रहा है, गोपाल गुर्जर, घासीलाल चौधरी सहित अवधेश शर्मा स्थानीय प्रबल दावेदार

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की घोषणा करने के बावजूद कांग्रेस द्वारा नामांकन की अन्तिम तिथि के दो दिन पूर्व तक भी पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं करने से संगठन में अंदर ही अंदर सुलग रही बगावत व गुटबाजी की चिंगारी अब खुलकर सामने आने लगी है।

टिकट के दावेदार बिना प्रत्याशी की घोषणा के ही चुनावी मैदान में ताल ठोक जनसभाएं कर समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने लगे हैं। जाट, गुर्जर व माली, ब्राह्मण बाहुल्य कांग्रेस की परम्परागत मालपुरा सीट पर बीते तीस साल से कांग्रेस प्रत्याशी को मिल रही करारी हार को जीत में बदलने के लिए कांग्रेस आलाकमान आज भी जिताऊ प्रत्याशी की तलाश व सामने आये नामों में से किसी एक पर सहमति बनाने में नाकाम साबित हो रही है। अधिकृत प्रत्याशी की घोषणा में हो रही देरी से पार्टी मे अब अंदरूनी गुटबाजी व बगावत की चिंगारी विकराल होकर इस बार भी कांग्रेस प्रत्याशी की करारी हार के संकेत दे रही है। विधानसभा चुनाव मे नामांकन दाखिल करने की अन्तिम तिथि 6 नवम्बर होने के बावजूद कांग्रेस को प्रत्याशी चयन में जोर लगाना पड़ रहा है। पार्टी व संगठन मे हो रहे इस डैमेज कंट्रोल को रोक पाना अधिकृत प्रत्याशी के लिए गले की फांस व बड़ी चुनौती होगा।

- मुख्यमंत्री गहलोत अपने चहेते व बैहद करीबी बीसुका उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान को ही मालपुरा से प्रत्याशी घोषित करवाने की जिद्द पर अड़े हुए हैं
- गहलोत की जिद्द के बाद गोपाल गुर्जर ने विशाल जनसभा कर सर्व समाज के समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल कर चुनाव लड़ने की ताल ठोक दी
- वहीं स्थानीय दावेदार घासीलाल चौधरी ने छह नवम्बर को विशाल जनसभा कर नामांकन दाखिल करने का ऐलान कर दिया
- जाट, गुर्जर व माली, ब्राह्मण बाहुल्य कांग्रेस की परम्परागत सीट है मालपुरा सीट

मालपुरा सीट पर इस बार उठी स्थानीय की मांग आलाकमान द्वारा हर बार थोपे जाने वाले पैराशुट प्रत्याशियों की रणनीति पर भारी पड़ रही है। तीस साल से निष्क्रिय कांग्रेस को क्षैत्र में जीत करने के लिए लम्बे समय से संघर्ष कर रहे अवधेश शर्मा, गोपाल गुर्जर, घासीलाल चौधरी ने इस बार बाहरी व पैराशुट के साथ-साथ अन्य किसी दल से गठबंधन का खुलकर विरोध करते हुए आलाकमान के सामने मजबूती से अपनी दावेदारी जता स्थानीय को प्रत्याशी बनाने का दबाव बनाते हुए तीस साल की हार को जीत में बदलने का दावा कर पार्टी के करवाये तीन सर्वे में भी स्थानीय की आवाज को प्रमुखता से रखा है। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने चहेते व बैहद करीबी बीसुका उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान को ही मालपुरा से प्रत्याशी घोषित करवाने की जिद्द पर अडे हुए है। गहलोत की इस जिद्द के बाद गोपाल गुर्जर ने मालपुरा में विशाल जनसभा कर सर्व समाज के समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल कर चुनाव लड़ने की ताल ठोक दी तो स्थानीय दावेदार घासीलाल चौधरी ने छह नवम्बर को विशाल जनसभा कर नामांकन दाखिल करने का ऐलान कर दिया। एक के बाद एक दावेदारों के नामांकन दाखिल करने से कांग्रेस में बगावत की चिंगारी उग्र रूप लेती जा रही है तो भाजपा खेमे मे किसी प्रकार का कोई विरोध तथा बागी नामांकन दाखिल नहीं होना भाजपा की जीत की हैट्रिक लगने की प्रबल सम्भावना का संकेत दे रहा है। तो विधानसभा क्षैत्र के मतदाताओं मे इस बार बाहरी व पैराशुट प्रत्याशी के विरोध में मतदान कर तीस साल की हार के आंकड़े को पांच साल और आगे बढ़ाने का पूरा मानस बना लिया है।

परसादी लाल मीणा ने रैली निकाल शुभ मुहूर्त में पर्चा दाखिल किया

लालसोट, (निसं)। कांग्रेस प्रत्याशी परसादी लाल मीणा द्वारा शनिवार को एसडीएम कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष अभिजीत मुहूर्त में चुनावी नामांकन पर्चा दाखिल किया।

इससे पहले कांग्रेस प्रत्याशी मीणा द्वारा कोथून रोड पर खुद के निवास के सामने कांग्रेस के चुनावी प्रधान कार्यालय में विधिवत पूजा अर्चना कर

- प्रत्याशी के समर्थन में सड़क पर उमड़ा जन सैलाब, जनसभा का भी किया आयोजन

लालसोट रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में कांग्रेस प्रत्याशी परसादी लाल मीणा ने नामांकन भरा।

कार्यालय का शुभारंभ किया। इसके बाद कांग्रेस प्रत्याशी खुद के समर्थकों के साथ सड़क पर पैदल ही नामांकन के लिए रैली के रूप में निकल पड़े। कांग्रेस प्रत्याशी का एसडीएम कार्यालय से लेकर प्रधान चुनावी कार्यालय के बीच निकल गई नामांकन रैली में कई जगहों पर भव्य स्वागत जेसीबी के ऊपर चढ़फूल बरसा कर किया गया। विभिन्न जगहों पर कांग्रेस प्रत्याशी का आम लोगों द्वारा भी माला पहनना कर अभिवादन किया गया।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी मीणा द्वारा रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष दोपहर 12 बजकर 17 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त में दो प्रतियों में नामांकन सोपा गया। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के प्रस्तावक के रूप में पीसीसी के पूर्व सदस्य रामविलास खेमावास पूर्व सरपंच ईश्वर मीणा प्रधान नाथूलाल मीणा यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक पटेल पीसीसी सदस्य कमल मीणा आदि मौजूद रहे। इसके बाद कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा एसडीम कोर्ट के पास चुनावी नामांकन सभा को भी संबोधित किया गया। नामांकन सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी परसादी लाल मीणा ने कहा कि मुझे आज बहुत खुश है क्योंकि उनकी पांच साल की जो कमाई थी वह एक बड़े जन समूह के सामने उनके समक्ष मौजूद है। कांग्रेस प्रत्याशी मीणा ने कहा कि उनके साढे 27 साल के राजनीतिक कार्यकाल में बहुत उतार चढ़ाव देखे है। जिस समय गांव में सड़कें नहीं हुआ करती थी आज हर गांव में सड़के हैं शिक्षा चिकित्सा पेयजल सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं को उनके विधायक बनने के बाद आज तक विकसित करने पर कार्य किया गया है। प्रत्याशी मीणा ने कहा कि आज लालसोट विधानसभा क्षेत्र में बालिका शिक्षा के लिए कई कॉलेज एवं जिला अस्पताल उप जिला अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कई चीजें विकास के तौर पर सबके सामने है। प्रत्याशी मैदान में भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ने लालसोट विधानसभा क्षेत्र के लिए कोई खास विकास का कार्य नहीं कराया केवल जगह बदलकर चुनाव लड़ने का कार्य किया एवं हारने के बाद क्षेत्र को छोड़ने का काम किया। कांग्रेस प्रत्याशी मीणा ने कहा कि भाजपा द्वारा हमेशा पचवारा क्षेत्र का विकास में बाधा उत्पन्न की जाती रही जिसका उदाहरण भाजपा ने कभी पचवारा क्षेत्र को पंचायत समिति नहीं बनने दिया। लेकिन कांग्रेस सरकार ने पचवारा क्षेत्र को पंचायत समिति उपखंड मुख्यालय महिला कॉलेज नगर पालिका पुलिस थाने समेत विभिन्न बड़ी विकास की सौगातें दी है।

इस नामांकन सभा को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य दिनेश मिश्रा पूर्व पीसीसी सदस्य रामविलास खेमावास प्रधान नाथूलाल मीणा पालिका अध्यक्ष रक्षा मिश्रा आदि द्वारा भी संबोधित किया गया।

भाजपा प्रत्याशी ने रैली निकाल कर नामांकन दाखिल किया

राजगढ़, (निसं)। भाजपा प्रत्याशी बन्नाराम मीणा ने उत्साह एवं उल्लास के साथ हजारों समर्थक महिला पुरुषों की मौजूदगी में नामांकन रैली निकालकर नामांकन पत्र प्रस्तुत किया।

इससे पूर्व बीजेपी राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने गणेश मंदिर में आशीर्वाद प्रदान कर भाजपा की जीत का संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि, राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र से इस बार कार्यकर्ताओं के बलबूते भाजपा प्रत्याशी की विजय सुनिश्चित है। इसके बाद वो राजगढ़ से महुआ को प्रस्थान कर गए। इस दौरान कस्बे के गणेश पोल स्थित गणेश मंदिर से उपखंड कार्यालय तक अनेक स्थानों पर माल्यार्पण एवं साफा बांध कर समर्थकों ने अभिनंदन किया। हजारों महिला पुरुषों की मौजूदगी में निकली नामांकन रैली में महिला पुरुषों ने जमकर नृत्य कर खुशी का इजहार किया। मंदिर निर्माण एवं भारत माता की जय, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारों से समूचा माहौल गूंज उठा। हजारों समर्थकों ने हाथ उठाकर मीणा की विजय का संकल्प जताया। भाजपा प्रत्याशी ने रिटर्निंग अधिकारी ओम प्रकाश मीणा के समक्ष जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रेमनाथ,धामाणी, प्रदीप शर्मा की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने कहा कि राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में इस बार विजय श्री अवश्य मिलेगी। उन्होंने सभी नाराज भाजपाइयों को मान मनुहार कर मनाने का विश्वास व्यक्त किया।

भाजपा प्रत्याशी का जगह-जगह स्वागत, नामांकन दाखिल किया

आशीर्वाद सभा में किशनगढ़ बास पहुंचे लोगों का भाजपा प्रत्याशी रामहेत यादव ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

किशनगढ़ बास, (निसं)। भाजपा प्रत्याशी रामहेत यादव की नामांकन व आशीर्वाद सभा में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व तिजारा विधानसभा प्रत्याशी महंत योगी बालक नाथ, ज्ञानदेव आहूजा, संजय शर्मा, हेमसिंह भड़ाना, कोसली हरियाणा विधायक लक्ष्मण सिंह सहित नेताओं ने भाजपा के समर्थन में रामहेत यादव को आशीर्वाद देने पहुंचे अपार जन समूह को संबोधित करते हुए कांग्रेस के कुशासन और कांग्रेस प्रत्याशी पर जमकर हमला बोला और आने वाली 25 तारीख को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए अत्याचारी कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का आव्हान किया।

आशीर्वाद सभा स्थल से भाजपा प्रत्याशी रामहेत यादव खुली जीप में सवार होकर भारी जन समूह के साथ खैरथल रोड मुख्य बाजार बस स्टैंड तोप सर्किल से होते हुए चुनाव रिटर्निंग अधिकारी उपखंड कार्यालय पहुंचे और नामांकन पर्चा दाखिल किया। भाजपा प्रत्याशी की यात्रा का शहर में पूरे रास्ते जगह-जगह पुष्प वर्षा व आतिशबाजी कर लोगों ने उत्साह के साथ स्वागत किया।

आशीर्वाद सभा में महंत योगी बालक नाथ ने कहा भाजपा देश में एक ऐसी पार्टी है जो सबको साथ लेकर सबका विकास करने की सोच को लेकर देश में आगे बढ़ रही है। उन्होंने ने कहा धर्म संस्कृति और राष्ट्र से बड़ा हमारे लिए कुछ नहीं है। देश को आजादी दिलाने के लिए महान पुरुषों ने त्याग और बलिदान दिया है। योगी ने कहा मेरे मन में किसी के लिए कोई पाप नहीं है सेवा ही मेरा धर्म है।

भाजपा प्रत्याशी रामहेत यादव ने आशीर्वाद देने के लिए गांव ढाणी से पहुंचे अपार जन समूह को संबोधित करते हुए कहा सेवक हूं और सेवक रहकर सेवा मे कोई कसर नहीं छोड़ूंगा यह विश्वास दिलाता हूं आप सबका आशीर्वाद और स्नेह मुझ पर बना रहे और मिलकर एक ऐतिहासिक जीत क्षेत्र के विकास के लिए दर्ज करें। इस मौके पर किशनगढ़ बास नगर पालिका अध्यक्ष तारामणि सतीश सिंघल खैरथल नगर पालिका सभापति हरीश रोघा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक डाटा भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश कांत वशिष्ठ रामनिवास यादव बलविंदर सिंह प्रमिल जसोरिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जूली का जनसम्पर्क जारी

अलवर, (निसं)। कांग्रेस प्रत्याशी एवं केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली का अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में धुंआधार जनसम्पर्क जारी है।

जूली ने जनसम्पर्क की शुरूआत भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेहडकर की प्रतिमा माल्यार्पण कर किया। उनके समर्थकों द्वारा बाइक, ट्रैक्टर, खुली जीप एवं घोडे पर बैठाकर स्वागत किया जा रहा है। आज ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव

- जूली की धर्मपत्नी ने भी महिलाओं के साथ जनसंपर्क किया

कांग्रेस प्रत्याशी टीकाराम जूली का गांवों में बाइक, ट्रैक्टर, खुली जीप एवं घोडे पर बैठाकर स्वागत किया।

कैमाला, घेघोली, देसूला, सक्का कॉलोनी, नाहरपुर, सालपुर, नंगला चारण, नंगला जोगी, गुजुकी एवं गुंदपुर में कांग्रेस प्रत्याशी जूली ने कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जनसमर्थन जुटाया। जूली का काफिला जिस भी गांव में जा रहा है उनका गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया जा रहा है। उनके सघन जनसम्पर्क से अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा कर पार्टी को मत देकर जिताने का आश्वासन और विश्वास मिल रहा है। प्रत्याशी जूली ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उनकी भावना के अनुरूप जनहितैषी विकास कार्य जो क्षेत्र में कराए गए हैं उसका परिणाम आपकी इतनी बड़ी संख्या में एकजुटता से स्पष्ट दिख रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जरूरतमंद एवं गरीबों के जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इधर कांग्रेस प्रत्याशी टीकाराम जूली की धर्मपत्नी गीता जूली ने भी महिलाओं के साथ विभिन्न गांव में डोर टू डोर जनसंपर्क किया।

कांग्रेस व भाजपा प्रत्याशियों ने नामांकन भरा

टोंक, (निसं)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए निवाई-पीपलू विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के रामसहाय वर्मा ने जिला चुनाव प्रभारी रमेश बिधूड़ी, टोंक जिला अध्यक्ष राजेंद्र पराना, भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष नरेन्द्र जयसिंहपुरा, मालपुरा विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व मुख्य सचेतक दिग्गज महावीर जैन, जिला प्रमुख सरोज बंसल आदि भाजपा कार्यकर्ता के साथ खंडेलवाल धर्मशाला निवाई में जनसभा रख कर जुलूस के साथ नामांकन दाखिल किया।

इसी क्रम में कांग्रेस के प्रशांत बैरवा ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, हंसराज गाता, पीपलू ब्लॉक अध्यक्ष हंसराज मीणा आदि कार्यकर्ताओं के साथ गंगा जमुना गार्डन निवाई से जुलूस निकाल कर नामांकन दाखिल किया। रिटर्निंग अधिकारी रविकांत सिंह ने बताया कि शनिवार को भाजपा प्रत्याशी रामसहाय वर्मा व कांग्रेस प्रत्याशी प्रशांत बैरवा ने नामांकन दाखिल किया है।

भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने नामांकन दाखिल किया

चौमूं / कालाडेरा, (निसं)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने शनिवार को गढ़ गणेश मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर हज़ारों की संख्या में उमड़े जनसैलाब के साथ उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर नामांकन दाख़िल किया।

विधानसभा क्षेत्र से नामांकन सभा में हजारों की संख्या में जन सैलाब उमड़ा। नामांकन दाख़िल करने से पूर्व गढ़ गणेश मंदिर बस स्टैंड पर सभा का आयोजन किया तथा ढोल नगाड़ों एवं भारत माता की जय, वंदे मातरम, रामलाल शर्मा ज़िंदाबाद के नारे लगाते हुए लोगों का जनसमूह उपखण्ड कार्यालय पहुंचा। इस दौरान जगह जगह जेसीबी व क्रेन लगाकर कार्यकर्ताओं पर पुष्प वर्षा की गई तथा रामलाल शर्मा को 101 मीटर का साफ़ा और 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। नामांकन सभा में पधारे विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पुनिया ने कहा चौमूं विधान सभा से हज़ारों की तादाद में पधारे देवतुल्य जनता को देखकर लग रहा है कि चौमूं वासियों ने रामलाल शर्मा को चौथी बार विधानसभा में भेजने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा 25 नवंबर को भाजपा को मतदान देकर ईवीएम मशीन को गर्म कर देना है और 50 हजार से अधिक मतो से विजय बनाना है। प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने चौमूं विधानसभा से पधारे कार्यकर्ताओं और देवतुल्य जनता जनार्दन का धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी के स्नेह, प्यार एवं आशीर्वाद की वजह से भारतीय जनता पार्टी ने मुझे फिर से प्रत्याशी बनाकर आपके बीच में भेजा है। मैंने हमेशा चौमूं के विकास के बारे में सोचा है और आगे भी चौमूं के विकास के लिए प्रयासरत रहूंगा। उन्होंने सर्वप्रथम वीर हनुमान जी के बंद पड़े रोप वे को पुनः चालू करवाने, चौमूं वासियों के लिए पेयजल व्यवस्था, सीवरेज लाइन का कार्य सहित क्षेत्र की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करवाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार हनुमान जी की गदा कर्जमाफ़ी का झूठा वादा करने वालों, 26 लाख युवाओं के साथ पेपरलीक कर अन्याय करने वालों, बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों और भ्रष्टाचारियों पर पड़ने वाली है।

नामांकन सभा में प्रत्याशी रामलाल शर्मा का 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया।

- कार्यक्रम में उपनेता प्रतिपक्ष डॉ.सतीश पूनिया, सांसद सुमेधानन्द सरस्वती ने शिरकत की

विराटनगर विधानसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा सीट से कांग्रेस ने निवर्तमान विधायक इंद्राज गुर्जर को टिकट दिया है। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने कुलदीप धनकड़ को टिकट दिया है और कांग्रेस से पूर्व विधायक रहे रामचंद्र सराधना ने आजाद समाज पार्टी से चुनाव लड़ने का ऐलान करने के बाद इस सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

कांग्रेस यहां राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं और क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों को लेकर चुनाव मैदान में है। निवर्तमान विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि टिकट मांगने का सबको अधिकार है और सब को चुनाव लड़ना चाहिए। लेकिन विकास कार्यों को देखते हुए कांग्रेस का साथ देना चाहिए। बीते 5 सालों में उनके कार्यकाल में विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में जितना विकास हुआ उतना शायद ही कभी हुआ होगा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र विकास के पथ पर अग्रसर है। जहां ग्राम पंचायत हुआ करती थी अब वह पालिका, उपखंड कार्यालय, तहसील, कॉलेज, छात्रावास सहित अन्य संसाधनों का विकास हुआ है।

वहीं भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी कुलदीप धनकड़ क्षेत्र में बढ़ते अत्याचार, लूटपाट, फायरिंग जैसी घटनाओं सहित कई मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में उतरे हैं। वहीं भाजपा प्रत्यासी कुलदीप धनकड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने लाख युवाओं के सपनों पर पानी फेरा है। यह सरकार आज पूरे देश में रेप और महिला अत्याचार, दलित अत्याचार, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, कर्ज माफी किसानों को धोख़ा देने, बेरोजगारी, महंगाई, हिंदुओं और संतों पर अत्याचार, झूठे वादों में नंबर वन है। उन्होंने कभी भी पीड़ितों का कोई सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि 36 कौम की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

वहीं कांग्रेस से टिकट कटने से नाराज रामचंद्र सराधना ने शनिवार को एएसपी से नामांकन अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। रामचंद्र सराधना ने कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने पर पार्टी से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। इसके बाद एएसपी ने रामचंद्र सराधना को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया और शनिवार को पूरे दमखम के साथ उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन रैली में बड़ी संख्या में समर्थकों की भीड़ के साथ बाजारों से होते हुए विराटनगर उपखंड कार्यालय तक पहुंचे। रामचंद्र सराधना ने कहा कि वह स्थानीय और बाहरी के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा संवाद सभा का आयोजन

चाकसू, (निसं)। शनिवार को चाकसू विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामावतार बैरवा ने कस्बे के चम्पेश्वर महादेव मंदिर एवं नीलकंठ हनुमान मंदिर पर विधिवत पूजा अर्चना करके हजारों की संख्या में उमड़े समर्थकों के साथ कोटखावदा रोड स्थित बैरवा छात्रावास तक रैली निकाली।

- भाजपा प्रत्याशी राम अवतार बैरवा ने भरा नामांकन

जेबीसी मशीन पर बैठकर समर्थकों ने जगह-जगह स्वागत द्वार पर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। इस दौरान कुछ समय रैली रोककर उपखंड कार्यालय में नामांकन भरा। रैली के बैरवा छात्रावास में पहुंचने के बाद बीजेपी जन संवाद सभा में बदल गई।

सभा में मुख्य वक्ता उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आप सब लोगों की मांग पर राम अवतार बैरवा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है आज आपसे मेरी मांग है पिछली बार 3400 वोटों से हारे थे अबकी बार 34000 से ज्यादा वोटों से जितना, आपको पसीना बहाना पड़ेगा हमारा प्रत्याशी पूंजीपति नहीं है भ्रष्ट नहीं है गरीब है और उसको आशीर्वाद आप सभी को देना है।

गहलोत सरकार पर तंज करते हुए कहा कि इस सरकार में हर विधायक अपने आप में मुख्यमंत्री बनके घूम रहा था। जनता भ्रष्ट सरकार से त्रस्त हो चुकी है इस सरकार को राजस्थान की जनता की सुध लेने का समय ही नहीं था यहां के मुख्यमंत्री सिर्फ अपनी सरकार बचाने में पूरे 5 साल निकाल दिए।

सैंकड़ों वाहनों के साथ नामांकन रैली निकाली

फुलेरा/सांभरझील, (निसं)। फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के निवर्तमान विधायक निर्मल कुमावत ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शनिवार को उपखण्ड कार्यालय पर भाजपा प्रत्याशी के रूप में चौथी बार अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जबकि इससे पूर्व रीको क्षेत्र स्थित भाजपा कार्यालय पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व राजस्थान के भाजपा प्रभारी अरूण सिंह के मुख्य आतिथ्य में एक सभा आयोजित की गई।

जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ चम्पा लाल गेदर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ ओमप्रकाश भडाणा, पूर्व मंत्री जम्मू-कश्मीर दलजीत सिंह, पूर्व विधायक नवरतन राजौरिया, पूर्व विश्व हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष शिवजी राम कुमावत, भैरू लाल प्रजापति, जनसंघ के संस्थापक सदस्य कैलाश नारायण साहू, पन्ना लाल, भीवाराम कुमावत, जिला परिषद सदस्य शारदा देवी सहित फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के सभी मण्डल अध्यक्ष, महिला मोर्चा पदाधिकारी व अन्य लोग रहे। इस दौरान आगन्तुक अतिथियों ने सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के हितों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं सहित आमजन से पार्टी पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए स्थानीय विधायक को पुनः विधायक की सीट पर निर्वाचित करने की अपील की गई। इसी क्रम में वर्तमान राजस्थान की कांग्रेस सरकार को जमकर कोसते हुए जनविरोधी बताया, साथ ही पेपर लीक के प्रकरणों से नवयुवकों के भविष्य के खिलवाड़ बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन फुलेरा भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष सुरेश कुमार सैनी के द्वारा किया गया। इसके बाद सैकडों चौपहिया व दुपहिया वाहनो के साथ विशाल नामांकन रैली निकाली गई। गौरतलब है कि वर्तमान विधायक निर्मल कुमावत फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार से विधायक है तथा चौथी बार भी भाजपा ने इन्ही पर दांव लगाया है। 2008 में निर्मल कुमावत ने कांग्रेसी के दिग्गज नेता डॉ. हरिसिंह को, 2013 में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. बजरंग ककरालिया तथा 2018 में कांग्रेस प्रत्याशी विद्याधर सिंह चौधरी को शिकस्त देकर भाजपा का परचम लगातार फहराया था। इसके चलते इस बार भी वर्तमान विधायक एंव उनके समर्थकों को पूरी उम्मीद है कि जीत का चौका लगाते हुए भाजपा का परचम लहरायेंगे।

नामांकन से पूर्व आयोजित सभा में भाजपा प्रत्यासी निर्मल कुमावत का समर्थकों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

शांति, सद्भावना व निरन्तर विकास ही एकमात्र लक्ष्य : राजेन्द्र सिंह यादव

कोटपूतली, (निसं)। कांग्रेस पार्टी द्वारा कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र से लगातार चौथी बार प्रत्याशी बनाये गये, दो बार के निरन्तर विधायक एवं निवर्तमान गहलोत के उच्च शिक्षा व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने शनिवार को जीत की हैट्रिक के लक्ष्य के साथ उप निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया।

इस मौके पर कस्बे के डाबला रोड़ स्थित एक निजी गार्डन से उपखण्ड मुख्यालय तक विशाल व ऐतिहासिक नामांकन रैली का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, समर्थकों, जनप्रतिनिधियों व क्षेत्रवासियों की भीड़ उमड़ी। कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी भी की, वहीं पुष्प वर्षा से माहौल भी शानदार दिखाई दिया। इससे पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह यादव ने दिन की शुरूआत ग्राम खेडकी वीरभान स्थित बौहरा स्व. सेठ रामजीलाल यादव स्मृति भवन में अपने माता-पिता की मूर्तियों को नमन व भगवान के आशीर्वाद के साथ की। यादव शनिवार का दिन होने के कारण कस्बे के शनि मंदिर पर भी आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे। जिसके बाद नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर डाबला रोड़ स्थित निजी गार्डन में विशाल जनसभा का आयोजन हुआ। जिसे सम्बोधित करते हुए यादव ने कहा कि जनता का आशीर्वाद मिला तो इस बार जीत की हैट्रिक भारी मतों से लगेगी। यादव ने कहा कि उन्होंने कोटपूतली में शांति, सद्भावना व निरन्तर विकास के मंत्र के साथ ही कार्य किया है। पिछले पांच वर्षों में कोटपूतली में लगभग तीन हजार करोड़ रूपयों के विकास कार्य हुये। विशेष तौर पर आजादी के बाद से चली आ रही जिला बनाये जाने की मांग पूरी हुई।

इस दौरान आयोजित विशाल जनसभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, आसपास के गांवों से आये क्षेत्रवासियों व समर्थकों का भारी हुजुम उमड़ पड़ा। यादव ने नामांकन रैली में कार्यकर्ताओं के अपार जोश, उत्साह व उल्लास के साथ उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर अपनी धर्मपत्नी कमलेश यादव व विधिक सलाहकारों के साथ उप निर्वाचन अधिकारी एसडीएम मुकुट सिंह व सहायक निर्वाचन अधिकारी तहसीलदार सौरभ सिंह गुर्जर के समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद यादव ने कहा कि कोटपूतली अब विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहेगा। जिला बन गया है, आने वाले समय में अच्छे औधोगिक क्षेत्र विकसित हो, आईटी व मोबाईल इण्डस्ट्री का हब बने, साथ ही बुचारा व बनाड़ी बांध में नहर का पानी आये। जिससे पेयजल व सिंचाई के पानी की किल्लत दूर हो, सरकार बनी तो इसी लक्ष्य के साथ कार्य करेगें। यादव ने मतदाताओं से उचित निर्णय लेने की बात भी कही। सभा का संचालन युवा नेता विराट यादव ने किया। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत, सभापति प्रतिनिधि एड. दुर्गाप्रसाद सैनी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी व गोकुल चंद आर्य, पूर्व अध्यक्ष छीत्तरमल सैनी व जितेन्द्र यादव, मीणा समाज के तहसील अध्यक्ष इंजी. दिनेश मीणा, नित्येन्द्र मानव, जगदीश मीणा, पूर्व जिला कलेक्टर जी.डी. आर्य, किसान नेता कैलाश चौधरी, पूर्व सरपंच नीलम सिंह, एड. हेमन्त सिंह शेखावत, विनोद योगी, जगदीश डीलर, धानका समाज अध्यक्ष कैलाश धानका, सरपंच सचिन यादव, शिक्षाविद् प्रहलाद स्वामी, यादव समाज के अध्यक्ष रामौतार यादव, गिरधारी गुरूजी, एड. रामचन्द्र यादव, एड. रामजीलाल यादव, सुरेश सरपंच, सतीश छावड़ी, पवन छावड़ी समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, समर्थक व आमजन मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह यादव नामांकन दाखिल करने समर्थकों के सैलाब के साथ निकले।

- कोटपूतली से कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह यादव ने नामांकन दाखिल किया

फखर जमान को प्लेइंग इलेवन की बजाय बेंच पर रखा जा रहा था, पता नहीं इसके पीछे किसका दिमाग काम कर रहा था, यह तो भगवान जानें। - **वीरेन्द्र सहवाग**

पूर्व भारतीय ओपनर, ट्वीट कर फखर जमान की पारी पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

फखर जमान

फखर जमान ने अपनी ताबड़तोड़ पारी से पाकिस्तान को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में 21 रनों से डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत दिलाई। फखर के इन छक्कों ने विरोधी टीम के कप्तान केन विलियमसन को अपना दीवाना बना ही लिया। मैच के बाद केन विलियमसन ने फखर जमान की शानदार बैटिंग की तारीफ करते हुए कहा कि उसके लिए मैदान कम पड़ रहा था। पाक ओपनर की पारी ने विलियमसन को अपना मुरीद बना लिया। कीवी कप्तान ने कहा, मौसम ने अपना किरदार निभाया, लेकिन पाकिस्तान से दूर नहीं कर सका।

क्या आप जानते हैं ?... बेसबॉल में औसतन 108 टांके होते है क्रिकेट बाल में 65 से 70 के बीच तथा फुटबॉल में 642 से अधिक टांके लगाये जाते है।

वर्षा और फखर ने पाक की उम्मीद को जिंदा रखा

फखर जमान (126 नाबाद) के तूफानी शतक और वर्षा की बदौलत पाकिस्तान ने शनिवार को विश्वकप के मौसम बाधित मुकाबले में न्यूजीलैंड को डीएलएस पद्धित के आधार पर 21 रन से हरा कर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जीवित रखा

बैंगलुरु, 4 नवंबर। फखर जमान (126 नाबाद) के तूफानी शतक और वर्षा की बदौलत पाकिस्तान ने शनिवार को विश्वकप के मौसम बाधित मुकाबले में न्यूजीलैंड को डीएलएस पद्धित के आधार पर 21 रन से हरा कर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जीवित रखा।

रचिन रविंद्र (108) और कप्तान केन विलियम्सन (95) के बीच 180 रन की साझीदारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने आईसीसी विश्वकप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये पाकिस्तान को जीत के लिये 402 रन का विशाल लक्ष्य दिया था। पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करते हुये एक विकेट पर 200 रन बना भी लिये थे कि इस बीच बारिश के कारण आगे का खेल संभव नहीं हो सका जिसके बाद डीएलएस पद्धित का सहारा लिया गया जिसमें पाकिस्तान को 21 रन से विजयी घोषित किया गया।

पाकिस्तान को विश्वकप मे बने रहने के लिये यह मैच जीतना बेहद जरूरी था। पाकिस्तान की इस जीत के नायक फखर जमान बने जिन्होने महज 81 गेंदो में आठ चौके और 11 छक्के उड़ा कर विशाल लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। उनके इस काज में कप्तान बाबर आजम का भरपूर सहयोग मिला जिन्होने एक छोर पर 93 मिनट बिताये और अपनी टीम को 66 रनो का योगदान दिया। दोनो ही बल्लेबाज नाबाद रहे।

इससे पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर भारतीय मूल के 23 वर्षीय खिलाड़ी रचिन ने मौजूदा विश्व कप मे अपना तीसरा शतक जड़ा। अपने ननिहाल बैंगलुरू में रचिन ने अपनी बेमिसाल बल्लेबाजी से स्टेडियम में बैठे भारतीय दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। रचिन अब तक विश्वकप में 523 रन बना चुके है और दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डीकॉक के बाद विश्व कप में अब तक वे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है। उनके पहले दो शतक इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ आये थे। वहीं चोट से उबरने के बाद मैदान पर वापसी कर रहे विलियम्सन ने नवोदित बल्लेबाज का बखूबी साथ देते हुये पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ दी।

विलियम्सन हालांकि अपने 14वें वन डे शतक से पांच रन से चूक गये। वह इफ्तिखार अहमद की गेंद को छक्के में तब्दील करने के प्रयास में लांग आफ में खड़े फखर जमान के हाथों लपके गये। रचिन रविन्द्र पारी के 36वें ओवर में मोहम्मद वसीम का शिकार बने जिसके बाद भी पाकिस्तान के गेंदबाज कीवी बल्लेबाजों के रनो की रफ्तार को नहीं रोक सके। वसीम 60 रन पर तीन विकेट लेकर सबसे सफल और किफायती गेंदबाज रहे जबकि स्ट्राइक बॉलर शाहीन शाह अफरीदी ने 90 और हारिस रउफ ने 85 रन लुटाये। दोनो को एक एक विकेट मिला। मैच से पहले पाकिस्तान की तुरूप का इक्का समझे जाने वाले हसन अली भी 82 रन देकर सिर्फ एक विकेट ही हासिल कर सके।

इंग्लैंड विश्व कप से बाहर, ऑस्ट्रेलिया ने 33 रन से हराया

अहमदाबाद, 4 नवंबर। मार्नस लाबुशेन (71) की शानदार पारी के बाद एडम जम्पा (21 रन पर तीन विकेट) के अलावा तेज गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन की मदद से आस्ट्रेलिया ने शनिवार को इंग्लैंड को 33 रन से एक और हार झेलने पर मजबूर कर दिया। 2019 के विश्व कप विजेता की सात मैचों में यह छठवीं हार थी जिससे उसका स्थान अंतिम पायदान पर हो गया है। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 286 रन बनाये जिसके जवाब में गत विजेता इंग्लैंड की पूरी टीम 48.1 ओवर में 253 रन पर सिमट गयी। इंग्लैंड की बल्लेबाजी की जान माने जाने वाले जो रूट (13) का बल्ला आज भी नहीं चला जबकि सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो (0) पहली ही गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बावजूद इंग्लैंड की टीम ने आज जीत का जज्बा दिखाया। डेविड मलान (50) और बेन स्टोक्स (64) ने विकेट पर टिक कर अर्धशतकीय पारी खेली जबकि बाद में मोइन अली (42) और क्रिस वोक्स (32) ने अपेक्षाकृत तेजी से रन बटोर कर लक्ष्य का पीछा करने का भरपूर प्रयास किया मगर नियमित अंतराल पर विकेटों के पतन से लक्ष्य दूर होता चला गया जो अंतत: हार का कारक बना।

इंग्लैंड की पारी को कम स्कोर पर समेटने में एडम जम्पा की भूमिका अहम रही जिन्होने न सिर्फ रनो की गति पर अंकुश लगाया बल्कि अपनी टीम के लिये सर्वाधिक तीन विकेट झटके। उनके अलावा मिचेल स्टार्क,जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस ने दो दो विकेट चटका कर इंग्लैंड के मनोबल को पूरी तरह तोड़ दिया। इससे पहले स्टीव स्मिथ (44), मार्नस लाबुशेन (71) और कैमरन ग्रीन (47) की टिकाऊ पारियों के बावजूद आस्ट्रेलिया इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 49.3 ओवर में 286 रनों पर ढेर हो गयी। आस्ट्रेलिया की पारी को समेटने में क्रिस वोक्स (54 रन पर चार विकेट) और आदिल रशीद (38 रन पर दो विकेट) की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

37वें राष्ट्रीय खेल में यूपी ने वुशू में जीते 14 पदक

लखनऊ, 4 नवंबर। उत्तर प्रदेश के संतोष कुमार मिश्रा और छवि ने गोवा में आयोजित 37 राष्ट्रीय खेल में चीनी मार्शल आर्ट वुशू की स्पर्धा में कड़ी चुनौती पेश करते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की। इन खेलों में प्रदेश ने वुशू में दो स्वर्ण,सात रजत और पांच कांस्य पदक समेत कुल 14 पदक हासिल किये हैं। संतोष कुमार मिश्रा ने पुरुष सांडा 48 किग्रा भार वर्ग में और छवि ने महिला सांडा 48 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

पाकिस्तान को हराकर भारत ने जौहर कप में कांस्य पदक हासिल किया

जोहोर बाहरू (मलेशिया), 4 नवंबर। भारत ने 11वें सुल्तान जौहर कप में शनिवार को खेले गये रोमांचक मुकाबले में पेनाल्टी शूटआउट में पाकिस्तान को 3-3 (6-5) से हराकर कांस्य पदक जीत लिया।

एक्शन से भरपूर इस मुकाबले में भारत के लिए अरुण साहनी (11), पूवन्ना सीबी (42) और कप्तान उत्तम सिंह (52) ने स्कोर किया, जबकि पाकिस्तान के सुफियान खान (33), अब्दुल कय्यूम (50) और कप्तान शाहिद हन्नान (57) ने स्कोर किया। निर्धारित समय दोनो टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं। पेनल्टी शूटआउट में भारत के गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार रक्षक की भूमिका निभायी और यह मुकाबला 6-5 शूटआउट से भारत के पक्ष में हो गया।

खेल की शुरुआत दोनों टीमों ने सावधानी से मौके तलाशने के साथ की लेकिन खेल के 11वें मिनट में अरुण साहनी ने रोहित के पास को गोल में तब्दील करने में कोई गलती नहीं की। दूसरे क्वार्टर में बराबरी की तलाश में पाकिस्तान ने दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन उनमें से किसी का भी फायदा उठाने में असफल रहा। पाकिस्तान की कड़ी मेहनत दूसरे हाफ में रंग लाई जब सूफियान खान ने पेनल्टी कॉर्नर से गेंद को मोहित एचएस के जाल में डाल दिया। क्वार्टर में तीन मिनट पहले पूवन्ना सीबी ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिये भारत के लिये दूसरा गोल दागा।

आखिरी क्वार्टर में दोनो टीमों के एक दूसरे पर जबरदस्त प्रहार किये। पाकिस्तान के अब्दुल कय्यूम ने एक और गोल कर मुकाबले को फिर बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया लेकिन कुछ ही मिनटों में कप्तान उत्तम सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 3-2 कर दिया। पाकिस्तान ने इस बीच कई पेनाल्टी कार्नर अर्जित किये मगर उसे सफलता मैच खत्म होने के तीन मिनट पहले मिली जब कप्तान शाहिद हन्नान ने अपने गोल से स्कोर 3-3 कर दिया और खेल को पेनल्टी शूटआउट में ले गए।

पाकिस्तान के अरशद लियाकत, हन्नान शाहिद, अब्दुल रहमान और अहतिशाम असलम ने पेनल्टी शूटआउट में नेट पर वापसी की, जबकि विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अंगद बीर सिंह और उत्तम सिंह ने अपने गोल के साथ जवाब दिया।

बीड़ बिलिंग में पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप का रास्ता साफ : शर्मा

शिमला, 4 नवंबर। हिमाचल प्रदेश के कांगडा जिले में पैराग्लाइडिंग के लिए विश्व प्रसिद्ध बीड़ बिलिंग घाटी में छह महीने में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की दो प्रतियोगिताएं आयोजित होना गर्व की बात है। आयोजक बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग शर्मा ने कहा कि एक्यूरेसी प्री वर्ल्ड कप और पैराग्लाइडिंग क्रॉस कंट्री प्री वर्ल्ड कप के सफल आयोजन के बाद आगामी वर्ष में वर्ल्ड कप के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व भारतीय जनता पार्टी शासन में पिछले चार वर्षों में यहां कोई भी प्रतियोगिता का आयोजन संभव नहीं हो सका था।

भारत का विजय रथ रोकना द. अफ्रीका के लिये नहीं होगा आसान

भारत ने मौजूदा विश्वकप के अब तक खेले गये सभी सात मुकाबले जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के हाथ इतने ही मुकाबलों में छह जीत नसीब हुयी हैं

कोलकाता, 4 नवंबर। विश्वकप में अब तक अजेय रह कर सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित करने वाली भारतीय टीम रविवार को खचाखच भरे ईडन गार्डन्स पर खिताब की प्रबल दावेदार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मनोवैज्ञानिक बढ़ त हासिल करने के लिये लगातार आठवीं जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने की इस जंग का गवाह बनने के लिये दर्शकों का हुजूम ईडन गार्डन्स की ओर सुबह से ही उमड़ने लगेगा। नंबर एक और नंबर दो टीम के इस रोमांचक मुकाबले में सबकी निगाहें बर्थडे ब्वाय विराट कोहली पर होंगी। कल अपने जन्मदिन पर किंग कोहली के पास अपना 49वां शतक बनाने और सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक एकदिवसीय शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका होगा।

भारत ने मौजूदा विश्वकप के अब तक खेले गये सभी सात मुकाबले जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के हाथ इतने ही मुकाबलों में छह जीत नसीब हुयी हैं। जीत हार के इस अंतर को बढ़ाने का दारोमदार कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी पर होगा। भारत अगर पहले दस ओवर में बगैर विकेट खोये रन बनाता है तो उसको बड़े स्कोर पर पहुंचने से रोकना दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के लिये चुनौती होगी। श्रेयस अय्यर और विराट कोहली के अलावा सूर्य कुमार यादव और रविंद्र जडेजा का योगदान भी इस मुकाबले मे काफी अहम रहने वाला है। दूसरी ओर मोहम्मद शमी के आने से भारत की तेज गेंदबाजी को धार मिली है। शमी ने पिछले मैचों में अपनी श्रेष्ठता साबित की है वहीं जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को प्रचंड फार्म में चल रहे क्विंटन डिकॉक को जल्द निपटाने की चुनौती होगी।

चोटिल हार्दिक पांड्या विश्वकप से बाहर, प्रसिद्ध कृष्णा टीम में शामिल

नयी दिल्ली, 4 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या टखने में लगी चोट के कारण शनिवार को विश्वकप से बाहर हो गए। हार्दिक पांड्या विश्व कप 2023 में बंगलादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हो गये थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आज यहां जारी विज्ञिप्त के अनुसार पांड्या के स्थान पर तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हार्दिक पांड्या ने शनिवार को टीम से बाहर होने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर भावुक होकर लिखा, यद्यपि यह पचा पाना मुश्किल होगा कि मैं इस विश्व कप के बाकी के हिस्से में नहीं खेल पाऊंगा, लेकिन मैं अपनी टीम के साथ रहूंगा, पूरे उत्साह से हर मैच में हर गेंद पर उनका हौसला बढ़ाऊंगा। मुझे मिला प्यार, सहयोग और शुभकामनाएं जबरदस्त रही हैं, इसके लिए धन्यवाद। यह टीम एक खास टीम है और मुझे पूरा विश्वास है कि सभी लोग हम पर गर्व करेंगे।

आकाश चोपड़ा के साथ हुई 33 लाख रुपये की धोखाधड़ी

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा के साथ 33 लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आकाश के साथ यह धोखाधड़ी हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी कमलेश पारीख और उनके बेटे ध्रुव पारीख ने की है। आकाश चोपड़ा ने इन दोनों को 57.80 लाख रुपए उधार के रूप में दिए थे, जिसे अब वह वापस नहीं कर रहे हैं। इसी संबंध में आकाश ने इन दोनों के ऊपर एफआईआर दर्ज कराई है। धोखाधड़ी की यह शिकायत आकाश चोपड़ा ने आगरा के हरीपर्वत थाना क्षेत्र में कराई है। दरअसल पूरा मामला यह कि आकाश चोपड़ा ने कमलेश पारीख और उनके बेटे को जूते के कारोबार में मदद के लिए 57.80 लाख रुपए उधार दिए थे। इस बीच आकाश को 24.80 लाख की रकम लौटाई भी गई, लेकिन बाकी के 33 लाख कई कोशिशों के बाद भी उन्हें वापस नहीं मिला तो उन्होंने इसके बाद पुलिस में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है।

दिल्ली को पीट कर पंजाब मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में

मोहाली, 4 नवंबर। अभिषेक शर्मा (77) और कप्तान संदीप सिंह (63 नाबाद) की तूफानी पारी की मदद से पंजाब ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के सेमीफाइनल मुकाबले में दिल्ली को छह विकेट से हरा दिया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आई एस बिंद्रा स्टेडियम में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 20 ओवर में सात विकेट खोकर 183 रन बनाये जिसके जवाब में पंजाब ने विजय लक्ष्य आठ गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। शुरुआती तीन विकेट मात्र 55 रन पर गंवा कर पंजाब एक समय संघर्ष की स्थिति में आ गयी थी मगर अभिषेक का साथ देने संदीप सिंह क्रीज पर उतरे और दोनो बल्लेबाजों ने 102 रनों की पार्टनरशिप कर अपनी टीम को विजय के करीब पहुंचा दिया। पारी के 16वें ओवर में अभिषेक का विकेट सुयश शर्मा ने लिया मगर दूसरे छोर पर डटे संदीप ने नेहाल बढे रा (13) के साथ टीम की जीत का मार्ग प्रशस्त कर लिया। संदीप ने 36 गेंदो की संक्षिप्त पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाये।

सबसे पहले तो पाकिस्तान को अगला मैच इंग्लैंड के खिलाफ हार हाल में जीतना होगा, जिसके बाद बाबर सेना के पास 10 प्वाइंट्स हो जाएंगे। प्वाइंट्स टेबल में नंबर चार की न्यूजीलैंड को आखिरी मैच में और नंबर छह की अफगानिस्तान को अगले दोनों मैचों में हारना होगा, जिसके बाद पाकिस्तान का सेमीफाइनल खेलना पक्का हो जाएगा।अगर पाकिस्तान अगला मैच इंग्लैंड के खिलाफ हार जाती है, तो न्यूज़ीलैंड और अफगानिस्तान की टीमें अगले सभी मैच इतने खराब नेट रनरेट से हारें कि उनका नेट रनरेट पाकिस्तान से कम हो जाए। क्योंकि फिलहाल न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और अफगानिस्तान तीनों के पास बराबरी के 8-8 प्वाइंट्स मौजूद हैं। अफगानिस्तान को एक मैच हर हाल में हारना ही होगा। अगर अफगान टीम दोनों मुकाबले जीत गई तो प्वाइंट्स में पाकिस्तान से आगे हो जाएगी, क्योंकि पाकिस्तान ने 8 में से 4 मैच जीते हैं।

Format C-7

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates

(As per the Commission's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 of 2018 in WP(C) no. 536 of 2011)

Name of Political Party	:	**BAHUJAN SAMAJ PARTY**
Name of the Election	:	**General Legislative Assembly Election 2023**
Name of State/UT	:	**RAJASTHAN**
Name of the Constituency	:	**63- BANSUR**
Name of the Candidate	:	**MUKESH**

Sl.No.			
1.	Criminal antecedents		
	a.	Nature of the offences	1. Section 332, 353 of IPC & 3(1) of SC/ST Act. 2. Section 138 NIA
	b.	Case No.	1. Case No. 550/2017 2. Case No. 630/17(155/21)
	c.	Name of the Court	1. SC/ST Court Alwar 2. Addl.CJM Bansur
	d.	Whether charges have been framed or not (Yes/No)	1. No 2. Yes
	e.	Date of conviction, if any	2. Case No. 630/17(155/21) dt.21.09.23
	f.	Details of punishment undergone, if any	2. 2 Years Imprisonment. (acquitted by mutual agreement)
	g.	Any other information required to be given	Nil
2.	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the polls (not more than 100 words)		The candidates is member of the party since long, in comparison to other candidate and their history is found to be suitable.
3.	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates (not more than 100 words)		On local enquiry by it was transpired it is a case of political vendetta/revenge. His image supported by the local office bearers of the party as clean and good.

--- sd ---
Signature of office bearer of the Political Party
Name and designation : Sridhar (National Treasurer)

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शनिवार को लाडनूं पहुँचकर कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश भाकर के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित किया। इसके बाद पायलट ने परबतसर जाकर यहां से कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास गावड़िया की चुनाव नामांकन रैली में भी शिरकत की। मुकेश भाकर के लिए पायलट ने लोगों से अपील की कि, उन्हें पिछली बार से भी कहीं ज्यादा वोट देकर बड़े मार्जिन से जिताने का प्रयास करें।

सचिन पायलट ने लाडनूं में मुकेश भाकर के लिए जनसभा की

पायलट परबतसर भी गए और रामनिवास गावड़िया की नामांकन सभा को भी संबोधित किया

- भाकर के समर्थन में आयोजित जनसभा में पायलट ने कहा कि, मैं भाकर को तब से जानता हूँ जब वे छात्र राजनीति में सक्रिय थे, उन्होंने भी कांग्रेस को जन-जन तक ले जाने में मेरे साथ संघर्ष किया है।
- गावड़िया की चुनाव सभा में पायलट ने भाजपा के 17 नेताओं को कांग्रेस की सदस्यता दिलवाई।

डीडवाना, परबतसर, लाडनूं, 4 नवम्बर (नि.सं.)। सचिन पायलट ने लाडनूं में कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश भाकर के समर्थन में चुनावी सभा को सम्बोधित किया और वे परबतसर भी गए जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास गावड़िया की नामांकन रैली में शिरकत की और सभा को सम्बोधित किया।

सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी जी, खड़गे के और हम सबके उम्मीदवार मुकेश भाकर की नामांकन आशीर्वाद सभा में आज आया हूं। इनको सहयोग देने, इनको बल देने और आप सबसे निवेदन करने। आपके भरोसे पर कांग्रेस पार्टी ने अब दुबारा मुकेश को यहां से उम्मीदवार बनाया है। अभी मुकेश ने जो भाषण दिया कि पिछली बार जीत में थोड़ी कमी रह गयी थी, 12000 से 13000 का अंतर था। इस बार तीस पार करना है। यह संकल्प आप सबको लेना है।

पायलट ने कहा, "दोस्तों मैं मुकेश जी को लम्बे अरसे से जानता हूं। जयपुर में 2013 में हमारी पार्टी और सरकार चुनाव हार गई थी। उस समय मुझे राहुल जी ने और सोनिया ने कांग्रेस पार्टी का प्रदेशध्यक्ष बनाया, पी.सी.सी. अध्यक्ष बनने के बाद मैं जयपुर में जालूपुरा में रहता था।

उन दिनों में मुकेश छात्र राजनीती में सक्रिय थे। छात्र संघ के चुनाव लड़े। फिर और लोगों को चुनाव लड़ाया और वह समय जो था 2013 से 2018 तक का वो कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण समय था। कांग्रेस पार्टी के बहुत से लोगों ने मुझसे कहा कि सचिन क्यों घूमते फिरते हो फालतू में कुछ होने वाला नहीं है।

मैंने संकल्प लिया था कि पार्टी को पूर्नजीवित करेंगे। गाँव- ढाणी में लोगो का विश्वास जीतेंगे। उस संघर्ष में मुकेश भाकर ने मेरा व कांग्रेस पार्टी का साथ दिया था। कहने में मुझे बड़ी खुशी है, फ़ख्र से बोलता हूं, पांच सालों में हमारे विधायक के ऊपर कोई ऊँगली नहीं उठा सकता। मैंने कहा भाई मुकेश जी ने काम किया है। कांग्रेस पार्टी टिकट देगी और मुकेश भाकर जी को जनता जिताएगी।"

इस अवसर पर चेयरमेन रावत खां सहित कई कांग्रेस वक्ताओं ने सभा संबोधित कर पार्टी जनों को आपसी मनमुटाव भूलकर प्रत्येक बूथ पर एकजुटता दिखाने और मतदान के दिन भारी संख्या में कांग्रेस को वोट दिलाने का आव्हान किया।

परबतसर में पूर्व सरपंच गोपाल गुर्जर सहित गुर्जर समाज के 17 लोग भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए। मंच पर पायलट ने उनको कांग्रेस का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। गावड़िया की नामांकन सभा में गुर्जर समुदाय में काफी उत्साह देखा गया और पायलट के लिए जमकर नारे बाजी की गई।

वहीं माली (सैनी) समाज के गिने चुने लोगों को छोड़कर कोई नज़र नहीं आया। इस दौरान ए.आई.सी.सी. प्रभारी काजी निजामुद्दीन भी उनके साथ थे। नामांकन रैली में सचिन पायलट ने कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। वहीं भारतीय जनता पार्टी पर भी उन्होंने खूब व्यंग्य बाण छोड़े।

परबतसर से कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास गावड़िया ने भी अपने कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों के नाम पर वोट की अपील की। रामनिवास गााावड़िया ने शुभ मुहूर्त देखकर कर पत्नि व बहिन के साथ चुनाव निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बलवीर सिंह जाट के समक्ष उपस्थित होकर नामांकन पत्र दाखिल किया, सभा समाप्त होने के पश्चात गणेश मंदिर से ढोल धमाकों के साथ रैली के साथ जाकर दूसरा नामांकन पत्र ढाई बजे दाखिल करवाया गया।

भाजपा के यूनुस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अपने समर्थकों की मांग पर वे यह कदम उठा रहे है और अपने समर्थकों की भारी भीड़ के बीच उन्होंने भाजपा छोड़ने का ऐलान किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस और भाजपा के कई लोग भी समर्थन में खड़े नजर आए। खान ने कहा कि, मैं पार्टी में अपने सभी पदों से इस्तीफा भेज रहा हूं और पार्टी छोड़ रहा हूं।

आज डीडवाना में समर्थकों के बीच खान ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। खान सोमवार को डीडवाना विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा दाखिल करेंगे।

यूनुस खान ने सभा में समर्थकों से कहा कि पिछली बार पार्टी नेताओं ने टोंक भेजा तो चला गया, लेकिन हारने के बाद मुझे लगातार नजर अंदाज़ किया जा रहा है। मैं 25 साल से पार्टी की सेवा कर रहा हूं। पार्टी ने अब मुझे टिकट नहीं दिया है। न ही कोई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसलिए मैंने भाजपा छोड़कर निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार से फोन पर बात की

इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के बारे में नीतीश के बयान को देखते हुए फोन पर हुई वार्ता महत्वपूर्ण मानी जा रही है

- नीतीश ने एक दिन पहले ही कहा था कि, कांग्रेस पार्टी को राज्यों के चुनावों की चिंता है इसलिए इंडिया गठबंधन में कुछ नहीं हो रहा है।
- नीतीश के बयान के बाद इंडिया गठबंधन में बिखराव की चर्चा जोरों से चल पड़ी थी।
- पर खड़गे ने नीतीश से फोन पर वार्ता कर तमाम अटकलों को शांत करने की कोशिश की है।
- लालू यादव व तेजस्वी यादव भी नीतीश के घर गए और चर्चा की।

पटना, 4 नवम्बर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से कांग्रेस और "इंडिया" गठबंधन के संदर्भ में दिए गए बयान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को फोन पर नीतीश कुमार से बातचीत की। गौरतलब है कि, नीतीश कुमार ने गुरुवार को कहा था कि, इंडिया गठबंधन में फिलहाल कांग्रेस पार्टी के पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त होने के कारण कुछ नहीं हो रहा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को नीतीश कुमार से फोन पर बातचीत की। समझा जा रहा है कि खड़गे ने नीतीश को भरोसा दिया है कि, पांच राज्यों में चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद इंडिया गठबंधन में तय एजेंडा के अनुसार सब कार्यों को प्राथमिकता से किया जाएगा।

गौरतलब है कि, शुक्रवार की शाम को नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव की एक बैठक हुई थी। लालू प्रसाद और उनके बेटे एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके घर पहुंचकर मुलाकात की थी। लालू और तेजस्वी जेडीयू के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार के आवास पर करीब आधे घंटे रहे थे।

इस बैठक में क्या चर्चा हुई, इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। हालांकि सूत्रों ने कहा कि इस दौरान हुई बातचीत राज्य में सत्तारूढ़ महागठबंधन और विपक्षी गठबंधन इंडिया के इर्द-गिर्द केंद्रित रही। जेडीयू और आरजेडी, दोनों विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं। ऐसा माना जा रहा है कि, कांग्रेस की अरूचि को देखते हुए नीतीश अन्य किसी प्रकार गठबंधन की संभावना को भी तलाश सकते हैं। इससे पहले गुरुवार को नीतीश और तेजस्वी यादव ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित किया था। इस रैली में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी गठबंधन, इंडियन नैशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की सक्रियता कम होने के लिए इसके प्रमुख घटक दल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए गुरुवार को कहा था कि, देश के सबसे पुराने दल की फिलहाल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में दिलचस्पी है और उसे विपक्षी मोर्चे को आगे बढ़ाने की चिंता नहीं है।

एक सप्ताह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लड़ने के संकेत दिए हैं। सोमवार को वे नॉमिनेशन भर सकते हैं। शनिवार को ट्वीट कर जनता से समर्थन भी मांगा।

जानकारी के अनुसार रविंद्र सिंह भाटी पिछले काफी समय से बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय थे। कयास लगाया जा रहा था कि वे शिव से विधानसभा का चुनाव लड़ सकते हैं।

सात दिन पहले ही जयपुर में भाजपा प्रभारी अरूण सिंह और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में वे पार्टी में शामिल हुए थे।

इसके बाद से ये तय माना जा रहा था कि शिव विधानसभा से उनका टिकट तय है। हालांकि शुक्रवार सुबह भाजपा ने इस सीट से स्वरूप सिंह खारा को मैदान में उतार दिया। इसलिए अब वे निर्दलिय फार्म भरेंगे।

कौन है जादूगर और कौन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर सकती है, पर, मतदाता को समर्थक में परिवर्तित नहीं कर सकती। मीडिया पर कंट्रोल, भ्रष्टाचार के मामलों को दबा तो सकता है, पर कारनामों की स्मृति हरदम के लिये मिटा नहीं सकता। आपातकाल में भी विपक्ष जेलों में बंद था तथा सभी स्तर पर प्रयास हुआ था कि, नसबंदी, आपातकाल की तोड़-फोड़ की घटनाएं, जैसे तुर्कमान गेट का वाकिया, चर्चा में न आयें तथा आपातकाल के दौरान प्रशासनिक कुशलता में बढ़ोतरी, सरकारी कर्मचारियों का समय पर आना, आज का काम आज, आदि नारे ज्यादा चर्चित हों। साथ ही यह भी प्रचारित किया गया था कि, विपक्ष को जेल से छूटते ही चुनाव लड़ना पड़ेगा, सिम्बल पर भी कन्फ्यूजन है, चुनाव प्रचार क्या खाक करेंगे।

पर, देश के मूड के साथ, राजस्थान ने भी "व्यवहारिक राजनीतिक" को तिलांजलि दी और जनता पार्टी की सरकार ही नहीं बनवायी, बल्कि, प्रचण्ड बहुमत दिलवाया, विधानसभा व लोकसभा में।

जात-पात के आंकड़े का, साधनों का अभाव, चुनाव प्रचार के लिये समय की भारी कमी, सब महत्वहीन हो गये। कुछ ऐसा सा ही वातावरण जनता में नजर आ रहा है।

सचिन के पास "रिक्वैस्ट" की भीड़ लगने लगी है, कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव क्षेत्र में कम से कम एक चुनाव सभा संबोधित करने के लिये। गहलोत मंत्रिमण्डल के एक वरिष्ठ मंत्री ने तो बाकायदा एक पोस्टर छापने व विज्ञापन जारी करने की "हिमाकत" तक की, दोनों में सचिन पायलट का फोटो छापने की तथा दोनों में से मु.मंत्री गहलोत का फोटो हटाने की।

क्या यह घटनाक्रम बदलती "फिज़ा" की निशानी है?

'80 करोड़ गरीबों को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वस्तुएं या खाद्यान्न की घोषणा करते रहे है, जबकि खबरों के अनुसार ये वादे प्राय: आधे या आंशिक रुप से ही पूर्ण किए जाते हैं। "रेवड़ी" संस्कृति के एक कटु आलोचक भाजपा सांसद वरुण गांधी ने "जन्म से लेकर मरण" तक के लिए सहायता प्रदान करने की राजनीतिक दलों की मानसिकता की पहले कटु आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि "इस स्कीम ने नागरिकों में एक "हकदारी की भावना" निर्मित कर दी है।" नीति आयोग के सदस्य एवं कृषि अर्थशास्त्री प्रो. रमेश चन्द ने भी पहले तर्क दिया था कि फ्री राशन स्कीम की अवधि दिसम्बर 2022 के बाद नहीं बढ़ायी जानी चाहिए।

वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने "वित्तीय एवं खाद्य सुरक्षा" दोनों कारणों के मद्देनज़र जून 2022 में इस स्कीम को बंद करने का सुझाव दिया था। कैपिटल माइन्ड के दीपक शेनॉय सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी ऐसी ही राय प्रकट की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष जुलाई माह में "रेवड़ी संस्कृति" के खिलाफ स्वयं यह कहते हुए लोगों को सावचेत किया था कि "देश के विकास के लिए यह बहुत ही खतरनाक है।"

कोविड-19 की वैश्विक महामारी के प्रकोप के बाद मार्च 2020 में लगे राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के तुरंत बाद फ्री राशन दिए जाने की घोषणा की गई थी। बताया जाता है कि इस निर्णय के बाद हुए विधानसभा चुनावों, खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा को राजनीतिक लाभ पहुंचा। फ्री राशन स्कीम की लोकलुभावन अपील को देखते हुए इसके फायदों को वापस लेना प्रकट रुप से आसान नहीं है।

क्या कारण है कि, यूरोप में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए धर्म ग्रंथ, पवित्र पुस्तकें व टूटा फर्नीचर छोड़ गए, जो सारी कहानी बयान करते हैं। लेकिन घटनास्थल से पलायन करने से पूर्व हमलावरों ने सायनागॉग की दीवारों पर "स्वास्तिक" के चिन्ह बना दिए।

यह जर्मनी में नाज़ियों द्वारा "स्वास्तिक" को अपना पार्टी सिम्बल बनाए जाने की यादें ताजा करता है। हिटलर ने अपनी सत्ता के चरम पर अपने नेतृत्व वाली नाज़ी सरकार के तहत यहूदियों को यूरोप से खदेड़ने के लिए उनका लाखों की तादाद में कत्लेआम किया था।

हिटलर के यहूदी विरोधी कृत्यों को आगे जाकर कुख्यात "होलोकास्ट" की संज्ञा दी गई, जिसमें असंख्य यहूदियों की अक्षम्य एवं अमानवीय यातनाओं के बाद नृशंस हत्या की गई थी।

यूरोप में रह रहे यहूदियों के विरूद्ध जो हिंसा हो रही है वह उन्हें नाज़ी जर्मनी के काले दिनों की याद दिला रही है। जो स्वंय के एक सभ्य देश होने का दावा करते हैं और जिन्होंने के लिए मानवता के मापदण्ड तय कर रखे हैं।

वास्तव में यूरोपियन माइण्डसैट और यूरोप में यहूदी विरोध रचा-बसा है। कई शताब्दियों से यहां तक कि पुनर्जागरण और नवीन सोच अपनाने के काफी समय बाद भी यूरोपीयन्स ने कई शताब्दियों तक यहूदियों को बेवजह यातनाएं दी और उनकी हत्याएं कीं।

उदाहरण के तौर पर महान साहित्यकार विलियम शेक्सपीयर को ही लीजिए। उनके नाटकों में यहूदियों के किरदार बड़े दुष्ट बताये जाते थे, मसलन उनके नाटक "मर्चेन्ट ऑफ वेनिस" का मुख्य पात्र शायलॉक एक यहूदी था, जो ऋण का भुगतान ना होने के कारण एक पाउण्ड मांस की मांग करता है। ब्रिटेन में यहूदियों के खिलाफ कई हमले बोले गए हैं और क्यों ना हो जबकि सत्तारूढ़ पार्टी के एक मंत्री पर ही यहूदी विरोधी विचार रखने का आरोप है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908